हरिभूमि
रायपुर भूमि

सेंट्रल मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक में सामने आई प्रदूषण में वृद्धि की बात, आज करेंगे निरीक्षण

जीरो डिस्चार्ज की शर्त बरकरार रखनी होगी

संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास ने तीनों संबंधित नगरीय निकायों के प्रमुख अधिकारियों से कहा है कि जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण अधिनियम 1974 के तहत उद्योगों को किसी उपचारित, अशोधित अपशिष्ट जल को नदी या किसी भी सतही जल निकाय में नहीं छोड़ेगा, साथ ही किसी भी परिस्थिति में कोई उपचारित, अशोधित जल उद्योग परिसर के बाहर नहीं छोड़ेगा। इसके साथ ही जीरो डिस्चार्ज की शर्त हर समय बनाए रखेगा।

गंदे पानी की पाइपलाइन लीक, खारुन हो रही मैली, रेटिंग बिगड़ी, सेहत के लिए खतरनाक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजधानी रायपुर और आसपास के लोगों के लिए यह खबर परेशान करने वाली है कि खारुन नदी का पानी तेजी से प्रदूषित हो रहा है। यह प्रदूषण जो पहले प्राथमिकता श्रेणी पांच पर था, अब वह श्रेणी दो में पहुंच गया है। इसका मतलब यही है कि नदी में प्रदूषण का स्तर बढ़ गया है। यह बात सेंट्रल मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक में सामने आई है। अब नदी के पास वाले क्षेत्र के तीन नगरीय निकायों से कहा गया है कि नदी में हो रहा प्रदूषण रोकने के लिए उसमें उद्योगों का जो गंदा पानी मिल रहा है, उसे जाने से रोकें। कहा जा रहा है कि एसटीपी की पाइपलाइन में लीकेज होने की वजह से सिवरेज का पानी नदी में मिल रहा है।

संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास ने इस मामले को लेकर नगर निगम रायपुर, बीरगांव, और नगर ▶▶शेष पेज 13 पर

अब निकायों को दिए ये निर्देश

संचालनालय ने संबंधित तीन नगरीय निकायों के प्रमुख अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने निकाय क्षेत्र के अंतर्गत उद्योगों का निरीक्षण करते हुए ऐसे उद्योग जो अपने परिसर से बाहर अपशिष्ट जल का निर्वहन करते हैं, उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करें। यहीं, ऐसा कर रहे उद्योगों की सूची फोटो ग्राफ्स सहित संचालनालय तथा छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल को भेजें।

खबर संक्षेप

पुरानी रंजिश पर हॉकी स्टिक से किया हमला

रायपुर। पुरानी बस्ती पुलिस ने एक युवक से हॉकी स्टिक से मारपीट करने मामले में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। घटना 26 मई की रात करीब 12 बजे की है। पंकज आसवानी निवासी न्यू चंगोराभाठा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि

वह घटना वाले दिन वह बाइक से अपने दोस्त विकास यदुवंशी को उसके घर छोड़ने सुंदरनगर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में आरोपी अजहर उर्फ अज्जू डैनी, कृष्णा बावनकर एवं लवकुमार तांडी ने पुराने झगड़े की बात पर विवाद करते हुए उस पर हॉकी स्टिक से वार कर दिया। उसके साथी विकास ने बीच-बचाव का प्रयास किया तो उसके साथ भी हाथ-मुक्का से आरोपियों ने मारपीट की। इस मारपीट में पंकज और विकास दोनों को चोटें आई हैं।

सूने मकान का ताला तोड़ ढाई लाख की चोरी

रायपुर। पुरानी बस्ती पुलिस ने घर में चोरी के मामले में अपराध पंजीबद्ध किया है। प्रार्थी राजेंद्र चक्रधारी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका परिवार 15 से 27 मई तक बाहर गया हुआ था। 28 मई को

सुबह 10 बजे जब वे वापस लौटे तो उनके घर का ताला टूटा पाया। अंदर जाकर देखा तो आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात भी गायब थे, जिसकी कीमत 2 लाख 80 हजार रुपए है। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात चोर के विरुद्ध धारा 457, 380 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

तीन माह में 1931 हुए हीट स्ट्रोक के शिकार, सबसे ज्यादा बलौदाबाजार में प्रभावित

हीट स्ट्रोक से 2000 पहुंचे अस्पताल, मैदानी इलाकों में ज्यादा बीमार, सावधानी जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

भले ही गर्मी ने मई के अंतिम दिनों में अपना असर दिखाया हो, मगर लू की शिकायत काफी पहले से सामने आती रही है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार राज्य के डेढ़ हजार से अधिक लोग गर्म हवा की वजह से बीमार होकर इलाज के लिए अस्पताल तक पहुंचे हैं। सबसे ज्यादा मामले बलौदाबाजार में दर्ज हुए हैं। छह जिले ऐसे हैं, जहां एक भी केस रिपोर्टिंग नहीं हुई। रायपुर जिले में हीट-स्ट्रोक के केवल तीन मामले दर्ज हुए हैं। ये सरकारी आंकड़े हैं, जाहिर है निजी अस्पतालों का आंकड़ा सैकड़ों में है। विशेषज्ञों का कहना है, अभी गर्म हवाओं से बचना बेहद जरूरी है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा मार्च के महीने में मौसम में बदलाव होने के बाद से गर्मी और बढ़ते तापमान की वजह से होने वाले हीट-स्ट्रोक की रोकथाम के लिए निगरानी की जाती है। मई के महीने में भले ही इस बार गर्मी ने अपना अधिक असर नहीं दिखाया, मगर उतार-चढ़ाव वाले मौसम में भी लोग लू का शिकार होकर इलाज के लिए अस्पताल तक पहुंचे। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार मार्च और अप्रैल के महीने में लू की वजह से बीमार होने वालों की संख्या 375 थी, जो मई के समाप्त होने से पहले 193 तक पहुंच गई है। आंकड़ों के अनुसार हीट स्ट्रोक के सबसे ज्यादा मामले बलौदाबाजार जिले में दर्ज किए गए, वहीं सुकमा, नारायणपुर, कोंडगांव, कबीरधाम, जशपुर, दुर्ग, बस्तर और बलरामपुर जिले से एक भी हीट-स्ट्रोक के केस की इंट्री नहीं की गई है। रायपुर जिले में लू से संबंधित तीन मामले दर्ज किए गए हैं।

हरिभूमि सरोकार

रायपुर जिले में केवल तीन केस, छह जिलों में एक भी रिपोर्टिंग नहीं

हीट स्ट्रोक के प्रमुख जिले

जिला	तीन माह में मिले केस
बलौदाबाजार-भाटापारा	290
सूरजपुर, सरगुजा	286
कांकेर	284
बेमेतरा	187
बालोद	158
रायगढ़	126

सरकारी अस्पतालों में लू-वार्ड

गर्मी के दिनों में जिला अस्पताल से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तक लू का शिकार होकर इलाज के लिए आने वाले लोगों के उपचार के लिए लू वार्ड की व्यवस्था की जाती है। एसी की सुविधा वाले इस वार्ड के अलावा आने वाले मरीजों के लिए निशुल्क ओआरएस कॉर्नर और लक्षण के आधार पर बुखार की दवा का इंतजाम भी किया जाता है।

सावधानी जरूरी

सावधानी नहीं बरतने पर हीट स्ट्रोक की समस्या होती है। विभागीय स्तर पर इस तरह के मामलों की निगरानी की जा रही है। लू के मामले सामने आए हैं, मगर गंभीर स्थिति नहीं हुई है। तबीयत बिगड़ने पर चिकित्सकों की सलाह लेनी चाहिए।

- **डॉ. निधि अत्रीवाल**, नोडल अधिकारी लू आपदा प्रबंधन

यह भी इत्तेफाक, पांच साल बाद वही तारीख और वही टेंप्रेचर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मंगलवार को राजधानी में पड़ी गर्मी ने पांच साल के तापमान को पीछे छोड़ दिया है। यह भी इत्तेफाक है कि वर्ष 2019 में 28 मई को शहर का पारा 45.8 पहुंचा था और आज भी वही हालात बने रहे। भारी गर्मी की वजह से सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा और मजबूरी में आवाजाही करने वाले नकाब में लिपटे रहे।

मौसम विभाग ने 28 मई को गर्मी का पीक होने का अनुमान जताया था, जो सही साबित हुआ। आज सुबह नौ बजे से ही गर्मी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया था और दोपहर होते-होते पारा अपनी चरम स्थिति पर पहुंच गया था। आवाजाही के दौरान दोपहर गर्म हवा के थपेड़ों से लोग झुलसते रहे। भारी गर्मी की वजह से बेचैनी महसूस करते रहे। गर्मी का प्रभाव इतना अधिक हो चुका है कि पंखे के बाद कूलर भी साथ छोड़ चुके हैं। दिन के बाद रात की गर्मी भी 31 डिग्री के करीब पहुंच चुकी है, जिसकी वजह से सुबह ही राहत महसूस हो रही है। ▶▶शेष पेज 13 पर

राजधानी का अधिकतम तापमान

28 मई 2024 को 45.8
24 मई 2023 को 43.0
1 मई 2022 को 44.6
30 मई 2021 को 42.2
26 मई 2020 को 45.4
28 मई 2019 को 45.8

- वर्ष 2019 में 28 मई को था 45 .8 तापमान अब भी वही

जहां पेट्रोल खत्म, वहां छोड़ी गाड़ी, शौकीन चोर पकड़ा गया, दस वाहन जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजधानी पुलिस ने शौकीन वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी अपना शौक पूरा करने के लिए वाहन चुराता था और फिर उस वाहन में तब तक घूमता था जब तक उसका पेट्रोल खत्म नहीं हो जाता था। जिस जगह पर पेट्रोल खत्म होता था, वाहन को उसी जगह पर लावारिस हालत में छोड़ देता था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर ऐसे 10 दोपहिया वाहन बरामद किए, जिसे चोरी करने के बाद आरोपी ने लावारिस हालत में छोड़ दिया था।

खम्हारडीह पुलिस ने इस घटना का खुलासा करते हुए बताया कि शहर में दोपहिया वाहन चोरी की घटनाओं की दर्ज रिपोर्ट के आधार पर उनके क्षेत्र में भी ऐसे अपराधियों की धड़पकड़ के लिए अपने मुखबिरों को अलर्ट किया हुआ था। इस बीच 25 मई को मुखबिर से सूचना मिलने पर एक संदिग्ध युवक को होंडा एक्टिवा वाहन के साथ पकड़ा। पुलिस ने जब कड़ाई से पूछताछ की, तो उसने खम्हारडीह क्षेत्र के साथ रेलवे स्टेशन, सिविल लाइंस एवं सरस्वतीनगर थाना क्षेत्र से भी वाहन चोरी करने का गुनाह कबूल किया। आरोपी करण नेताम 20 वर्ष ग्राम खौना डेरापारा थाना धरसींवा का रहने वाला है। पूछताछ में उसने बताया ▶▶शेष पेज 13 पर

चोरी करने ट्रेन से पहुंचता था रायपुर

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वाहन चोरी करने के लिए वह ट्रेन से रायपुर पहुंचता था। सिलयारी रेलवे स्टेशन से वह ट्रेन में बैठकर रायपुर आता था और यहां आने के बाद वाहन चोरी करता था। वाहन चोरी के लिए वह मास्टर चॉबी का इस्तेमाल करता था, जिससे वह आसानी से स्कूटी और बाइक दोनों का लॉक खोल लेता था। चोरी की बरामद गाड़ियों में 6 एक्टिवा, 1 डियो, 1 महिंद्रा डियोरो, 1 एचएफ डिलक्स, 1 हीरो मेस्ट्रो शामिल है।

पांच सालों में 3 हजार 54 गरीब छात्रों ने छोड़ी पढ़ाई, कोरोनाकाल में संख्या ज्यादा

- लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा मांगी गई थी पढ़ाई छोड़ने वाले आरटीई बच्चों की संख्या
- निजी स्कूलों में प्रवेशित छात्र विभिन्न कारणों से छोड़ रहे स्कूल

पता लगाएंगे कलेक्टर- गरीब बच्चे क्यों छोड़ रहे महंगे स्कूल? प्रबंधन के व्यवहार की भी होगी जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

बीते पांच सालों में रायपुर जिले में 3 हजार 54 गरीब छात्रों ने पढ़ाई छोड़ी है। ये वे छात्र हैं, जिन्हें शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत निजी स्कूलों में दाखिला मिला था। बड़े निजी स्कूलों में दाखिले के बाद भी बड़ी संख्या में छात्र पढ़ाई छोड़ रहे हैं। बीते दिनों लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा प्रदेश के सभी जिलों से पढ़ाई छोड़ चुके छात्रों की जानकारी मांगी गई थी। इसके बाद जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा फॉर्मेट तैयार करके स्कूलों को भेजा गया था। स्कूलों द्वारा प्रदान की गई जानकारी के आधार पर ये तथ्य सामने आए हैं। गौरतलब है कि बीते दिनों यह जानकारी सामने आई थी कि शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत निजी स्कूलों में प्रवेश प्राप्त करने वाले छात्र विभिन्न कारणों से स्कूल छोड़ रहे हैं। इसके बाद जिला स्तर पर कमेटी बनाने तथा समीक्षा करने का निर्णय लिया गया। सोमवार को राजधानी रायपुर में समीक्षा बैठक भी इस सिलसिले में आयोजित की गई। समीक्षा में ये जानकारी सामने आई है।

खास खबर

अब करेंगे बात

निजी स्कूल तथा अधिकारी पढ़ाई छोड़ने वाले छात्रों से जाकर व्यक्तिगत तौर पर बात करेंगे। वे यह जानने का प्रयास करेंगे कि छात्रों द्वारा पढ़ाई क्यों छोड़ी गई थी। छात्रों द्वारा पढ़ाई छोड़ने की वजह को जानने के बाद कारणों को दूर करते हुए उन्हें पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रेरित किया जाएगा। लोक शिक्षण संचालनालय के अनुसार, उनके द्वारा यह कोशिश की जा रही है कि अधिक से अधिक संख्या में छात्रों को स्कूलों से जोड़ा जाए।

कोरोना भी मुख्य वजह

समीक्षा में निजी स्कूलों द्वारा बच्चों के पढ़ाई छोड़ने की वजह भी पूछी गई। इस पर अधिकतर निजी स्कूलों का कहना था कि स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश माध्यम स्कूल खोले जाने के बाद बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने वहां दाखिला ले लिया, इस कारण उन्होंने प्राइवेट स्कूल से टीसी ले ली। हालांकि आत्मानंद स्कूल की स्थापना के पूर्व ही छात्रों द्वारा स्कूल छोड़े जा रहे हैं। इस पर निजी स्कूलों द्वारा कोई जवाब अब तक नहीं दिया गया है। इसके अतिरिक्त ड्रॉप आउट छात्रों की संख्या बीते पांच सालों में सर्वाधिक रूप से कोरोना काल में रही है।

ऐसे समझें छात्रों के प्रवेश और निष्कासन का गणित

सत्र 2019-20 : इस वर्ष निजी स्कूलों में आरटीई के अंतर्गत 8 हजार 979 सीटें थी। इनमें से 3 हजार 784 सीटों पर ही प्रवेश हुए। इस वर्ष 451 छात्रों ने पढ़ाई छोड़ी थी।

सत्र 2020-21 : इस वर्ष आरटीई की 8 हजार 651 सीटों के लिए आवेदन मांगे गए थे, लेकिन 4 हजार 887 सीटों पर ही छात्रों ने प्रवेश लिए। लगभग 50 प्रतिशत सीटें खाली रह गई थीं। इनमें से अधिकतर हिंदी माध्यम थी। इस वर्ष 347 गरीब छात्रों से टीसी ली।

सत्र 2021-22 : इस वर्ष 8 हजार 346 सीटों में से 4 हजार 368 सीटों में दाखिले हुए। 616 छात्रों ने पढ़ाई छोड़ी।

सत्र 2022-23 : सर्वाधिक 1016 छात्रों ने पढ़ाई छोड़ी। यह कोरोना के प्रकोप वाला वर्ष था। इस साल 8 हजार सीटों में से 5 हजार 840 सीट ही भरी जा सकी थी।

सत्र 2023-24 : इस साल नए नियम लागू किए जाने के कारण आरटीई सीटें घटी थी। सिर्फ 5 हजार 537 सीटें ही आरटीई के अंतर्गत रखी गईं। इनमें से 4 हजार 724 पर प्रवेश हुए। पढ़ाई छोड़ने वाले छात्रों की संख्या 584 रही।

पूनो और रिबाउंस गेमिंग जोन मैग्नेटो और अंबुजा मॉल प्रबंधन को नगर निगम ने दिया नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजकोट गेमिंग जोन में अग्निकांड के बाद राजधानी रायपुर में प्रशासन हरकत में आया है। निगम आयुक्त के निर्देश पर नगर निगम के नगर निवेश विभाग की टीम ने शहर के गेमिंग जोन, मॉल और कांप्लेक्स का औचक निरीक्षण कर फायर फायटिंग सिस्टम की स्पॉट पर जानकारी ली। इसमें यह पाया कि मौके पर आधा दर्जन संस्थानों में फायर फायटिंग सिस्टम नहीं है। इस पर पूनो और रिबाउंस गेमिंग जोन, मैग्नेटो और अंबुजा मॉल प्रबंधन को नोटिस दिया है। शहर के दो सबसे बड़े गेमिंग जोन में बच्चों की सुरक्षा में लापरवाही बरतने का मामला ▶▶शेष पेज 13 पर

- मौके पर जरूरी फायर फाइटिंग सिस्टम नहीं मिला
- सुरक्षा में लापरवाही को लेकर लिया संज्ञान

नोटिस दिया है

फायर सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए गेमिंग जोन सहित अन्य संस्थानों में जांच कर फायर फायटिंग सिस्टम की स्थल पर जांच की जा रही है। जहां इस तरह की खामियां मिल रही हैं, संबंधित प्रबंधन को नोटिस दिया गया है। 24 घंटे के अंदर उन्हें खामियां दुरुस्त करने हिदायत दी गई है।

- **अबिनाश मिश्रा,** आयुक्त, नगर निगम रायपुर

पहले खुदाई, फिर डामरीकरण किया सड़क खोदी और अब कर रहे पॉलिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रायपुर नगर निगम और स्मार्ट सिटी द्वारा पाइप लाइन बिछाने, अंडरग्राउंड केबलिंग कराने के प्रयोजन को लेकर एक से अधिक बार सड़कों की खुदाई कर अच्छी खासी सड़क पर दोबारा डामर की परत चढ़ाई जा रही है। वहीं कुछ इलाके ऐसे हैं जहां निर्माण कार्य के बाद उबड़ खाबड़ और जगह-जगह उखड़ी सड़क को आज तक दुरस्त नहीं कराया गया। पुरानी बस्ती से लाखे नगर और बूढ़ेश्वर मंदिर से पुरानी बस्ती की सड़क इसका ताजा उदाहरण है। इसी तरह ब्राम्हणपारा वार्ड स्थित कंकाली पारा के हनुमान मंदिर से आमापारा चौक तक की सड़क को रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने 24 घंटे जल आपूर्ति प्रोजेक्ट के तहत खुदाई कराकर नई पाइप लाइन बिछाई थी और उसके बाद डामरीकरण किया गया। अब उसी सड़क को फिर से खोदकर नगर निगम ने मंगलवार को दोबारा डामरीकरण शुरू किया है। बारिश से पहले राजधानी के ▶▶शेष पेज 13 पर

- उसी सड़क पर फिर चढ़ाई आधा इंच के डामर की परत

कुछ समय पहले स्मार्ट सिटी ने वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट में सुधरवाई थी सड़क

सर्विस लेन की हालत भी खराब

निगम से इतर, पीडब्लूडी ने भी रिंगरोड से लगी सर्विस लेन को भगवान भरोसे छोड़ दिया है। रिंग रोड नंबर एक पर कई ओवरब्रिज हैं, वहां से गुजरने वाली सर्विस लेन कई जगह खस्ताहाल है। कटाव की वजह से बारिश में वहां पानी भरना तय है। इस ओर अफसरों का ध्यान ही नहीं है।

मार्कफेड के पूर्व एमडी मनोज सोनी 10 जून तक भेजे गए जेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

कस्टम मिलिंग घोटाला मामले में मार्कफेड के पूर्व एमडी मनोज सोनी को 10 जून तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। इससे पहले कोर्ट ने 28 मई तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा था। मंगलवार को इस मामले में हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट ने फिर 14 दिन की न्यायिक रिमांड अवधि बढ़ाते हुए जेल भेजने का आदेश सुनाया है।

छत्तीसगढ़ में करोड़ों का कस्टम मिलिंग घोटाला मामले में ईडी ने मनोज सोनी को 30 अप्रैल को ईओडब्ल्यू के सब जोनल दफ्तर से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद ईडी तीन से चार बार मनोज सोनी को स्पेशल कोर्ट में पेश कर अपनी रिमांड पर ले चुकी है। ईडी रिमांड के आखिरी दिन कोर्ट ने 28 मई तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया था। न्यायिक रिमांड के आखरी दिन कोर्ट में दोबारा मनोज सोनी को पेश किया गया। इस बार कोर्ट ने न्यायिक रिमांड अवधि बढ़ाकर अब 10 जून तक मनोज सोनी को जेल भेज दिया है।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

झारखंड में आज सीएम साय की तीन सभाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय झारखंड के संथाल परगना में बुधवार को बरहेट, पाडरकोला, शिकारीपाड़ा में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सीएम साय

विशेष विमान से रायपुर से देवघर के लिए रवाना होंगे। उसके बाद बरहेट के गोपालडीह के फुटबाल मैदान पर चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। उसके बाद पाडरकोला के फुटबाल मैदान पर चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद शिकारीपाड़ा में चुनावी सभा को संबोधित करने के बाद वापस राजधानी रायपुर के लिए रवाना होंगे। मुख्यमंत्री श्री साय लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के लिए 1 जून को हो रहे मतदान के पूर्व इन चुनावी सभाओं को संबोधित करने जा रहे हैं। इसके पूर्व भी सीएम साय खुंटी, सिमडेगा, लोहरदगा व जमशेदपुर में चुनावी सभाओं को संबोधित कर चुके हैं।

मुठभेड़ की जांच से डर क्यों रही सरकार

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, सारा बस्तर फर्जी मुठभेड़ के खिलाफ लामबंद है, लोग बस्तर बंद कर अपना आक्रोश जता रहे हैं।

अत्याचारी भाजपा सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। सरकार इस मामले की जांच से घबरा क्यों रही है? एक आदिवासी मुख्यमंत्री के राज में आदिवासियों को न्याय के लिये आंदोलन करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, पीडिया में हुई मुठभेड़ में और इसके पहले कांकेर के कोयलीबेड़ा में हुई मुठभेड़ में कुछ निर्दोष लोगों की हत्यायें हुई थीं। कांग्रेस ने इस मामले की हाईकोर्ट के न्यायाधीश की देखरेख में जांच की मांग की थी। सर्व आदिवासी समाज ने इसी मांग को लेकर बस्तर बंद का आह्वान किया, कांग्रेस ने इसका समर्थन किया है।

आईपीएस शर्मा राज्यपाल के परिसहाय बने

रायपुर। आईपीएस सुनील कुमार शर्मा सहायक पुलिस महानिरीक्षक को पुलिस मुख्यालय से राज्यपाल का परिसहाय बनाया गया है। गृह विभाग ने इसका आदेश जारी किया है।

अहिल्या देवी की जयंती 31 को, मांस-मटन बिक्री रोकने की मांग

रायपुर। लोकमाता अहिल्या देवी की जयंती के अवसर पर संपूर्ण छत्तीसगढ़ प्रदेश में मांस-मटन और मदिरा दुकान बंद करने की मांग को लेकर धनगर समाज के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम से कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर गड़रिया धनगर समाज रायपुर के जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम पाल, अजय धनगर, संतोष धनगर, अभिमन्यु धनगर ने बताया कि लोकमाता अहिल्या देवी को धनगर समाज अपनी आराध्य देवी के रूप में मानता है और प्रतिवर्ष उनकी जयंती एवं पुण्यतिथि पर सामाजिक रूप से उनकी पूजा, वंदन कर उनके बलिदान को सर्वसमाज तक पहुंचाने की कोशिश करता है।

डाक मतपत्र मतगणना शुरू होने से पहले तक लिए जाएंगे, 336 सर्विस वोटरों के अब तक नहीं पहुंचे

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

लोकसभा चुनाव में सर्विस वोटरों के लिए डाकमत्र की सुविधा दी गई थी। रायपुर लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत 651 सर्विस वोटर हैं, जो दूसरे जिले व राज्यों में सेवा दे रहे हैं। इनमें ज्यादातर सेना व आर्मी के कर्मचारी शामिल हैं। इनमें से 315 सर्विस वोटरों के डाक मतपत्र प्रशासन को प्राप्त हुए हैं, जबकि 336 वोटरों के डाक मतपत्र अब तक नहीं मिले हैं। हालांकि जिला निर्वाचन अधिकारियों का कहना है कि चुनाव में एक-एक वोट महत्वपूर्ण होता है, इसलिए मतगणना के दिन 4 जून को डाक मतपत्रों की गणना शुरू होने से पहले तक डाक मतपत्र लिए जाएगा और उन्हें मतपत्रों में शामिल किया जाएगा।

सर्विस वोटरों ने डाक मतपत्र भेजे हैं या नहीं, इसकी जानकारी नहीं

जिन सर्विस वोटरों के डाक मतपत्र बचे हैं, उनमें से कितनों ने मतपत्र डाक से भेजे हैं, इसकी सूचना प्रशासनिक अधिकारियों के पास भी नहीं है। इसके कारण यह भी स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि सर्विस वोटरों का मतपत्र कहीं डाक विभागों में अटके पड़े हुए हैं या फिर वोटिंग में रुचि नहीं लेते हुए डाक मतपत्र भेजा ही नहीं है।

हर दिन पहुंच रहे एक-दो डाक मतपत्र

बताया गया कि अधिसूचना जारी होने के बाद से लगातार डाक मतपत्र प्रशासन को मिल रहे हैं। पिछले सप्ताह में भी हर दिन एक-दो डाकमत पत्र प्राप्त हुए हैं। इससे पता चलता है कि वोटर या तो मतपत्र देर से पोस्ट कर रहे हैं या फिर डाक विभाग ही मतपत्र को देर से गंतव्य स्थान तक पहुंचा रहा है।

मतगणना शुरू होने से पहले तक लिए जाएंगे डाक मतपत्र

डाक मतपत्र मतगणना शुरू होने के पहले तक लिए जाएंगे। रायपुर लोकसभा क्षेत्र में कुल 651 सर्विस वोटर हैं। इनमें से 315 डाक मतपत्र आ चुके हैं।

- उमाशंकर बंदे
जिला उप निर्वाचन अधिकारी

डेढ़ माह में डाक मतपत्र नहीं मिले, अब कुछ दिन ही शेष

छत्तीसगढ़ में तीसरे चरण में रायपुर लोकसभा सीट के लिए चुनाव हुआ। चुनाव के लिए अधिसूचना 12 अप्रैल को जारी हुई थी। जिले और राज्य के बाहर ड्यूटी करने वाले रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सर्विस वोटरों को अधिसूचना जारी होने के दिन ही डाक मतपत्र भेज दिए गए थे। इस तरह अधिसूचना जारी हुए करीब डेढ़ माह बीत चुका है, लेकिन अब तक 336 सर्विस वोटरों के डाक मतपत्र प्रशासन को नहीं मिले हैं। मतगणना को अब कुछ दिन ही शेष हैं। इस तरह समय रहते डाक मतपत्र पहुंचने पर ही उन्हें मतपत्रों में शामिल किया जाएगा।

भारत सरकार बार-बार दिला रही है याद

15वें वित्त आयोग से अनुदान लेने की शर्त नहीं मानी निकायों ने, अकाउंट का नहीं दिया हिसाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों को 15वें वित्त आयोग से अनुदान राशि लेने की पात्रता हासिल करने की यह शर्त अनिवार्य थी कि वे अपने निकायों के वर्ष 2022-23 के प्रोविजनल अकाउंट और 2021-22 के ऑडिटेड अकाउंट की जानकारी दें, लेकिन राज्य के निकायों ने यह जानकारी भारत सरकार को नहीं दी। इस मामले को लेकर अब संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास ने छत्तीसगढ़ के सभी नगर निगमों के आयुक्त, सभी नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के सीएमओ को आदेश दिया है कि जो जानकारी मांगी गई वह तुरंत दें।

भारत सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत वर्ष 2023-24 की अनुदान राशि प्राप्त करने की पात्रता हासिल करने के लिए नगरीय निकायों को भारत सरकार के सिटी फायनेंस पोर्टल पर तीन बिंदुओं के आधार पर जानकारी देना है, लेकिन नगरीय निकायों ने यह काम एक माह बाद भी पूरा नहीं किया है। निकायों से 2022-23 के प्रोविजनल अकाउंट और 2021-22 का आडिटेड अकाउंट की जानकारी, सर्विस लेवल बैंच मार्क के 28 बैंच मार्क एवं टारगेट की जानकारी, 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत 2020-21 से वर्ष 2022-23 तक प्राप्त टाइड ग्रांट में से किए गए व्यय की जानकारी देना है।

ट्रांसफर के बाद आईडी क्यों नहीं बताते अफसर

इसी मामले से जुड़ी एक और बात ये है कि 15वें वित्त आयोग के संचालन के लिए भारत सरकार ने सिटी फायनेंस पोर्टल पर जानकारी अपलोड करने के लिए नगरीय निकायों को यूजर आईडी दी है, लेकिन निकायों के अधिकारियों के बदलाव तबादले के बाद अधिकारी निकायों को यूजर आईडी की जानकारी नहीं देते हैं। ऐसे अधिकारियों से भारत सरकार और राज्य सरकार के अधिकारियों को संपर्क करने में कठिनाई हो रही है। लिहाजा अब संबंधित अधिकारियों से कहा गया है कि वे पोर्टल पर प्रोफाईल अपडेट करें और निकायों को प्रदान किए गए पासवर्ड को एक ही पैटर्न में रखें।

इस काम की ट्रेनिंग भी दे चुके हैं निकायों को

खास बात ये है कि निकायों को जो जानकारी भारत सरकार के सिटी फायनेंस पोर्टल पर अपडेट करनी है, उसके संबंध में निकायों के नोडल अधिकारियों को समय समय पर ट्रेनिंग भी दी गई है। कंसलटेंट मेसर्स टिबरीवाल एंड कंपनी ने संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास को बताया है कि अब तक मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश के सभी 169 निकायों ने अकाउंट्स संबंधी जानकारी तैयार कर ली है। यह जानकारी संबंधित अधिकारी के पदमुद्रा सहित हस्ताक्षर के बाद सिटी फायनेंस पोर्टल पर अपडेट की जानी चाहिए। जिन निकायों ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के अकाउंट्स तैयार किए हैं, वह अगामी वर्ष 2024-25 के लिए 15वें वित्त आयोग के परिपालन में आडिट कराया जाना है। अब निकायों से कहा गया है कि अब तक की अपडेटेड जानकारी निकायों द्वारा पोर्टल में अपडेट नहीं किए जाने के कारण भारत सरकार द्वारा बार बार दूरभाष के माध्यम से स्मरण कराया जा रहा है। निकायों को निर्देश दिया गया है कि वे जल्द ही मांगी गई जानकारी सिटी फायनेंस पोर्टल पर अपडेट करें।

काउंटिंग आब्जर्वर को दी गई मतगणना प्रक्रिया की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने मतगणना प्रेक्षकों से प्रशिक्षण कार्यक्रम में कहा, मतगणना प्रेक्षक (काउंटिंग ऑब्जर्वर) की भूमिका मतगणना के दौरान अत्यधिक महत्वपूर्ण होती है।

मतगणना संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया का अंतिम पड़ाव है, इसलिए सभी की नजर मतगणना की प्रक्रिया पर केंद्रित होती है। ऐसे में मतगणना प्रेक्षक की भूमिका सबसे अहम हो जाती है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मतगणना प्रेक्षकों के प्रशिक्षण में कहा, मतगणना के दौरान मतगणना प्रेक्षक की भूमिका निभाने वाले अधिकारियों को मतगणना के सभी पहलुओं की बारीक जानकारी होनी चाहिए। मतगणना केंद्र पर पारदर्शी ढंग से मतगणना की प्रक्रिया पूर्ण हो, इसके लिए मतगणना प्रेक्षक को निष्पक्ष और सभी प्रक्रियाओं से संबंधित जानकारी से परिपूर्ण होना चाहिए।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव के अंतर्गत आगामी 4 जून को होने वाली मतगणना के लिए छत्तीसगढ़ के 56 अधिकारियों को देश के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में मतगणना प्रेक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इनमें भारतीय प्रशासनिक सेवा के 20 और राज्य प्रशासनिक सेवा के 36 अधिकारी शामिल हैं।

मतगणना स्थल का रहेगा पूरा कंट्रोल

प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर यूएस अग्रवाल, विनय अग्रवाल और रूपेश कुमार वर्मा ने मतगणना स्थल पर प्रेक्षक की भूमिका, ईटीपीबीएस एवं डाक मतपत्रों की गणना एवं ईवीएम से मतगणना संबंधी सभी बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी। मास्टर ट्रेनर्स ने मतगणना हॉल में कितने टेबल लगाए जाने हैं, टेबल किस प्रकार लगाए जाने हैं, प्रत्याशी, उनके अधिकृत प्रतिनिधि और मतगणना अभिकर्ता कितने होंगे तथा किन स्थानों पर बैठेंगे, वीवीपैट की गणना के लिए कौन सा टेबल निर्धारित किया जाए, डाक मतपत्रों की गणना कहां हो, कौन सी सावधानियां बरतने की जरूरत है जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर भी जानकारी दी।

डिप्टी सीएम बोले- बस्तर में यहां से वहां तक बारूद बिछाकर रखना पूरी तरह से अनुचित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री, गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा, आज सुकमा जिले के कोंटा विकासखंड के थाना जगरगुंडा अंतर्गत ग्राम भीमापुरम से मड़कम सुक्की नामक युवती का आईईडी ब्लास्ट से पैर बुरी तरह चोटग्रस्त हो गया है। ब्लास्ट में घायल युवती को इलाज के लिए रायपुर लाया गया है। डॉक्टर्स ने तत्काल उपचार मिलने के बाद युवती की जान बच जाने की उम्मीद जताई है। श्री शर्मा ने कहा, आईईडी नहीं पहचानता है कि ये सुरक्षा बल के लोग हैं या फिर जानवर हैं, या फिर यह नक्सली है या फिर यह आम नागरिक हैं। बस्तरभर में यहां से वहां तक बारूद बिछाकर रखना पूरी तरह से अनुचित है। श्री शर्मा ने कहा, कहां है ऐसे पूछने वाले, जो नक्सलियों से जब बातचीत होती है या उन पर प्रहार होता है तो खड़े होकर के बातचीत करते हैं। अब नक्सलियों से क्यों नहीं पूछा जा रहा है कि आईईडी जगह-जगह क्यों लगाया गया है।

ई वे बिल में छूट की समाप्ति व्यापारियों पर अत्याचार

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने भाजपा सरकार द्वारा ई वे बिल सिस्टम में छूट समाप्त किये जाने पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा, जब से राज्य में भाजपा सरकार बनी है, उद्योग व्यापार को चौपट करने वाला निर्णय ले रही है। जिन व्यापारियों उद्योगपतियों के दिये जाने वाले टैक्स के पैसे से सरकार विकास और राहत के काम करती है। उन्हीं व्यापारियों को परेशान किया जाना गलत है? कांग्रेस इसका विरोध करती है। उन्होंने कहा, व्यापारियों के यहां जीएसटी की छापेमारी के बाद अब सरकार ने उनको परेशान करने ई वे बिल में छूट को समाप्त करने का निर्णय लिया है।

बृजमोहन बोले- झूठ और षड्यंत्र की राजनीति करते हैं राहुल गांधी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर संविधान को समाप्त करने के आरोप पर, प्रदेश के शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, राहुल गांधी सिर्फ झूठ और षड्यंत्र की राजनीति करते हैं। भारत के विभिन्न समाजों में भेद करके अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकते हैं।

श्री अग्रवाल ने कहा, रही बात बाबासाहेब आंबेडकर की तो कांग्रेस ने तो उन्हें भारत रत्न के लायक भी नहीं समझा था। भाजपा समर्पित वीपी सिंह सरकार में ही उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। कांग्रेस विशेष रूप से कथित गांधी परिवार को भय था कि श्री आंबेडकर की प्रतिष्ठा बढ़ेगी तो गांधी परिवार की पूछ परख कैसे होगी। इसी वजह से कांग्रेस ने उनका अपमान करने में कभी भी कोई कसर नहीं छोड़ा सही मायने में भारतीय जनता पार्टी ने ही बाबा साहेब आंबेडकर के संविधान की रक्षा की है, उनका मान रखा है।

जबकि इसी कांग्रेस पार्टी ने संविधान को ताक में रखकर देश में आपातकाल लगाया था। लोगों के अधिकार छीन लिए थे। आज जब जनता ने इन कांग्रेसियों के हाथों से सत्ता सहित सब कुछ छीन लिया है तो ये अब बड़ी बेशर्मी के साथ संविधान की दुहाई दे रहे हैं।

न्यूनतम वेतन भी हुआ तय

श्रमिकों का महंगाई भत्ता बढ़ा 280 रुपए महीना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

श्रम विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विभिन्न अनुसूचित नियोजनों में कार्यरत श्रमिकों के लिए 1 अप्रैल 2024 से परिवर्तनशील महंगाई भत्ता निर्धारित किया गया है। लेबर ब्यूरो शिमला से प्राप्त औद्योगिक सूचकांक में जुलाई 2023 से दिसम्बर 2023 के मध्य 14 बिन्दु की औसत वृद्धि हुई। इसके अनुसार प्रति बिन्दु 20 रुपए के मान से 45 अनुसूचित नियोजनों में कार्यरत श्रमिकों के परिवर्तनशील महंगाई भत्ता में प्रतिमाह 280 रुपए की वृद्धि की गई।

श्रम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कृषि नियोजन में कार्यरत श्रमिकों के लिए लेबर ब्यूरो शिमला से प्राप्त सूचकांक में 56 बिन्दु की औसत वृद्धि होने से 5 रुपए प्रति बिन्दु के मान से 280 रुपए प्रतिमाह परिवर्तनशील महंगाई भत्ते में वृद्धि की गई। इसी प्रकार अगरबत्ती उद्योग में नियोजित श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में औसत वृद्धि के आधार पर परिवर्तनशील महंगाई भत्ते 7.08 रुपए प्रति हजार अगरबत्ती निर्माण में निर्धारित की गई।

उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन श्रम विभाग द्वारा न्यूनतम वेतन अधिनियम 1948 के अंतर्गत 45 अनुसूचित नियोजनों, कृषि नियोजन एवं अगरबत्ती नियोजन में कार्यरत श्रमिकों के लिए महंगाई भत्ते का निर्धारण लेबर ब्यूरो शिमला द्वारा जारी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर वर्ष में दो बार 1 अप्रैल एवं 1 अक्टूबर को किया जाता है।

इतना मिलेगा न्यूनतम वेतन

जारी आदेशानुसार श्रमिकों के लिए 01 अप्रैल 2024 से 30 सितम्बर 2024 तक न्यूनतम वेतन की दरें निर्धारित की गई हैं। इसमें अकुशल 'अ' श्रमिक वर्ग के लिए प्रतिमाह 10,900 रुपए, 'ब' वर्ग के लिए 10,640 रुपए तथा 'स' वर्ग के लिए 10,380 रुपए निर्धारित की गई है। अर्द्धकुशल 'अ' वर्ग के लिए 11,550 रुपए, 'ब' वर्ग के लिए 11,290 रुपए तथा 'स' वर्ग के लिए 11,030 रुपए निर्धारित की गई है। कुशल 'अ' वर्ग के लिए 12,330 रुपए, 'ब' के लिए 12,070 रुपए तथा 'स' के लिए 11,810 रुपए निर्धारित की गई है। इसी प्रकार उच्च कुशल 'अ' वर्ग के लिए 13,110 रुपए, 'ब' के लिए 12,850 रुपए तथा 'स' वर्ग के लिए 12,590 रुपए किया गया है।

दो दिन के प्रशिक्षण में नए और पुराने मंत्री सीखेंगे गुड गवर्नेंस

मंत्रियों को आईआईएम में देंगे गुड गवर्नेंस की ट्रेनिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव सरकार ने गुड गवर्नेंस की दिशा में काम प्रारंभ किया है। विभागों के कामकाज में कसावट लाने कई स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार अब मंत्रियों को भी गवर्नेंस का पाठ पढ़ाने के लिए आईआईएम में 30 मई से 2 जून के बीच कभी भी मंत्रियों की दो दिन की ट्रेनिंग आयोजित की जा सकती है।

आईआईएम रायपुर प्रशासन से इस संबंध में चर्चा हो चुकी है। विष्णुदेव कैबिनेट में बृजमोहन अग्रवाल, रामविचार नेताम, केदार कश्यप और दयालदास बघेल के अलावा लगभग सभी विधायक पहली बार मंत्री बने हैं। कई नए मंत्रियों के बारे में कामकाज के संदर्भ में शिकायतें हो रही हैं। कुछ नए मंत्रियों को अफसर भ्रमित कर दे रहे हैं तो कुछ को योजनाओं के क्रियान्वयन और सिस्टम से काम कैसे कराया जाता है, उसका अनुभव नहीं है।

गुड गवर्नेंस की ट्रेनिंग

आईआईएम रायपुर में विष्णुदेव साय सरकार के सभी 11 मंत्रियों को राज्य के विकास के साथ ही सिस्टम में स्किल डेवलपमेंट, योजना का सही ढंग से क्रियान्वयन, मैनेजमेंट के गुर सिखाए जाएंगे। आदिवासी और ग्रामीण इलाकों में विकास कैसे किया जाए, इस पर भी फोकस किया जाएगा। आईटी का विकास में किस तरह से अधिक से अधिक इस्तेमाल कर सरकार की योजनाओं को आम आदमी तक पहुंचाया जाए और उनका फीडबैक लिया जाए, इसके बारे में भी आईआईएम के प्रोफेसरों द्वारा बताया जाएगा।

शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस के साथ अन्य विभागों में रिक्त पद

आचार संहिता के बाद विभिन्न विभागों में हजारों पदों पर होगी भर्ती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

चुनाव आचार संहिता हटने के बाद राज्य सरकार विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती शुरू करेगी। राज्य सरकार का ध्यान ऐसे विभाग जहां से राजस्व की वसूली होनी है, वहां पर पदों को भरे जाने का है। शिक्षा, स्वास्थ्य, आदिम जाति कल्याण, पुलिस विभाग के अलावा अन्य विभागों में खाली पदों की भी जानकारी मंगाई गई है। लगभग 25 हजार से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी।

छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य विभाग में अलग-अलग पांच हजार से ज्यादा पदों पर भर्तियां होंगी। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया जून-जुलाई से शुरू हो सकती है। इन पदों पर भर्ती छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग और छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल के माध्यम से होगी। नर्सिंग व पैरामेडिकल स्टाफ के अलावा 8 सौ से ज्यादा पद डाक्टरों के भी होंगे। वहीं 150 से अधिक पदों पर विशेषज्ञ डाक्टरों भी भर्तियां भी होंगी। इसके मुताबिक जून तक डाक्टरों की भर्ती प्रक्रिया पूरी करना था। लोकसभा चुनाव के कारण आचार संहिता लग गई, जिसके कारण भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई। 7 जून के बाद आचार संहिता हट जाएगी, इसके बाद ही भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी। जुलाई अंत तक अस्पतालों में डाक्टरों की नियुक्तियां होने की संभावना है।

10 हजार शिक्षकों की भर्ती

शिक्षकों के करीब 10 हजार पदों पर भर्ती हो सकती है। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग कई विभाग के पदों की पूर्ति के प्रस्ताव के बाद प्रक्रिया अटकी हुई है। इनमें प्रमुख रूप से कॉलेजों में प्रोफेसरों की भर्ती का मामला है। उच्च शिक्षा विभाग के प्रस्ताव पर पीएससी ने 595 प्रोफेसरों के पदों की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था। पीएससी ने इसके लिए आवेदन भी मंगाए थे। भर्ती नियम के कुछ बिंदुओं को लेकर आपत्ति आने के बाद में नियम संशोधन को लेकर यह भर्ती नहीं हो पाई। आचार संहिता हटने के बाद इसे पूरा किया जाएगा।

लंबित भर्तियां भी पूरी होंगी

ऐसी भर्तियां जो काफी समय से अटकी हैं, उन्हें भी भरने का प्रयास किया जाएगा। इनमें आदिवासी विकास विभाग के प्रस्ताव पर 500 छात्रावास अधीक्षक पदों की भर्ती का विज्ञापन जारी किया था। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल को इस परीक्षा को कराने जिम्मेदारी मिली। यह भर्ती परीक्षा भी अटकी हुई है। अन्य विभागों में भी कई पदो पर भर्ती अटकी हुई है, उसे आचार संहिता हटने के बाद आगे कार्रवाई फिर शुरू होगी।

खबर संक्षेप

फसल क्षति के मुआवजा के लिए किसानों ने सौंपा ज्ञापन

आरंग। बेमौसम आंधी तुफान ओलावृष्टि होने से रबी फसल को हुए भारी नुकसान के मुआवजा के लिए किसानों ने एसडीएम के नाम तहसीलदार आरंग को ज्ञापन सौंपा। ज्ञात हो कि 21 मई की शाम अचानक मौसम बदलने से तेज रफ्तार आंधी व बारिश के साथ ओले गिरे, जिससे रबि फसल कटाई के पूर्व ही अधिकतर धान झड़ गए तथा बाडी में लगे सब्जी को भी भारी नुकसान हुआ। पार्शद सुरज लोधी ने बताया कि आंधी और ओला का असर इतना तेज था कि मार्ग एवं खेत के अधिकांश पेड़ उखड कर गिर गए। वहीं रानीसागर मुक्तिधाम के पास 3 घरों के छानी उड़ गए जिससे उन्हे शासकीय भवनों में रात बिताना पडा। आंधी–तुफान के वजह से बिजली खंभा एवं तार गिरने से विद्युत आपूर्ति बाधित रही। फसल क्षति के मुआवजा के लिए पार्शद सूरज लोधी, लक्ष्मीचंद लोधी, रमेश लोधी, गोविंद निशाद, विरेन्द्र जलक्षत्री, मोहित लोधी, तामेश्वर लोधी ने ज्ञापन सौंपा।

कन्या कौशल शिविर का लाभ रहे हैं युवा

तिल्दा नेवरा। गायत्री मंदिर नेवरा में 5 दिवसीय कन्या कौशल शिविर का आयोजन किया गया है। उक्त पांच दिवसीय आवासीय कन्या कौशल युवा शिविर 27 से 31 मई तक आयोजित किया गया है। जिसमें इच्छुक युवा उपस्थित होकर अपना पंजीयन कराकर उक्त शिविर में भाग ले सकते हैं। यह शिविर गायत्री मंदिर नेवरा में आयोजित है जहां पर बड़ी संख्या में युवा उपस्थित हो रहे हैं। शिविर में सैकड़ों युवा प्रतिदिन उपस्थित होकर शिविर का लाभ ले रहे हैं।

अवैध प्लाटिंग : कलेक्टर के प्रतिबंध के बावजूद पंडाल लगाकर जमीन की अवैध बिक्री

तहसील कार्यालय के नाक के नीचे करोड़ों की अवैध प्लाटिंग पर कोई कार्रवाई नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ धरसींवा

जिले में कहने को तो अवैध प्लाटिंग बंद है पर यह सिर्फ कागजों में दौड़ रहा है, जबकि हालात

- पूर्व जनपद सदस्य प्रतिनिधि पहुचे कलेक्टर दफ्तर
- कार्रवाई नही हुई तो होगा बड़ा आंदोलन
- पूरे मामले में राजस्व विभाग अमला सन्देह के दायरे में

यह है कि रायपुर और बिरगांव के भू- माफियों का ऐसा जमीन बिक्री का खेल चल रहा है जिसके आगे जिला प्रशासन की आदेश भी दम तोड़ती नजर आ रही है। वहीं दूसरी ओर आसपास के दर्जन भर गांव में बाहरी तत्वों द्वारा जमीन खरीद कर मकान बना रहे हैं। बड़ी बात यह सामने आ रही है कि इसकी रिकार्ड भी ग्राम पंचायत के पास नहीं है ऐसे में गांव की अमन और शांति के बीच बाहरी असामाजिक तत्व जिस तरह से माहौल खराब कर रहे हैं जिससे लगता है अब गांव की अस्तित्व खतरे में नजर आ रही है। बता दे कि धरसींवा तहसील ऑफिस के आसपास करोड़ों की जमीन की अवैध प्लाटिंग फिर से शुरू हो गई है जिस पर जिम्मेदार अफसर अपनी मौन स्वीकृति दिए हुए है। धरसींवा जनपद के पूर्व सदस्य प्रतिनिधि ललित साहू ने इस पूरे मामले को लेकर कलेक्टर से शिकायत किये हैं।

आज भी जिला मुख्यालय से 20 किलोमीटर दूर धरसींवा ब्लाक में एक दर्जन से अधिक ऐसे बड़े बिल्डर्स हैं व जमीन कारोबारी हैं। जो किसानों की जमीन को औने- पौने दामों में खरीदी कर प्लाटिंग की है और बड़े वर्ग के लोगों को 5 लाख रुपए प्रति डिसमिल में बिक्री कर रहे हैं। बहुतायत जमीने टीएंड एवं रेरा अप्रूव्ड नहीं है। बावजूद लोगों को झांसे में लेकर टीएंड एवं रेरा अप्रूव्ड बताकर बिक्री कर रहे हैं। बाद में मकान बनने के बाद लोगों को बिजली मीटर के लिए पंचायत से एनओसी भी नहीं मिल पा रहा है।

शासकीय नहर और नाली को पाट कर बना रहे हैं सड़क

पूर्व जनपद सदस्य प्रतिनिधि व भाजपा नेता ललित साहू ने कलेक्टर को किये शिकायत में दावा किये है कि धरसींवा, परसतराई, चरोदा सहित दर्जन भर गांव में भू -माफियों की खुली गुंडागर्दी शुरू हो गई है। मनमानी इस कदर बढ़ गई है कि प्लाटिंग के लिए सरकार की सरकारी नहर और रास्ते भी खोद कर पाट रहे हैं और उस पर अपनी हुकूमत का परचम लहरा रहे हैं। पंचायत प्रतिनिधि अगर हिम्मत दिखा कर रोकने का प्रयास करेंगे तो इन भू- माफियों के सैकड़ों गुर्गे मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। वहीं अगर मामला पुलिस तक गए तो पुलिस भी इसे राजस्व का मामला बता कर पल्ला झाड़ लेते हैं।

लगातार कार्रवाई जारी

अवैध प्लाटिंग पर विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई किया जा रहा है। कुछ अवैध प्लाटिंग की खबर लगी है, जल्द ही मौका मुआयना कर कार्रवाई निश्चित होगी।

जयेन्द्र सिंह
तहसीलदार धरसींवा

अवैध प्लाटिंग में ये भी है ठोस कानून

अवैध प्लाटिंग के मामलों पर रजिस्ट्री शून्य कर जमीन राजसात करने जैसे ठोस कार्रवाई का प्रावधान है, लेकिन जिला प्रशासन अब तक अवैध प्लाटिंग पर रोक लगा कर बड़ी कार्यवाही करने में फिसड्डी ही रहा है। इसका फायदा अवैध प्लाटिंग कर बेजा कॉलोनी खड़ा करने वाले उठाते रहे हैं। शासन- प्रशासन की नरम रूख के कारण इसमें और भी तेजी आई है। जिन मामलों में कार्रवाई भी हो रही है, उनमें केवल फेंसिंग हटाकर अथवा सड़कें खोदकर खानापूर्ति चल रही है।वही 5 डिसमिल की छूट से बढ़े मामले सरकार ने 5 डिसमिल से छोटे प्लाट की रजिस्ट्री पर बंदिश हटा ली है। इसके बाद से अवैध प्लाटिंग के मामलों में जबरदस्त तेजी आई है। इसके साथ ही छोटे प्लाटों की खरीदी- बिक्री भी बढ़ी है। पिछले कई महीनों से सामान्य की तुलना में 3 से 4 गुना रजिस्ट्री हो रही है।

यह प्रावधान लेकिन कार्रवाई नहीं

राजस्व बिभाग अपनी जिम्मेदारी अगर सही तरीके से निभा ले तो कानून के दायरे में ये भी है कि रजिस्ट्री शून्य, जमीन का अंतरण बिना अनुमति व ले आउट प्लाटिंग अवैध माना जाता है। पंचायती राज अधिनियम की धारा 61 व भूमि का अधिग्रहण व प्रबंधन अधिनियम की धारा 292 ग एवं 292 (5) में ऐसे जमीन का अधिग्रहित कर शासकीयकरण का प्रावधान है। जमीन की चाहे प्रमाणीकरण भी करा लिया गया हो रजिस्ट्री शून्य घोषित कर शासन के पक्ष में राजसात किया जा सकता है।5 साल तक सजा का है प्रावधान बिना अनुमति व ले आउट की प्लाटिंग पंचायती राज अधिनियम 1993, नगर पालिक निगम अधिनियम 1956, छग भूमि विकास अधिनियम 1984 व ग्राम निवेश अधिनियम में अपराध की श्रेणी में आता है।

शिक्षा जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा: पटेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ अभनपुर

मरार पटेल समाज रायपुर जिला कर्मचारी प्रकोष्ठ के तत्वाधान में ग्राम खोरपा मे बच्चों के मार्गदर्शन हेतु कैरियर गाइडेंस सेमिनार एवं प्रतिभावान बच्चों का सम्मान कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में अतिथि रायपुर जिला अध्यक्ष ईश्वर पटेल, संरक्षक कर्मचारी प्रकोष्ठ लिलार सिंह पटेल, अभनपुर राज अध्यक्ष मनराखन पटेल,सचिव धर्मेंद्र पटेल, कोषाध्यक्ष नेतराम पटेल, प्रमुख सलाहकार राधेश्याम पटेल, मधुसूदन पटेल उपस्थित रहे। यह सेमिनार कर्मचारी प्रकोष्ठ जिला रायपुर अध्यक्ष खिलावन पटेल तथा जिला कार्यकारिणी रायपुर के नेतृत्व में आयोजित की गई थी। इस अवसर पर डेहर पटेल ने कहा कि आज के समय में जहां शिक्षा जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। समाज में इस प्रकार से पिछड़ापन होने से ही बच्चों में प्रेरणा वह उत्साह नहीं आ पा रहा है। इन सभी समस्या को कर्मचारी प्रकोष्ठ अपने गंभीरता से लेते हुए अनेक वर्चुअल मीटिंग के माध्यम से यह संकल्प लिया है कि आने वाले समय में निश्चित रूप से हर वर्ष 5 आईपीएस, आईएएस, एमबीबीएस के लिए बच्चों को तैयार करेंगे। समयानुसार रायपुर में कोचिंग की व्यवस्था भी समाज द्वारा की जाएगी। इस दौरान राधे पटेल ,दुर्गेश पटेल, मोरध्वज पटेल, गिरधारी पटेल, नन्दकुमार पटेल, रामेश्वर कुमार पटेल, नागेन्द्र पटेल सहित समाजिकजन उपस्थित रहे।

- कैरियर गाइडेंस सेमिनार एवं प्रतिभावान बच्चों का सम्मान

लूट के 3 आरोपी गिरफ्तार, 2 की तलाश जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ तिल्दा नेवरा

नेवरा पुलिस ने लूट के 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं फरार 2 आरोपियों की तलाश में पुलिस जुटी हुई है। प्राप्त जानकारी अनुसार प्रार्थी के द्वारा थाना आकर लिखित आवेदन पेश कर रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि दिनांक 26 मई को रात्रि करीब 12:30 बजे पुरानी बस्ती तिल्दा में अपने दोस्त की शादी से अकेले अपने घर नेवरा मोटर सायकल से वापस जा रहा था। सासाहोली में मिशन अस्पताल के पास पहुंचा था कि तभी सासाहोली का रहने वाला योगेश उर्फ खोरु अपने 2-3 अन्य दोस्तों के साथ मोटर सायकल को रोक लिये और गाली-गलौज कर प्रार्थी से मारपीट करते हुये इसके पेंट जेब में रखे 7 हजार रूपये को जबरन लूट कर गाड़ी में तोड़फोड़ कर दी। उनके द्वारा मारपीट करने से प्रार्थी को चोंट आया। रिपोर्ट पर अपराध कायम कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया।

धारा 394, 341, 427, कायम कर प्रकरण के नामजद आरोपी योगेश उर्फ खोरू व उसके अन्य साथी का पतातलाश कर आरोपी योगेश ऊर्फ खोरू कोसले 20 वर्ष व उसके साथी कैलाश उर्फ सोनू राहूजा 19 वर्ष एवं गोपाल उर्फ गिरजा शंकर अस्तुरे 19 वर्ष को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर जुर्म करना स्वीकार किया तथा प्रार्थी से लूट किये रकम को आपस में 1000-1000 रूपये बंटवारा कर लेना, 2000/रूपये की शराब पी लेना बताया। आरोपी योगेश उर्फ खोरू कोसले से लूट की शेष रकम 500 रूपये तथा हथबंद से चोरी किये बिना नंबर की मोटर सायकल तथा आरोपी कैलाश उर्फ सोनू राहूजा से लूट की शेष रकम 500 रूपये एवं गोपाल उर्फ गिरजा शंकर अस्तुरे से लूट की शेष रकम 500 रूपये एवं घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल को जप्त किया गया। मामला अजमानतीय होने व प्रकरण मे विवेचना अपूर्ण होने फरार आरोपी पंकज बंजारे, युवराज कुर्रे की पतातलाश जारी रखतें हुए न्यायिक रिमांड प्रतिवेदन तैयार किया गया है।

किसानों को आसानी से मिल रहा है खाद व बीज

तिल्दा नेवरा। तिल्दा के सहकारी समिति (सोसायटी) में कृषकों की भीड़ नजर आ रही है। प्रतिदिन कृषक यहां उपस्थित होकर खाद और बीच के लिए अपना पंजीयन करा रहे हैं, साथ ही कृषि ऋण भी यहां पर मिल रहा है। तिल्दा सरकारी समिति में कृषक काफी खुश हैं क्योंकि यहां पर उनको बड़ी आसानी से खाद और बीच दिया जा रहा है। यहां सभी प्रकार के खाद उपलब्ध हैं, समिति प्रबंधक भुवन साहू ने कहा कि किसानों को किसी तरह की परेशानी या दिक्कतों का सामना यहां पर नहीं करना पड़ रहा है, बड़ी आसानी से खाद बीज उपलब्ध है।

कन्या शाला आरंग में समर कैंप का आयोजन

आरंग। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आरंग में ग्रीष्मकालीन सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। महत्वपूर्ण सृजनात्मक कार्य के अनुरूप विद्यालय के व्याख्याता हरमन कुमार बघेल ने वर्ली (वारली) कला की जानकारी प्रदान कर विद्यार्थियों को वर्ली पेंटिंग कला की बारीकी से जानकारी देते हुए विभिन्न प्रकार के वर्ली चित्रकला विषयान्तर्गत प्राकृतिक सौंदर्य, पेड़-पौधे, पशु पक्षी, शिक्षा, सामाजिक, नृत्य कला आदि विभिन्न प्रकार के चित्रों को बनाकर बच्चों में दक्षता प्रदत्त किये। खैरागढ़ विश्वविद्यालय स्नातक अंतिम की छात्र साक्षी साहू आरंग ने ग्राफ के माध्यम से चित्रकारी की कला छात्राओं को प्रदत्त की। जिसके तहत चित्रकारी के तरीके बेहतर ढंग से उकेरने, महत्वता, आर्थिक लाभ आदि पर प्रकाश डाली।

वहीं छात्राओं में बेहद उत्साह देखा गया। विद्यालय के व्यावसायिक शिक्षक ओम प्रकाश साहू ने कच्चे आम के फल से जैम-जेली बनाने की विधि, तरीका, उपयोग, रख-रखाव को बताते हुए छात्राओं को मार्गदर्शन किया। शासन के निर्देशानुसार समर कैंप की सफलता में शिक्षकों व छात्राओं की भागीदारी रही। समर कैंप ग्रीष्मकालीन सृजनात्मक कार्य में विद्यालय के शिक्षक एमके अग्रवाल, एम. मालवीय, सीमा देवांगन, दीक्षा सिंह, नीमा चतुर्वेदी, नमिता मांझी, केपी वर्मा व छात्राओं की उपस्थिति रही।

पेज 11 के शेष...

गंदे पानी की पाइपलाइन...

पालिका अधिकारी कुम्हारी को इस संबंध में एक निर्देश भेजा है। बताया गया है कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल यानी एनजीटी में चल रहे एक प्रकरण के संबंध में सेंट्रल मॉनिटरिंग कमेटी की एक बैठक हुई थी। इसी बैठक में खारुन नदी के बढ़ते प्रदूषण को संज्ञान में लेते हुए अवगत कराया गया है कि यही नहीं, प्राथमिकता श्रेणी पांच से श्रेणी दो में आ गई है। यानी नदी में प्रदूषण का स्तर बढ़ गया है।

पीएचई के अधिकारी के साथ पाइपलाइन की जांच आजः-नगर निगम के अधिकारी महादेवघाट पुलिया के पहले सीवरेज पाइप लाइन के लीकेज की जांच बुधवार को पीएचई के अधिकारी के साथ करायेंगे। महादेव घाट पुलिया से पहले सीवरेज लाइन में लीकेज की जानकारी मिलने के बाद नगर निगम के अधिकारी स्पॉट पर पीएचई के अधिकारियों के साथ सीवरेज पाइप लाइन में लीकेज का पता लगाएंगे। अमृत मिशन के नोडल अधिकारी का कहना है कि चिंगरी नाला से चंदनीडीह महादेवघाट तक एनीकट के पास लीकेज की शिकायत मिली है, चूंकि यह पाइप लाइन पीएचई की रही है इसलिए लीकेज का पता लगाने उनके अधिकारियों का सहयोग ले रहे हैं । सीवरेज पाइप लाइन के चैंबर में किसी तरह का लीकेज नहीं मिला है।

हीट स्ट्रोक से...

मैदानी इलाकों में ज्यादा मामलेः- विशेषज्ञों की मानें तो लू अथवा हीट-स्ट्रोक के अधिक मामले मैदानी क्षेत्र से संबंधित होते हैं। इसकी वजह वहां खुले इलाके अधिक होने की वजह से गर्म हवा की गति अधिक होती है और इससे बचाव में थोड़ी भी असावधानी बरतने पर लोग लू के शिकार हो जाते हैं। रिहायशी और घनी आबादी वाले इलाकों में इस तरह की समस्याएं कम होती हैं।

यह भी इत्तेफाक, पांच...

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार रायपुर में इतनी गर्मी चार साल बाद पड़ी है। आने वाले दिनों में फिलहाल गर्मी कम होने का अनुमान नहीं है। जून के पहले सप्ताह में ही प्री-मानसून की बारिश के साथ मौसम के तेवर में थोड़ी नरमी आने के आसार हैं। मौसम विभाग के विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले तीन दिन के भीतर दक्षिण-पश्चिम मानसून केरल तक पहुंच जाएगा, जिसके बाद गर्मी से राहत के लिए बौछार पड़ने की संभावना बढ़ेगी।

जहां पेट्रोल खत्म, वहां...

कि वह अपना शौक पूरा करने के लिए वाहन चोरी करता था। वाहन चोरी करने के बाद वह उसमें तब तक घूमता था, जब तक उस वाहन का पेट्रोल खत्म नहीं हो जाता था। इसके बाद वह वाहन को उसी जगह पर छोड़ देता था, जहां पेट्रोल खत्म हो जाता था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर उन सभी जगहों से कुल 10 गाड़ियां भी बरामद की हैं, जिन्हें चोरी के बाद आरोपी ने लावारिस हालत में छोड़ा था। बरामद गाड़ियों की कीमत करीब साढ़े 6 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस बरामद गाड़ियों के मालिकों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

पहले खुदाई, फिर...

कई इलाकों की सड़कों की खुदाई कर डामरीकरण का काम जोन वार शुरू कराया गया है। कालीबाड़ी चौक से महिला थाना चौक तक हाल ही में डामरीकरण कराया गया। इसके बाद मोतीबाग से राजीवगांधी चौक तक डामरीकरण कराया जा रहा है। जबकि शहर के रिहाइसी इलाके की कुछ सड़कें अभी भी खस्ता हाल है जहां जगह-जगह गडढे होने से बारिश के दिनों में जलभराव होने का खतरा बना हुआ है। बूढ़ापारा के परिक्रमा पथ की सड़कों पर आधा अधूरा डामरीकरण करने से लोगों को सुगम आवागमन में परेशानी हो रही है। ब्रम्हपुरी से बूढ़ेश्वर मंदिर चौक तक निर्माण कार्य के दौरान बनाये गये चैंबर को वैसे ही खुला छोड़ दिया गया है। इसी तरह मारवाड़ी श्मसान घाट के सामने वाली सड़क का निर्माण आधा-अधूरा होने से दुपहिया, तिपहिया चालकों को परेशानी हो रही है। इस ओर निगम प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है। जबकि इस मार्ग पर ट्रेफिक का दबाव ज्यादा रहता है।

पूनो और रिबाउंस गेमिंग...

सामने आया है। फायर आडिट टीम के निरीक्षण में यह खुलासा हुआ कि पूनो और रिबाउंस दोनों गेम जोन को फायर की एनओसी ही नहीं मिली है। दोनों गेमिंग जोन में पानी का छिड़काव करने वाले स्प्रिंकलर भी उपलब्ध नहीं हैं। बच्चों की सुरक्षा को लेकर बरती जा रही लापरवाही और फायर एक्जिट दोनों गेमिंग जोन में नहीं होना पाया गया। सूत्रों के मुताबिक फायर सेफ्टी मामले में नगर निगम ने मौके पर जरूरी फायर फायटिंग सिस्टम नहीं मिलने पर कई संस्थानों को नोटिस दिया है। इनमें पूनो और रिबाउंस गेमिंग जोन, मैग्नेटो और अंबुजा मॉल प्रबंधन को नोटिस दिया गया है। इन्हें 24 घंटे के अंदर व्यवस्था दुरुस्त करने का समय दिया गया है।

न्यायालय नायब तहसीलदार 02 धरसींवा
मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ :- जिला - रायपुर तहसील-धरसीवा प.ह.न. - 00009 पवनी ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- RD202324440714400010

ईश्तहार

तहसील धरसींवा के प.ह.न. 00009 के अंतर्गत ग्राम पवनी के वर्तमान भूमिस्वामी शिवगीरपिसोमवारगीर पिता/पति-पता सादेह के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 408/4 (0.4050) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता गजेंद्र गिरी पिता/पति स्व. रामेश्वर गिरी पता- पवनी, हरभुषण गिरी पिता/पति स्व. रामेश्वर गिरी पता- पवनी के नाम पर पंजीयन / फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण /अभिलेख दुरुस्ती /खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 18/06/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार 02 धरसींवा पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपति स्वयं/ अधिवक्ता /आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 24/05/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर
नायब तहसीलदार
RAJENDRA CHANDRAKAR
उपतहसील सारागांव

न्यायालय नायब तहसीलदार 8A रायपुर
मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भः- जिला - रायपुर तहसील - रायपुर प.ह.न. - 00069 अमलीडीह ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-. RD202324440725400187

ईश्तहार

तहसील रायपुर के प.ह.न. 00069 के अंतर्गत ग्राम अमलीडीह के वर्तमान भूमिस्वामी श्रीमती चन्द्रप्रभा पिता/पति स्व. विजय कुमार यादव पता- पेंशनबाड़ा पुलिस लाइन रायपुर के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 15011/2 (0.0051) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता अजय शर्मा पिता/पति-नरेन्द्र शर्मा पता-महामाया विहार न्यू गायत्री नगर रायपुर, नैन्सी शर्मा पिता/पति अजय शर्मा पता-महामाया विहार न्यू गायत्री नगर रायपुर के नाम पर पंजीयन / फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती /खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 13/06/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार 8A रायपुर पर की जावेगी ।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं /अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21/05/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर
नायब तहसीलदार
Vikrant Rathore
रायपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
राजिम, जिला - गरियाबंद (छ.ग.)
// उपस्थिति हेतु सूचना //

रा.प्र.क्र. / ब-121 वर्ष 2023–24
ग्राम-फिंगेश्वर अनुभाग-राजिम
क्रमांक/ 820/ अविअ / वाचक / 2024
राजिम, दिनांक 27.05.2024

प्रति,
1. ज्योति सिंह ठाकुर पति जीतेन्द्र सिंह ठाकुर
2. जीतेन्द्र पिता रतन सिंह ठाकुर
निवासी मकान नंबर 34, वार्ड नंबर 03, इंदिरा कालोनी बलौदाबाजार तहसील व जिला बलौदाबाजार

अपीलार्थी कमला बाई पति स्व. प्रकाश सिंह ठाकुर वगैरह निवासी राजिम, तहसील-राजिम जिला- गरियाबंद द्वारा मीनासिंह पति स्व. रवि सिंह ठाकुर वगैरह निवासी- इंदिरा कालोनी बलौदाबाजार तहसील व जिला बलौदाबाजार के विरूद्व वरिष्ठ नागरिकों के जीवन और संपत्ति कि सुरक्षा किये जाने बाबत (माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक का भरण-पोषण एवं कल्याण विभाग अधिनियम 2007) अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 30.05.2024 को न्यायलयीन समय पर इस न्यायालय में उपस्थित होना सुनिश्चित करें। अनुपस्थिति की दशा में आपके विरूद्व नियमानुसार एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी ।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पद मुद्रा से आज दिनांक 27.05.2024 को जारी किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
राजिम

न्यायालय कार्यपालन दण्डाधिकारी
रायपुर (छ.ग.)
// शपथ पत्र //

मै मयूरी शुक्ला, पति शशांक शुक्ला, निवासी- महादेव घाट रोड सुन्दर नगर, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) निम्नलिखित कथन शपथ पूर्वक करती हूं कि-

उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि आवेदक मयूरी शुक्ला, पता महादेव घाट रोड, सुन्दर नगर, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) के द्वारा आवेदन पत्र वास्ते जन्म प्रमाण पत्र में अंकित नाम को सुधार करने हेतु प्रस्तुत कर लेख किया है कि उनकी पुत्री मायरा शुक्ला (MAYRA SHUKLA) जिसका जन्म दिनांक 02.08.2016 को आशीर्वाद हॉस्पिटल डंगनिया, रायपुर (छ.ग.) में हुआ है। तत्पश्चात आवेदक द्वारा अपनी पुत्री का जन्म प्रमाण पत्र मायरा उर्फ सोमी शुक्ला (MAYRA ELIES SOMI SHUKLA) मे नाम बनवाया था। वर्तमान में आवेदक अपनी पुत्री का नाम मायरा उर्फ सोमी शुक्ला (MAYRA ELIES SOMI SHUKLA) से परिवर्तित कर मायरा शुक्ला (MAYRA SHUKLA) दर्ज कराना चाहते हैं, जिसके संबंध में उनके द्वारा शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया है । अतः पुर्व में जारी जन्म प्रमाण पत्र मायरा उर्फ सोमी शुक्ला (MAYRA ELIES SOMI SHUKLA) को सुधार कर मायरा शुक्ला (MAYRA SHUKLA) कियेजाने का निवेदन है। जिसके परिप्रेक्ष्य में आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के परीक्षण उपरांत आवेदक मयूरी शुक्ला की पुत्री मायरा उर्फ सोमी शुक्ला (MAYRA ELIES SOMI SHUKLA) का नाम संशोधित करते हुए मायरा शुक्ला (MAYRA SHUKLA) दर्ज किये जाने का आदेश पारित किया गया है। अतः उपरोक्त आदेश के परिपालन में संशोधित जन्म प्रमाण पत्र जारी किया जावे।

शपथकर्ता

आम सूचना
वाके मौजा - दतरेंगा, प.ह.नं. 00084, रा.नि.मं.- रायपुर - 18 - कांदुल, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित कृषि भूमि खसरा नंबर 236 रकबा 0.8780 हेक्टेयर भूमि के संबंध में ।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार दीपेश कृपाल पिता श्री फतेलाल कृपाल, निवासी- न्यू चंगोराभाठा रायपुर (छ.ग.) द्वारा विक्रेता गोपाल ध्रुव वल्द केजूराम, कामिन पति शिवकुमार, खेमराज, यशवंत, भेनु, नीलम पिस. शिवकुमार, कौशल्या, पुनाराम, गोवर्धन, गोदावरी, पिस. सेजूराम, ओम बाई पति विश्राम, योगेश, भवानी, ना. बा. भारत, ना.बा. ज्योति, ना.बा. राजकुमारी पालक ओम बाई, हेमीन बाई पति मेहत्तर, मोतीम, लता, ललिता, चमेली, विश्वासा पिस. मेहत्तर, विमला, खेमीन पिता खेदू, आशा बाई पति लालजी, हेमन्त कुमार, फाल्गुनी पिता लालजी ना.बा. योगेश, पुनौतिन, पिता फिरता सभी निवासी- दतरेंगा, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) के आधिपत्य व स्वामित्व की परिवर्तित भूमि वाके मौजा दतरेंगा, प.ह.नं. 00084, रा.नि.मं.- रायपुर - 18 - कांदुल तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित कृषि भूमि खसरा नंबर 236 रकबा 0.8780 हेक्टेयर भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा कर बयाना राशि अदा कर दिया है एवं शेष राशि का भुगतान बैनामें के निष्पादन के समय किये जाने की बात हुई है।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, शासकीय, अर्द्धशासकीय, अशासकीय बैंक, बीमा, वित्तीय संस्था, निगम, निकाय, बोर्ड, प्राधिकरण निजी संस्था आदि को किसी भी प्रकार की उजर आपत्ति है। तो यह इस आम सूचना प्रकाशन के 07 दिन के भीतर अपनी, उजर, आपत्ति का दावा मेरे कार्यालय में सुसंगतमय दस्तावेज के साथ प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद म्याद की गई किसी भी प्रकार की उजर, आपत्ति या दावा के लिए मेरे पक्षकार पर कोई बंधनकारी नहीं होगा और यह अपने पक्ष में रजिस्ट्री बैनामा करवा लेगा ।

सो सूचना जानें।

रायपुर, छत्तीसगढ़
दिनांकः 29.04.2024

अजय मिश्रा- (अधिवक्ता)
पता - गणपत चौक, हीरापुर, रायपुर (छ.ग.)
Mob.: 9575698096, 9425208960

Education Time

MODEL ENGLISH HR. SEC. SCHOOL
"Education makes future better"
Special Discount on ADMISSION FEES
ADMISSION OPEN
Nursery to 12th
(Biology, Maths, Commerce)
Register Now at www.mesraipur.com
Highlight
● Spoken English & Personality Development Classes ● Transport & Surveillance Facility ● Monthly Seminar & Discussion ● Personal attention on each students ● Scholarship will be provided for students coming from other schools who score above 90%
Civil lines, Katora Talab Road, Raipur (C.G.) Contact:- 07771-4000123

ROYAL PUBLIC SCHOOL
Play Group Nursery Pre Primary Class I to XII (Science, Commerce, Bio, Arts)
Special Discount on ADMISSION FEES
ADMISSION OPEN
Nursery to 12th
Register Now at www.rpsraipur.com
Silent Features
● Extra curricular activities ● Personal attention to each student Limited student in each class ● Music, Dance, personality development classes ● Yoga ● Scholarship will be provided for students coming from other schools who score above 90%
Mathpurena, Chourasiya Colony, Raipur, (C. G.) Mo.:- 9589085558,9329621221, Email:- rpsraipur123@gmail.com

Contact to Add Your School - 79871-19756

Health Town

मूत्र किडनी एवं प्रोस्टेट

समस्त किडनी रोग गुर्दा, नेफ्रोलाजी किडनी में सुजन दर्द पेशाब कम होना या रूकावट जलन, सिरम क्रियेटिनिन, यूरिक एसिड, यूरिया का बढ़ना पैरो या आंखो में सूजन अगर डायलिसिस में चल रहे हो या किडनी बदलने कि नौबत आ गई हो तो इस चिकित्सा से जीवन बच सकता है, यह चिकित्सा किडनी के नेफ्रान्स सेल को पुनः एक्टीवेट (रिजनरेट) अर्थात् फिर से जीवन प्रदान करता है यूरेथ्रास्ट्रेक्चर (मूत्र नली का सिकुड़न) पेशाब न उतरना, बूंद बूंद टपकना या बन्द होना, आपरेशन कि आवश्यकता नहीं होती एवं पेशाब में जलन, पीला लालिमा रहना या खून या मवाद आना । प्रोस्टेट विकार बार बार पेशाब होना, बूंद-बूंद या रूकना, इसके कारण सेक्स में आई कमजोरी। समय : 11 से 3 बजे तक

जीवन ज्योति क्लीनिक डॉ. आर अग्रवाल (हर्बल मेडिसीन) नया बस स्टैण्ड के अंदर, गोलू पोहा जलेबी होटल के ऊपर शॉप नं. 25 दुर्ग (छ.ग.) स्थायी चिकित्सा परामर्श के लिए मिले मो. 7587099540 (आने से पहले फोन करें)

विज्ञापन हेतु संपर्क करें: 0771- 4242213, 7987119756, 9303508133

भीषण गर्मी में फैल सकती है पटरी, इसलिए अब दिन और रात गश्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

गर्मी में तापमान अत्यधिक होने से रेल पटरियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। रेलवे बोर्ड के निर्देश पर सभी जोन ने गर्मी में हादसों से बचने के लिए अब दिन और रात के समय पटरियों में अतिरिक्त गश्ती तैनात कर दी है। हर किमी पर पटरियों की फिटनेस पर नजर रखी जा रही है। पटरियों की एक-एक इंच जांच कर अधिकारियों को रिपोर्ट दी जा रही है। गर्मी में अक्सर पटरी फैलने की आशंका बढ़ जाती है। इस बार छत्तीसगढ़ में भी तापमान 46 तक पहुंच गया है। इसीलिए रेलवे ने पटरियों की निगरानी और बढ़ा दी है। सामान्य दिनों में भी रेलवे ट्रैक की निगरानी के लिए गश्ती दल तैनात रहता है, लेकिन कड़ाके की ठंड एवं भीषण गर्मी में इसकी निगरानी बेहद जरूरी हो जाती है। अधिकारियों का कहना है कि अत्याधिक तापमान कम होने पर ठंड में लोहे की पटरियां सिकुड़ जाती हैं, वहीं तेज गर्मी में तापमान बढ़ने से पटरियां फैल जाती हैं, दोनों ही स्थितियां सुरक्षित परिचालन में बड़ा खतरा है। इसे लेकर पेट्रोलिंग बढ़ाई गई है।

अलग खबर

तापमान बढ़ने से खुले आसमान के नीचे पटरियों में फैलने का रहता है डर

10-12 किमी पैदल चलकर रेल पथ करते हैं जांच

इधर दिन एवं रात में पेट्रोलिंग करने वाले रेलकर्मियों की हालत भी खराब है। भीषण गर्मी में तेज धूप, लू के थपेड़ों के बीच कर्मचारी ट्रैक पर चलते हैं, हालांकि इन्हें रेलवे से जूते एवं अन्य उपकरण दिए जाते हैं, लेकिन गर्मी की तपिश इतनी ज्यादा है कि पटरियों पर चलने में कर्मचारियों का दम फूलने लगता है। रात में भी पेट्रोलिंग पर जो स्टाफ जाता है, उसे उमस महसूस होती है। अपने सेक्शन में करीब 10-12 किमी पैदल चलकर रेलकर्मी रेल पथ की जांच करते हैं, यदि कहीं टूट फूट नजर आती है, तो तत्काल संबंधित अधिकारियों को जानकारी दी जाती है।

अधिक गर्मी वाले रूट में बढ़ी गश्ती

गर्मी के दिनों में जब तापमान बढ़ता है तो खुले आसमान के नीचे बिछी पटरियां फैलने का डर रहता है। खासतौर पर लंबी दूरी तक बिछे ट्रैक की सुरक्षा खतरे में आ जाती है। सुरक्षा की दृष्टि से दपूमरे रेलवे के सभी रूट पर हाट वेदर पेट्रोलमैन ग्रीष्मकालीन गश्ती दल तैनात किया गया है। सभी गर्डर पुलों एवं मोड़ पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

खबर संक्षेप

चैताली को पीएचडी की उपाधि

रायपुर। मंगलायतन विश्वविद्यालय अलीगढ़-मथुरा (उप्र) के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा शक्तिनगर निवासी चैताली पांडेय को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने अपने शोध विषय 'छत्तीसगढ़ शासन की योजनाएं और विज्ञापन : एक संचारशास्त्रीय अध्ययन' (दैनिक भास्कर और हरिभूमि समाचार पत्र के विशेष संदर्भ में) में ह्यूमैनिटी एंड सोशल साइंस अध्ययनशाला के अंतर्गत पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग से डॉ. संतोष गौतम की देखरेख में पूर्ण किया है। शोधार्थी की इस सफलता पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पीके दशोरा, कुलसचिव ब्रिगेडियर सुमेर वीरसिंह सहित पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संतोष गौतम एवं समस्त प्रोफेसर व बिहारीलाल दुबे के परिवार के सभी सदस्यों ने शुभकामनाएं दी हैं। वे दुर्ग जिले के निवासी जगदीश पांडे की सुपुत्री और मनीष बाघ की पत्नी हैं।

निधन

कांति बाई शर्मा

रायपुर। गणपति विहार चंगोराभाठा निवासी कांतिबाई शर्मा छुईखदान वाले (74) का निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 29 मई को सुबह 9 बजे उनके निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे स्व. नरोत्तम शर्मा की धर्मपत्नी, हरिभूमि के गवर्नमेंट मार्केटिंग हेड कुलदीप शर्मा की माता और नमन शर्मा की दादी थीं। उनके निधन पर हरिभूमि परिवार एवं प्रेस क्लब रायपुर के पदाधिकारियों ने शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है।

रमेश कुमार माखीजा

रायपुर। देवेंद्र नगर निवासी रमेश कुमार माखीजा का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 28 मई को देवेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे आनंद, जय माखीजा के पिता थे।

बी. वेंकट रमना

रायपुर। कोटा निवासी रेलवे रिटायर्ड बी. वेंकट रमना (90) का 28 मई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार कोटा मुक्तिधाम में किया गया। वे सुजाता और बी. रमेश राव के पिता एवं व्हॉलीबॉल के राष्ट्रीय निर्णायक दुर्गा प्रसाद पटनायक के ससुर थे।

नगर निगम और स्मार्ट सिटी करोड़ों खर्च कर सौंदर्यीकरण का झुनझुना बजाते रहे

शहर सहित आउटर के वार्डों में आधा दर्जन से ज्यादा तालाब सूख गए, निस्तारी का संकट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर सहित आउटर के वार्ड में स्थित आधा दर्जन तालाब सूख गये हैं। इससे प्रभावित बस्तियों के लोगों के सामने जहां निस्तारी का संकट आ गया है, वहीं तालाब किनारे बसी बस्तियों के बोरवेल का जलस्तर तेजी से गिरने के कारण कई बोरवेल ठप पड़ गये।

हरिभूमि सरोकार

राजधानी के सिविल लाइन स्थित पुराना राजेन्द्र नगर के सतबहनिया तालाब, खमतराई के नीम डबरी तालाब, यतियतन लाल वार्ड के दर्री तालाब, गंगानगर के बांधा तालाब और गोंदवारा के पुराना तालाब के सूखने से प्रभावित इलाकों में निस्तारी का संकट उठ खड़ा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक तालाबों के आसपास में बसी बस्तियों में लोगों के घरों के बोरवेल का जलस्तर भी इससे प्रभावित हुआ है।

केस 1
खमतराई का नीम डबरी तालाब

नगर निगम जोन 1 क्षेत्र स्थित वीर शिवाजी वार्ड के खमतराई इलाके नीम डबरी तालाब गर्मी में पूरी तरह सूख गया है। तालाब के एक छोर से दूसरे छोर तक पत्थर, कीचड़ और गंदगी का ढेर नजर आ रहा है। इस तालाब से सतनामीपारा, साहू पारा, न्यू साहू पारा और सोनियानगर के रहवासी निस्तारी करते हैं। तालाब के सूखने से आसपास के रहवासी इलाकों के बोरवेल का जलस्तर तेजी से नीचे गिरने से आधा दर्जन से ज्यादा बोरवेल ठप पड़े हैं। बरसों पुराने इस तालाब में बारह महीने पहले भरपूर पानी भरा रहता था, पर एक अरसे से इसका गहरीकरण नहीं कराया गया। वार्ड पार्षद गोदावरी-गज्जू साहू का कहना है पिछले 4 साल से वे नीम डबरी तालाब के गहरीकरण की मांग करते आ रहे हैं। महापौर एजाज ढेबर, निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा और रायपुर पश्चिम के पूर्व विधायक को भी इससे अवगत कराया, पर किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया।

केस 2
गोंदवारा का नया तालाब

यतियतन लाल वार्ड के गोंदवारा का नया तालाब सूखने से गोंदवारा बस्ती के रहवासियों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। गांव के मवेशियों के अलावा रहवासियों की निस्तारी इसी तालाब से होती रही है। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने इस तालाब के गहरीकरण और बाउंड्रीवाल बनाने का प्रस्ताव भी तैयार किया था, पर गर्मी बीतने को है न स्मार्ट सिटी के अफसर लौटकर आये न ही तालाब का गहरीकरण हुआ। पूरी तरह सूख चुके इस तालाब में पानी की जगह मुरुम, मिट्टी और प्लास्टिक पन्नी, कूड़ा करकट का ढेर नजर आ रहा है।

केस 3
गंगा नगर का बांधा तालाब पानी कम पत्थर ज्यादा

भनपुरी के गंगानगर के बांधा तालाब में जहां पहले लबालब पानी भरा हुआ नजर आता था, अब वहां पानी कम पत्थर ज्यादा नजर आ रहा है। खरपतवार और गंदगी की सफाई नहीं होने से बचा खुचा पानी प्रदूषित हो चला है। तेज गर्मी में तालाब के सूखने को लेकर रहवासी परेशान हैं। इसी तरह दर्री तालाब गर्मी में पूरी तरह सूख गया है। पार्षद टेसू-नंदकिशोर साहू ने बताया कि मार्च से तालाब सूखने लगा था। इस संबंध में उन्होंने नगर निगम मुख्यालय और जोन के अधिकारियों से प्रस्ताव बनाकर तालाब गहरीकरण के लिए आवेदन दिया था, पर इस ओर ध्यान नहीं दिया गया।

जलकुंभी से पट गया सतबहिनिया तालाब

सिविल लाइन वार्ड स्थित पुराना राजेन्द्र नगर इलाके के सतबहिनिया तालाब जलकुंभी से पटा पड़ा है। इस तालाब का धार्मिक आयोजन के मौके पर उपयोग एक अरसे से होता रहा है। पार्षद नीलम-नीलकंठ जगत का कहना है राजेन्द्र नगर, श्यामनगर, कटोरातालाब सहित आसपास के क्षेत्रों से लोग यहां निस्तारी के लिए आते रहे। अब हालत ये है तालाब में गंदगी और जलकुंभी के कारण सामाजिक कार्य के लिए टैंकर मंगाना पड़ता है। शिकायत के बाद भी निगम तालाब के संरक्षण की ओर ध्यान नहीं दे रहा।

प्रस्ताव मंगाया था

तालाबों के गहरीकरण और सौंदर्यीकरण को लेकर जोनवार प्रस्ताव मंगाये गये थे। यदि किसी वार्ड के तालाब का गहरीकरण के प्रस्ताव की मंजूरी लंबित है, तो उस पर संज्ञान लेकर कार्य कराया जायेगा।

- एजाज ढेबर, महापौर, नगर निगम रायपुर

116 परिवार पीएम आवास के पक्के मकानों में होंगे शिफ्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगर निगम जोन 3 क्षेत्र के दुर्गानगर इंद्रावती कालोनी बस्ती के 116 परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना के पक्के आवास में जल्द शिफ्ट किये जायेंगे। यहां हाउसिंग बोर्ड के प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के लिए व्यवस्थापन किया जाना है। नगरीय प्रशासन विभाग और हाउसिंग बोर्ड के संचालक कुंदन कुमार और नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने दुर्गा नगर बस्ती पहुंचकर प्रोजेक्ट स्थल का निरीक्षण किया।

- नगरीय प्रशासन संचालक कुंदन कुमार, आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने स्थल निरीक्षण किया

दुर्गानगर इंद्रावती कालोनी बस्ती के 116 परिवारों को सर्वे के बाद अब प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत रिक्त पक्के आवास में व्यवस्थापित किया जायेगा। 15 जून से पहले इनकी शिफ्टिंग का कार्य पूरा कराने नगरीय प्रशासन विभाग व हाउसिंग बोर्ड के संचालक कुंदन कुमार ने निगम के अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने जोन के अधिकारियों को ये भी हिदायत दी है कि व्यवस्थापन के तहत इस बात का ध्यान रखा जाये कि मानसून में इन परिवारों को कोई असुविधा न होने पाये। इस दौरान जोन 3 कमिश्नर प्रीति सिंह, कार्यपालन अभियंता राजेश राठौर सहित जोन के अधिकारी उपस्थित रहे।

पेज 11 के शेष ...

गंदे पानी की पाइपलाइन...

पालिका अधिकारी कुम्हारी को इस संबंध में एक निर्देश भेजा है। बताया गया है कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल यानी एनजीटी में चल रहे एक प्रकरण के संबंध में सेंट्रल मॉनिटरिंग कमेटी की एक बैठक हुई थी। इसी बैठक में खारुन नदी के बढ़ते प्रदूषण को संज्ञान में लेते हुए अवगत कराया गया है कि यही नहीं, प्राथमिकता श्रेणी पांच से श्रेणी दो में आ गई है। यानी नदी में प्रदूषण का स्तर बढ़ गया है। **पीएचई के अधिकारी के साथ पाइपलाइन की जांच आज** : नगर निगम के अधिकारी महादेवघाट पुलिया के पहले सीवरेज पाइप लाइन के लीकेज की जांच बुधवार को पीएचई के अधिकारी के साथ करायेंगे। महादेव घाट पुलिया से पहले सीवरेज लाइन में लीकेज की जानकारी मिलने के बाद नगर निगम के अधिकारी स्पॉट पर पीएचई के अधिकारियों के साथ सीवरेज पाइप लाइन में लीकेज का पता लगाएंगे। अमृत मिशन के नोडल अधिकारी का कहना है कि चिंगरी नाला से चंदनीडीह महादेवघाट तक एनीकट के पास लीकेज की शिकायत मिली है, चूंकि यह पाइप लाइन पीएचई की रही है इसलिए लीकेज का पता लगाने उनके अधिकारियों का सहयोग ले रहे हैं। सीवरेज पाइप लाइन के चैंबर में किसी तरह का लीकेज नहीं मिला है।

जहां पेट्रोल खत्म, वहां...

कि वह अपना शौक पूरा करने के लिए वाहन चोरी करता था। वाहन चोरी करने के बाद वह उसमें तब तक घूमता था, जब तक उस वाहन का पेट्रोल खत्म नहीं हो जाता था। इसके बाद वह वाहन को उसी जगह पर छोड़ देता था, जहां पेट्रोल खत्म हो जाता था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर उन सभी जगहों से कुल 10 गाड़ियां भी बरामद की हैं, जिन्हें चोरी के बाद आरोपी ने लावारिस हालत में छोड़ा था। बरामद गाड़ियों की कीमत करीब साढ़े 6 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस बरामद गाड़ियों के मालिकों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

पहले खुदाई, फिर...

कई इलाकों की सड़कों की खुदाई कर डामरीकरण का काम जोन वार शुरू कराया गया है। कालीबाड़ी चौक से महिला थाना चौक तक हाल ही में डामरीकरण कराया गया। इसके बाद मोतीबाग से राजीवगांधी चौक तक डामरीकरण कराया जा रहा है। जबकि शहर के रिहाइसी इलाके की कुछ सड़कें अभी भी खस्ता हाल है जहां जगह-जगह गडढे होने से बारिश के दिनों में जलभराव होने का खतरा बना हुआ है।

पूनो और रिबाउंस गेमिंग...

सामने आया है। फायर आडिट टीम के निरीक्षण में यह खुलासा हुआ कि पूनो और रिबाउंस दोनों गेम जोन को फायर की एनओसी ही नहीं मिली है। दोनों गेमिंग जोन में पानी का छिड़काव करने वाले स्प्रिंकलर भी उपलब्ध नहीं हैं। बच्चों की सुरक्षा को लेकर बरती जा रही लापरवाही और फायर एक्जिट दोनों गेमिंग जोन में नहीं होना पाया गया।

वारदात को अंजाम देने कारोबारी की रेकी कर शूटरों को भेजा गया था एक समान नक्शा व वीडियो

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर में लॉरेंस बिश्नोई और अमन साव गैंग के पकड़े गए चार शूटरों में से तीन के मोबाइल नंबर पर एक समान नक्शा और वीडियो मिला है। ये नक्शा और वीडियो उस जगह का है, जिस जगह पर कारोबारी को मारने का प्लान बनाया गया था। इस नक्शे और वीडियो को देखकर पुलिस यह मानकर चल रही है कि इस वारदात को अंजाम देने के लिए पहले कारोबारी की रेकी गई है। इस रेकी के बाद शूटरों को नक्शा और वीडियो भेजा गया है, जिसके अनुसार कारोबारी को ठिकाने लगाया जाना था। पुलिस को मिले इन सुरागों की तस्दीक में रेकी करने वाले के मोबाइल लोकेशन की भी जानकारी मिली है, जिसके आधार पर पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है।

- तीन आरोपियों के मोबाइल पर मिला एक समान नक्शा और वीडियो

बदमाशों को एक-दूसरे से पहचान के लिए मिला था कोड नेम
मलेशिया से मारने का आदेश, बाइक राइडर बनकर शूटर पहुंचे थे रायपुर, उगाही के लिए था पूरा खेल

चोरी की बाइक में देते वारदात को अंजाम : पुलिस अधिकारी ने बताया कि शूटरों का प्लान था कि वारदात को अंजाम देने के लिए पहले वे बाइक चोरी करते। चोरी की इस बाइक से ही वे हत्या की वारदात को अंजाम देते और उसके बाद फरार होकर झारखंड के बोकारो चले जाते। हालांकि पुलिस की मुस्तैदी की वजह से आरोपियों को वारदात के पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया। इसके कारण आरोपी बाइक भी चोरी नहीं कर पाए थे।

पचपेड़ी नाका में मिला लोकेशन

एडिशनल एसपी लखन पटले ने बताया कि कारोबारी की सुपारी लेकर हत्या करने के मामले में पकड़े गए आरोपियों का एक और साथी भी है, जिसने कारोबारी की रेकी करने के बाद नक्शा और वीडियो बनाकर आरोपियों के मोबाइल पर भेजा था। यह नक्शा और वीडियो तीन आरोपियों के मोबाइल पर मिले हैं, जो एक समान है। नक्शा और विडियो उस जगह का है, जहां पर कारोबारी को शूट किया जाना था। जिस मोबाइल नंबर से नक्शा-विडियो भेजा गया है, उसका लोकेशन भी उस समय पचपेड़ी नाका ही दिखा रहा है। पुलिस ने इस सुराग के आधार पर अब रेकी करने वाले की तलाश भी शुरू कर दी है।

पूछताछ में और कई अहम सुराग मिलने व खुलासे की संभावना

विदित हो कि शूटरों में अमन साहू गैंग के तीन शूटरों को रायपुर से तथा एक शूटर को राजस्थान से गिरफ्तार कर लाया गया है। सूत्रों के अनुसार रायपुर में गिरफ्तार किए गए शूटरों के मोबाइल पर ही नक्शा और वीडियो मिला है। चारों आरोपियों को पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस दावा कर रही है कि पूछताछ में अभी कई और महत्वपूर्ण सुराग मिल सकते हैं, जिससे कई खुलासे हो सकते हैं।

न्यायालय नायब तहसीलदार 8A रायपुर
मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ:- जिला - रायपुर तहसील - रायपुर प.ह.न. - 00069 अमलीडीह ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-. RD202324440725400187

ईश्तहार

तहसील रायपुर के प.ह.न. 00069 के अंतर्गत ग्राम अमलीडीह के वर्तमान भूमिस्वामी श्रीमती चन्द्रप्रभा पिता/पति स्व. विजय कुमार यादव पता- पेंशनबाड़ा पुलिस लाइन रायपुर के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 15011/2 (0.0051) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता अजय शर्मा पिता/पति-नरेन्द्र शर्मा पता-महामाया विहार न्यू गायत्री नगर रायपुर, नैन्सी शर्मा पिता/पति अजय शर्मा पता-महामाया विहार न्यू गायत्री नगर रायपुर के नाम पर पंजीयन / फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती /खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 13/06/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार 8A रायपुर पर की जावेगी ।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं /अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21/05/2024 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार
Vikrant Rathore
मुहर रायपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
राजिम, जिला - गरियाबंद (छ.ग.)
// उपस्थिति हेतु सूचना //

रा.प्र.क्र. / ब-121 वर्ष 2023–24
ग्राम-फिंगेश्वर अनुभाग-राजिम
क्रमांक/ 820/ अविअ / वाचक / 2024
राजिम, दिनांक 27.05.2024

प्रति,
1. ज्योति सिंह ठाकुर पति जीतेन्द्र सिंह ठाकुर
2. जीतेन्द्र पिता रतन सिंह ठाकुर

निवासी मकान नंबर 34, वार्ड नंबर 03, इंदिरा कालोनी बलौदाबाजार तहसील व जिला बलौदाबाजार

अपीलार्थी कमला बाई पति स्व. प्रकाश सिंह ठाकुर वगैरह निवासी राजिम, तहसील-राजिम जिला- गरियाबंद द्वारा मीनासिंह पति स्व. रवि सिंह ठाकुर वगैरह निवासी- इंदिरा कालोनी बलौदाबाजार तहसील व जिला बलौदाबाजार के विरूद्ध वरिष्ठ नागरिकों के जीवन और संपत्ति कि सुरक्षा किये जाने बाबत (माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक का भरण-पोषण एवं कल्याण विभाग अधिनियम 2007) अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 30.05.2024 को न्यायालयीन समय पर इस न्यायालय में उपस्थित होना सुनिश्चित करें। अनुपस्थिति की दशा में आपके विरूद्ध नियमानुसार एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी ।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पद मुद्रा से आज दिनांक 27.05.2024 को जारी किया गया।

मुहर अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
राजिम

न्यायालय कार्यपालन दण्डाधिकारी
रायपुर (छ.ग.)
// शपथ पत्र //

मै मयूरी शुक्ला, पति शशांक शुक्ला, निवासी- महादेव घाट रोड सुन्दर नगर, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) निम्नलिखित कथन शपथ पूर्वक करती हूं कि-

उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि आवेदक मयूरी शुक्ला, पता महादेव घाट रोड, सुन्दर नगर, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) के द्वारा आवेदन पत्र वास्ते जन्म प्रमाण पत्र में अंकित नाम को सुधार करने हेतु प्रस्तुत कर लेख किया है कि उनकी पुत्री मायरा शुक्ला (MAYRA SHUKLA) जिसका जन्म दिनांक 02.08.2016 को आशीर्वाद हॉस्पिटल डंगनिया, रायपुर (छ.ग.) में हुआ है। तत्पश्चात आवेदक द्वारा अपनी पुत्री का जन्म प्रमाण पत्र मायरा उर्फ सोमी शुक्ला (MAYRA ELIES SOMI SHUKLA) मे नाम बनवाया था। वर्तमान में आवेदक अपनी पुत्री का नाम मायरा उर्फ सोमी शुक्ला (MAYRA ELIES SOMI SHUKLA) से परिवर्तित कर मायरा शुक्ला (MAYRA SHUKLA) दर्ज कराना चाहते हैं, जिसके संबंध में उनके द्वारा शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया है । अतः पुर्व में जारी जन्म प्रमाण पत्र मायरा उर्फ सोमी शुक्ला (MAYRA ELIES SOMI SHUKLA) को सुधार कर मायरा शुक्ला (MAYRA SHUKLA) कियेजाने का निवेदन है। जिसके परिप्रेक्ष्य में आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के परीक्षण उपरांत आवेदक मयूरी शुक्ला की पुत्री मायरा उर्फ सोमी शुक्ला (MAYRA ELIES SOMI SHUKLA) का नाम संशोधित करते हुए मायरा शुक्ला (MAYRA SHUKLA) दर्ज किये जाने का आदेश पारित किया गया है। अतः उपरोक्त आदेश के परिपालन में संशोधित जन्म प्रमाण पत्र जारी किया जावे।

शपथकर्ता

आम सूचना
वाके मौजा - दतरेंगा, प.ह.नं. 00084, रा.नि.मं.- रायपुर - 18 - कांदुल, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित कृषि भूमि खसरा नंबर 236 रकबा 0.8780 हेक्टेयर भूमि के संबंध में ।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार दीपेश कृपाल पिता श्री फतेलाल कृपाल, निवासी- न्यू चंगोराभाठा रायपुर (छ.ग.) द्वारा विक्रेता गोपाल ध्रुव वल्द केजूराम, कामिन पति शिवकुमार, खेमराज, यशवंत, भेनु, नीलम पिस. शिवकुमार, कौशल्या, पुनाराम, गोवर्धन, गोदावरी, पिस. सेजूराम, ओम बाई पति विश्राम, योगेश, भवानी, ना. बा. भारत, ना.बा. ज्योति, ना.बा. राजकुमारी पालक ओम बाई, हेमीन बाई पति मेहत्तर, मोतीम, लता, ललिता, चमेली, विश्वासा पिस. मेहत्तर, विमला, खेमीन पिता खेदू, आशा बाई पति लालजी, हेमन्त कुमार, फाल्गुनी पिता लालजी ना.बा. योगेश, पुनौतिन, पिता फिरता सभी निवासी- दतरेंगा, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) के आधिपत्य व स्वामित्व की परिवर्तित भूमि वाके मौजा दतरेंगा, प.ह.नं. 00084, रा.नि.मं.- रायपुर - 18 - कांदुल तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित कृषि भूमि खसरा नंबर 236 रकबा 0.8780 हेक्टेयर भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा कर बयाना राशि अदा कर दिया है एवं शेष राशि का भुगतान बैनामें के निष्पादन के समय किये जाने की बात हुई है।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, शासकीय, अर्द्धशासकीय, अशासकीय बैंक, बीमा, वित्तीय संस्था, निगम, निकाय, बोर्ड, प्राधिकरण निजी संस्था आदि को किसी भी प्रकार की उजर आपत्ति है। तो यह इस आम सूचना प्रकाशन के 07 दिन के भीतर अपनी, उजर, आपत्ति का दावा मेरे कार्यालय में सुसंगतमय दस्तावेज के साथ प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद म्याद की गई किसी भी प्रकार की उजर, आपत्ति या दावा के लिए मेरे पक्षकार पर कोई बंधनकारी नहीं होगा और यह अपने पक्ष में रजिस्ट्री बैनामा करवा लेगा ।

सो सूचना जानें।

रायपुर, छत्तीसगढ़
दिनांकः 29.04.2024

अजय मिश्रा- (अधिवक्ता)
पता - गणपत चौक, हीरापुर, रायपुर (छ.ग.)
Mob.: 9575698096, 9425208960

Education Time

MODEL ENGLISH HR. SEC. SCHOOL
"Education makes future better"
Special Discount on ADMISSION FEES
ADMISSION OPEN Nursery to 12th (Biology, Maths, Commerce) Register Now at www.mesraipur.com
Highlight
- Spoken English & Personality Development Classes
- Transport & Surveillance Facility
- Monthly Seminar & Discussion
- Personal attention on each students
- Scholarship will be provided for students coming from other schools who score above 90%

Civil lines, Katora Talab Road, Raipur (C.G.) Contact:- 07771-4000123

ROYAL PUBLIC SCHOOL
Play Group Nursery Pre Primary Class I to XII (Science, Commerce, Bio, Arts)
Special Discount on ADMISSION FEES
ADMISSION OPEN Nursery to 12th Register Now at www.rpsraipur.com
Silent Features
- Extra curricular activities
- Personal attention to each student Limited student in each class
- Music, Dance, personality development classes
- Yoga
- Scholarship will be provided for students coming from other schools who score above 90%

Mathpurena, Chourasiya Colony, Raipur, (C. G.) Mo.:- 9589085558,9329621221, Email:- rpsraipur123@gmail.com

Contact to Add Your School - 79871-19756

Health Town

मूत्र किडनी एवं प्रोस्टेट

समस्त किडनी रोग गुर्दा, नेफ्रोलाजी किडनी में सुजन दर्द पेशाब कम होना या रूकावट जलन, सिरम क्रियेटिनिन, यूरिक एसिड, यूरिया का बढ़ना पैरो या आंखो में सूजन अगर डायलिसिस में चल रहे हो या किडनी बदलने कि नौबत आ गई हो तो इस चिकित्सा से जीवन बच सकता है, यह चिकित्सा किडनी के नेफ्रान्स सेल को पुनः एक्टीवेट (रिजनरेट) अर्थात् फिर से जीवन प्रदान करता है यूरेथ्रास्ट्रेक्चर (मूत्र नली का सिकुड़न) पेशाब न उतरना, बूंद बूंद टपकना या बन्द होना, आपरेशन कि आवश्यकता नहीं होती एवं पेशाब में जलन, पीला लालिमा रहना या खून या मवाद आना । प्रोस्टेट विकार बार बार पेशाब होना, बूंद-बूंद या रूकना, इसके कारण सेक्स में आई कमजोरी। समय : 11 से 3 बजे तक

जीवन ज्योति क्लीनिक डॉ. आर अग्रवाल (हर्बल मेडिसिन) नया बस स्टैण्ड के अंदर, गोलू पोहा जलेबी होटल के ऊपर शॉप नं. 25 दुर्ग (छ.ग.) स्थायी चिकित्सा परामर्श के लिए मिले मो. 7587099540 (आने से पहले फोन करें)

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771- 4242213, 7987119756, 9303508133

बिजली की खपत में राहत की बौछार, पीक ऑवर में भी डिमांड 53 सौ मेगावाट के पार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गर्मी भीषण तेवर दिखा रही है, नवतपा चल रहा है। दोपहर में पारा 44 से 45 डिग्री तक जा रहा है, लेकिन जहां तक बिजली की खपत का सवाल है तो बिजली की खपत के तेवर ज्यादा गर्म नहीं हैं। इस समय दोपहर में खपत जहां पांच हजार मेगावाट से कम है, वहीं पीक ऑवर में खपत 52 से 53 सौ मेगावाट तक ही जा रही है। एसी और कूलर तो थोक में चल रहे हैं, लेकिन इसके बाद भी खपत कम होने का बड़ा कारण कृषि पंपों का बंद होना है। ऐसा होने से पॉवर कंपनी को भी राहत है, क्योंकि कंपनी का उत्पादन बमुश्किल 25 सौ मेगावाट होता है, बाकी बिजली सेंट्रल सेक्टर से लेनी पड़ती है। प्रदेश में लगातार बिजली के उपभोक्ता बढ़ते जा रहे हैं, यही वजह है कि अब बिजली की खपत भी लगातार बढ़ने लगी है। पहले कभी फरवरी और मार्च में इतनी खपत नहीं होती थी, जितनी अब होने लगी है। अब तो ठंड के समय ही खपत चार हजार मेगावाट के पार हो जाती है। इसके पीछे का एक और कारण मौसम भी है। अब गर्मी का मौसम महज चार माह का नहीं रहता है। उमस के कारण भी खपत बढ़ जाती है। पिछले साल तो बारिश के मौसम में खपत छह हजार मेगावाट के पार चली गई थी।

मार्च में ही चली गई थी खपत 63 सौ मेगावाट के पार

फरवरी से अप्रैल तक खपत ज्यादा

इस बार भीषण गर्मी से पहले ही फरवरी और मार्च में बिजली की खपत ने तीखे तेवर दिखाए। इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण यह है कि इसी माह से कृषि पंप चलने लगते हैं। कृषि पंपों पर ही रोज की खपत पांच से छह सौ मेगावाट हो जाती है। इसी के साथ अब फरवरी से ही एसी और कूलर चलने लगे हैं। मार्च में तो गर्मी के तेवर और तेज हो गए तो इस माह जून जैसी गर्मी होने के कारण खपत ने रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस माह ही खपत के 63 सौ मेगावाट के पार हो गई। इसके बाद मार्च और अप्रैल में भी खपत छह हजार मेगावाट के पार रही।

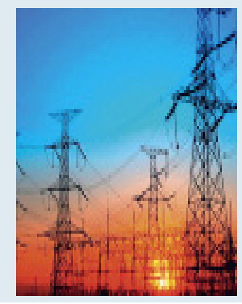

अब इसलिए राहत

बिजली की खपत ने जिस तरह से तेवर मार्च में दिखाएं इसके बाद अप्रैल में भी खपत छह हजार मेगावाट के पार जा रही थी, उससे लग रह था कि इस बार खपत 65 सौ मेगावाट के पार चली जाएगी। करीब इतनी खपत की संभावना को देखते हुए ही पॉवर कंपनी ने इस बार सेंट्रल सेक्टर से एक हजार मेगावाट की अतिरिक्त बिजली की मांग की थी। लेकिन खपत 65 सौ मेगावाट के पार नहीं गई और अप्रैल से कृषि पंपों के बंद होने का सिलसिला प्रारंभ हुआ और मई में कृषि पंप पूरी तरह से बंद हो गए हैं। ऐसे में भारी गर्मी में लगातार एसी और कूलरों के चलने के बाद भी खपत 52 से 53 सौ मेगावाट तक ही जा रही है।

तेज धूप से बचने अब इंजन में लोको पायलट ने लगाया पर्दा

55 डिग्री में 10 घंटे स्कार्फ बांधे लोको पायलट चला रहे ट्रेन, गर्मी से हलाकान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश में भीषण गर्मी इस बार हर किसी को झुलसा रही है। तेज गर्मी से बचने दोपहर में लोगों ने घर से बाहर निकलना बंद कर दिया है। ऐसे में जरा सोचिए 50 से 55 डिग्री में रेल चला रहे लोको पायलटों का क्या हाल होगा। बाहर का तापमान पहले ही ट्रेनों को तंदूर की तरह तपा रहा है। ऐसे में इंजन का पारा बाहर से 5 से 8 डिग्री अधिक होता है। यही वजह है, अब इंजन का पारा 50 डिग्री से अधिक पहुंच चुका है। हरिभूमि ने मंगलवार को लोको पायलट से बातचीत की, उन्होंने बताया कि बाइक के साइलेंसर की तरह दोपहर में इंजन गर्म हो जाता है। छूने से हाथ में फफोले भी पड़ सकते हैं। इसीलिए दरवाजा खोलने और बंद करने के लिए ग्लब्स का इस्तेमाल करने लगे हैं, ताकि हाथ को जलने से बचाया जा सके। जोन से गुजरने वाली दर्जनों ट्रेनों के इंजनों में एसी की सुविधा नहीं है। लोको पायलट एसोसिएशन के सचिव विजय शंकर ने बताया कि बीते दिनों इसी समस्या को लेकर मंडल में लोको पायलट ने धरना दिया था, लेकिन केवल आश्वासन ही मिला। यह समस्या हर साल रहती है। इस बार तेज गर्मी से बिना एसी वाले इंजन में काम करना मुश्किल हो गया है।

10 घंटे स्कार्फ पहने करते हैं काम

आम आदमी 45 डिग्री की गर्मी नहीं झेल पा रहा है। ऐसे में जब ट्रेन 100 से 120 की रफ्तार में चलती है, सांस लेना मुश्किल हो जाता है। गर्म हवा से हीट स्ट्रोक का खतरा और भी बढ़ जाता है। इसके अलावा दोपहर में सीधी धूप लोको पायलट को लगती है। लोको पायलट सीके श्रीवास्तव ने बताया कि ड्यूटी के दौरान पूरे समय इन दिनों स्कार्फ पहनकर काम करते हैं। 10 घंटे तक चेहरे को कपड़े से बांधकर रखना और लगातार काम करना बेहद मुश्किल हो जाता है। इस गर्मी में 18 लोको पायलट हीट स्ट्रोक की चपेट में आ चुके हैं। उनका कहना है कि तेज गर्मी से इंजन का तापमान 50 से 55 डिग्री तक पहुंच जाता है।

धूप से बचने पर्दे का सहारा

तेज धूप से बचने के लिए लोको पायलट अपने स्तर पर उपाय करने लगे हैं। एक इंजन में लोको पायलट ने पर्दा लगाया है, ताकि सीधे चेहरे पर आने वाली धूप से बचा जा सके। लोको पायलट का कहना है कि दोपहर में 12 से 3 बजे के बीच तेज धूप मिलती है। पर्दे से थोड़ी राहत मिल जाती है। दोपहर में इंजन भी भारी तपने लगाता है। शरीर में पानी की कमी से बचने हर घंटे दो लीटर पानी पीते हैं। कुछ इंजनों की खिड़की के छेद हो चुके हैं। ऐसे में ट्रेन जब 110 से 120 की रफ्तार से दौड़ती है, उस समय गर्म हवा आग की तरह लगती है।

45 डिग्री में ट्रेन का कर रहे इंतजार

सामान्य कोच में 50 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। स्टेशन में एक मिनट का स्टॉपेज यात्रियों को भारी पड़ जाता है। भारी उमस और गर्मी से यात्रियों का हाल बेहाल है। खाली ट्रेन का तापमान 45 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि स्टेशन में दोपहर 2 से 3 बजे तक 45 डिग्री में यात्री अपनी ट्रेन का इंतजार करते रहे। लोको पायलटों का कहना है, पिछले साल से इस बार इंजन काफी गर्म हो रहा है। मशीनें चालू होने से इंजन के अंदर का तापमान और अधिक हो जाता है।

प्रतिभावान निशक्तजनों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शहीद स्मारक भवन में सोमवार को प्रतिभावान निशक्तजनों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम सर्व हिंदू सनातन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भाजपा नेता योगेश तिवारी के नेतृत्व में हुआ। राज्य स्तरीय दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता में दिव्यांगों ने ट्राइसिकल में क्रिकेट खेला। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने प्रतिभावान निशक्तजनों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर निशक्तजनों को ट्राइसिकल का भी वितरण किया गया। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, दयालदास बघेल, सांसद सुनील सोनी, पश्चिम विधायक मोतीलाल साहू, भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, भाजपा प्रदेश महामंत्री रामू रोहरा, पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल, अशोक चतुर्वेदी ने कार्यक्रम को संबोधित किया। यह आयोजन भाजपा नेता योगेश तिवारी के जन्मदिन पर अवसर पर आयोजित किया गया। वरिष्ठ नेताओं सहित पूरे प्रदेश के कार्यकर्ताओं ने आयोजन में शामिल होकर भाजपा नेता को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भाजपा नेता श्री तिवारी ने निशक्तजनों के बीच केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष रायपुर जयंती भाई पटेल, रविंद्र सिंह, आशु चंद्रवंशी, सूरज, प्रदीप साहू, गौतम शर्मा, पंकज शर्मा, विदित शर्मा, पीयूष शर्मा, मनोज पटेल, जीवन गायकवाड़, मनोज सिन्हा, टोपेन्दर सोनवानी, लखन चक्रधारी, प्रमोद सिंह, नरेश राय, यशवंत टंडन, नीलकंठ पटेल, राकेश वर्मा आदि उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

आयुष्मान मित्र को पिछले दो माह से नहीं मिला वेतन

रायपुर। विभिन्न अस्पतालों में स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत इलाज के लिए आने वाले मरीजों की मदद करने वाले आयुष्मान मित्र को पिछले दो माह से वेतन नहीं मिल पाया है। राज्य में इनके वेतन का भुगतान एजेंसी के माध्यम से किया जाता है। जानकारी के अनुसार निजी और शासकीय अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड बनाने और कार्ड ब्लाक करने से लेकर योजना से संबंधित अन्य काम पूरा करने की जिम्मेदारी आयुष्मान मित्र की होती है। बताया जाता है कि स्टेट नोडल एजेंसी के तहत काम करने वाले इन लोगों को वेतन का भुगतान पुणे की एफएचपीएल एजेंसी द्वारा किया जाता है। अप्रैल से उन्हें वेतन नहीं दिया गया है, जिसकी वजह से उन्हें आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आयुष्मान मित्र आशीष शर्मा ने बताया कि इसे लेकर जिला स्तर पर सीएमएचओ के सामने आपत्ति दर्ज कराई गई है।

आशा बनीं अध्यक्ष महेश्वरी उपाध्यक्ष

रायपुर। बेटी बचाओ मंच संतोषी नगर परिक्षेत्र के सदस्यों की बैठक मंगलवार को हुई। बैठक में परिक्षेत्र स्तरीय पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया, जिसमें अध्यक्ष आशा धीवर और उपाध्यक्ष महेश्वरी यादव को बनाया गया। अन्य पदाधिकारियों में सचिव वर्षा कार्तिकेय, सहसचिव कुलकर्णी बजाज, कार्यकारिणी सदस्य उषा साहू, पार्वती निषाद सर्वसम्मति से चुने गए। इसी दौरान नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को अध्यक्ष ललित मिश्रा ने नियुक्ति पत्र प्रदान किया।

शिवसेना ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। शिवसेना उद्धव बाला साहेब ठाकरे द्वारा प्रदेश की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। इस मौके पर शिवसेना के पदाधिकारियों ने बताया कि ज्ञापन में मुख्य रूप से प्रदेश में शराबबंदी, महतारी वंदन योजना में सभी महिलाओं को राशि वितरण, प्रदेश के सभी मार्गों से टोल मुक्त करना, मजदूरों की न्यूनतम वेतन दर बढ़ाने, किसानों की समस्त उपज पर एमएसपी लागू करना, प्रारंभिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक को निशुल्क करना, दैनिक वेतनभोगी कर्मी एवं संविदा कर्मियों को नियमित करना, समस्त सरकारी एवं प्राइवेट अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड को नियमित रूप से लागू कराना, प्रदेश में चल रही पटाखा फैक्ट्रियों की नियमित जांच करने सहित कई समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौपने वालों में एचएन सिंह पालीवार, संजय नाग, संतोष मार्कण्डेय, बल्लू जांगड़े आदि शिवसैनिक उपस्थित हुए।

मैच से पहले सभी 6 टीमें होम ग्राउंड में करेंगी अभ्यास

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आईपीएल के तर्ज पर 7 जून से छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमीयर लीग का आयोजन करने जा रहा है। टीम बनने के बाद अब खिलाड़ियों ने तैयारियों शुरू कर दी है। क्रिकेट संघ ने सभी 6 टीमों के लिए प्रशिक्षण कैंप का आयोजन किया है, जो 29 मई से शुरू होगा। सभी टीम अपने होम ग्राउंड में मैच को लेकर 5 जून तक अभ्यास करेगी। रायपुर रायनोंज का कैंप आरडीसीए मैदान होगा। इसके अलावा बिलासपुर बुल्स का रेलवे क्रिकेट स्टेडियम बिलासपुर, रायगढ़ लायंस को घरघोड़ा स्टेडियम समेत राजनांदगांव पैंथर्स का दिग्विजय स्टेडियम व सरगुजा टायगर्स को अंबिकापुर क्रिकेट स्टेडियम और बस्तर बाइसंस का कैंप न्यू क्रिकेट ग्राउंड कांकेर रहेगा। सभी टीमें शहीद वीरनारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में हिस्सा लेंगी।

मौदहापारा में सफाई में बाधक 13 पाटे और जर्जर चैंबर तोड़ा

- जयस्तंभ चौक के पास रेलवे स्टेशन मार्ग पर सुगम निकास के लिए अभियान
- जोन अमला और नगर निवेश टीम ने जेसीबी मशीन से हटाई बाधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शहर में मानसून पूर्व नाला, नालियों से गंदे पानी की सुगम निकासी के लिए निगम प्रशासन ने जोनवार अभियान छेड़ दिया है। मंगलवार को जोन 2 की नगर निवेश टीम ने जयस्तंभ चौक के पास, रेलवे स्टेशन मार्ग मौदहापारा मार्ग पर सफाई में बाधक बन रहे 13 पाटों को जेसीबी मशीन से तोड़कर बाधा हटाई। जोन कार्यपालन अभियंता शेखर सिंह की टीम ने जयस्तंभ चौक के पास लक्ष्मी स्टेशनरी दुकान के पास आधा दर्जन पाटों को मशीन से तोड़कर सफाई में आ रही बाधा दूर की। इसी तरह यामाहा शोरूम के पास एक जर्जर चैंबर को तोड़ कर नाली सफाई का मार्ग सुगम बनाया।

सफाई मित्र को कचरा नहीं देकर अन्यत्र फेंकने पर जुर्माना

नगर निगम जोन 2 की टीम ने फूल चौक में सफाई मित्र को कचरा न देकर अन्यत्र कचरा फेंकने पर 13 दुकानदारों पर 6,500 रुपये जुर्माना किया। हीरापुर सब्जी बाजार में सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण करने गई निगम की टीम ने 10 किलो खराब सब्जी कर नष्ट की। 9 दुकानदारों पर बाजार क्षेत्र में गंदगी फैलाने पर 5,400 रुपये जुर्माना किया।

सप्रे स्कूल खेल मैदान होगा सुव्यवस्थित, सफाई पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने माधवराव सप्रे स्कूल मैदान की व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने निगम के अधिकारियों को खेल मैदान सुव्यवस्थित करने और शौचालय की सफाई कराने निर्देश दिए। राजधानी के माधवराव सप्रे स्कूल का मैदान खिलाड़ियों की आवश्यकता के अनुरूप सुव्यवस्थित किया जाएगा। खेल प्रतिभाओं को इस मैदान में अभ्यास के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो, इसका ध्यान जोन-4 के अधिकारी रखेंगे। मंगलवार को सप्रे शाला खेल मैदान का निरीक्षण करने पहुंचे निगम आयुक्त ने नगर निगम जोन-4 जोन कमिश्नर राकेश शर्मा, कार्यपालन अभियंता स्वच्छ भारत मिशन रघुमणि प्रधान, सहायक अभियंता योगेश कड़ू के साथ चर्चा कर स्कूल परिसर के शौचालय की सफाई का शीघ्र कराने निर्देश दिए।

निगम आयुक्त श्री मिश्रा ने निरीक्षण के दौरान सप्रे स्कूल मैदान में व्हॉलीबॉल खेल रहे बच्चों को देखा व उनसे मिलकर व्हॉलीबॉल के संबंध में चर्चा की एवं उनका उत्साहवर्धन किया।

खास बातें

- खेल मैदान निरीक्षण के लिए पहुंचे आयुक्त, मैदान की व्यवस्था देखी
- वॉलीबाल खेल रहे बच्चों से मिलकर हौसला बढ़ाया

सराफा चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ, मतदान के समय में किया ढाई घंटे का इजाफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन का चुनाव दो साल विलंब से अब राजधानी रायपुर में होने वाला है। इतिहास में पहली बार सारी प्रक्रिया के तहत चुनाव कराया जा रहा है। मंगलवार को मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन के साथ ही चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इसी के साथ चुनाव समिति की बैठक में मतदान का समय ढाई घंटे बढ़ा दिया गया है। अब मतदाता सुबह 10.30 से शाम को 4.30 बजे तक मतदान कर सकेंगे। मतदाता सूची प्राप्त करने के लिए सौ रुपए का शुल्क तय किया गया है। छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के चुनाव को लेकर बीते छह माह से घमासान और विवाद चल रहा था। अब जाकर वह चुनाव तय होने पर समाप्त हो गया है। चुनाव की प्रक्रिया को प्रारंभ करने के लिए प्रारंभिक मतदाता सूची का प्रकाशन मंगलवार को दोपहर दो बजे धर्मकांटा कार्यालय में मुख्य चुनाव अधिकारी मगेलाल मालू व सहायक चुनाव अधिकारियों के उपस्थिति में किया गया। मतदाता सूची का अवलोकन धर्मकांटा कार्यालय में किया जा सकता है।

- अब मतदान सुबह 10 .30 से शाम 4 .30 बजे तक

समय को लेकर थी आपत्ति

पहले मतदान के लिए सुबह 10.30 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक का समय तय किया गया था। ऐसे में सरगुजा और बस्तर जैसे दूर के स्थानों के मतदाताओं को इसको लेकर आपत्ति थी। उनका कहना था, रायपुर पहुंचने में लंबा समय लगता है, ऐसे में दोपहर दो बजे मतदान समाप्त करना ठीक नहीं है। कई संघों ने आपत्ति करते हुए मतदान का समय बढ़ाने की मांग की थी। ऐसे में चुनाव समिति की बैठक में इसको लेकर चर्चा की गई। सहायक चुनाव अधिकारी प्रकाश गोलछा ने बताया, चुनाव समिति की बैठक दोपहर 2.30 बजे धर्मकांटा कार्यालय में हुई जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मतदान के समय में संशोधन किया जाए। अब मतदान का समय सुबह 10.30बजे से शाम 4.30 बजे तक रहेगा। चुनाव समिति कि बैठक में मुख्य चुनाव अधिकारी मगेलाल मालू सहायक चुनाव अधिकारी पंकज भाई पारेख बिलासपुर, धरमचंद भंसाली, राजेन्द्र शर्मा, अनिल कुचेरिया व प्रकाश गोलछा उपस्थित थे।

चैंबर प्रतिनिधिमंडल ने वाणिज्यिक कर मंत्री चौधरी से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को वाणिज्य कर मंत्री ओपी चौधरी से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने ईज डूइंग बिजनेस के तहत ई-वे बिल से संबंधित पूर्व अधिसूचना को यथावत रखने का आग्रह करते हुए राज्य के विभिन्न जिलों के व्यापारियों को जीएसटी विभाग द्वारा दिए गए नोटिस पर स्वतः रोक लगाने ज्ञापन सौंपा। चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, महामंत्री अजय भसीन नेतृत्व में वाणिज्यिक कर मंत्री ओपी चौधरी को व्यापारियों की समस्या से अवगत कराया तथा ई-वे बिल की संख्या एवं अनुपालन से संबंधित बढ़ती जटिलताओं पर विस्तृत चर्चा की। प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी ने बताया कि राज्य के विभिन्न जिलों के व्यापारियों को जीएसटी विभाग द्वारा वर्तमान में जीएसटीआर-1 फॉर्म देर से दाखिल करने जुर्माना नोटिस जारी किया गया है। विभाग द्वारा अचानक की गई इस कार्यवाही से व्यापारियों में भय का माहौल है, जिसके कारण उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर विभागीय मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए उचित कदम उठाने की बात कही।

हरिभूमि लाइव

रायपुर, बुधवार 29 मई 2024

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

हीट स्ट्रोक से बचने तैराकी का ....

एज्यूकेशन अपडेट

मेडिकल कॉलेज में बीएएसएलपी पाठ्यक्रम के लिए आवेदन प्रारंभ

रायपुर। पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के नाक, कान व गला रोग विभाग के अंतर्गत संचालित बैचलर ऑफ ऑडियोलॉजी स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी (बीएएसएलपी) पाठ्यक्रम 2024-25 में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। बीएएसएलपी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन फार्म एवं विवरणिका बीएएसएलपी पाठ्यक्रम रायपुर की वेबसाइट **www.raipur-baslp.org** से डाउनलोड कर पूर्ण रूप से भर कर भेजना अनिवार्य है। आवेदन फार्म जमा करने की प्रारंभिक तिथि 28 मई तथा अंतिम तिथि 27 जून है। विलंब शुल्क अतिरिक्त 100 रूपए के साथ फार्म 29 जून तक जमा किए जा सकते हैं।

4 जुलाई को जारी होगी मेरिट लिस्ट

आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की मेरिट सूची दिनांक 4 जुलाई को वेबसाइट पर जारी की जाएगी। जारी मेरिट सूची में दावा आपत्ति के लिए अभ्यर्थी 10 जुलाई तक आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। दावा आपत्ति उपरांत अंतिम मेरिट 12 जुलाई को वेबसाइट पर जारी की जाएगी। काउंसलिंग 15 जुलाई को आयोजित की जाएगी। आवेदन शुल्क सामान्य वर्ग के लिए 600 रुपए एवं शेष के लिए 350 रुपए है। फार्म से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी कार्यालयीन समय में दूरभाष 0771-2890137 पर ले सकते हैं।

जिपमैट के लिए सिटी स्लिप जारी

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने ज्वाइंट इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट एडमिशन टेस्ट अर्थात जिपमैट के लिए सिटी इंटिमेशन स्लिप जारी कर दी है। जिपमैट में शामिल होने वाले उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट- **jipmat.nta.ac.in**. के माध्यम से शहर सूचना पर्ची की जांच और डाउनलोड कर सकते हैं। उम्मीदवारों को अपनी जिपमैट शहर सूचना पर्ची की जांच और डाउनलोड करने के लिए अपने आवेदन संख्या और जन्म तिथि का उपयोग करना होगा। एनटीए नोटिस ने स्पष्ट किया है कि यह एडमिट कार्ड नहीं है। इसमें अभ्यर्थियों की सहायता के लिए उस शहर का विवरण दिया गया है, जहां परीक्षा केंद्र स्थित होगा। जिपमैट एडमिट कार्ड बाद में जारी किया जाएगा। जिपमैट 6 जून को निर्धारित है और कंप्यूटर आधारित परीक्षण मोड में दोपहर 3 बजे से शाम 5:30 बजे तक एक ही पाली में आयोजित की जाएगी। एनटीए दो अंतरराष्ट्रीय स्थानों सहित देशभर के लगभग 73 शहरों में विभिन्न केंद्रों पर परीक्षा आयोजित करेगा।

● प्री स्कूल में बच्चों की भीड़, खेल-खेल में हासिल कर रहे शिक्षा, शुरुआती दिनों में पारिवारिक माहौल

स्कूल से पहले तैयारी... पालक बच्चों को खुद से रख रहे कुछ घंटे दूर, विषयों का ज्ञान देने रेत-मिट्टी का उपयोग

> कामकाजी व्यक्ति के लिए बच्चों की देखभाल करना मुश्किल भरा होता है। काम की जिम्मेदारी के बीच बच्चे का कौशल विकास होना और उन्हें सामाजिक वातावरण मिलना आवश्यक है। इस समस्या के समाधान के लिए शहर के विभिन्न स्थानों पर प्री स्कूल संचालित किया जा रहा है। जहां बच्चों को सकारात्मक वातावरण में प्रशिक्षण दिया जाता है।

खेल के माध्यम से शिक्षा

प्री-स्कूल में लगभग पांच चीजों पर काम किया जाता है। जिसमें दिमाग, लैंग्वेज, राइटिंग जैसे विभिन्न मुद्दों पर काम किया जाता है। परिजनों के अनुसार, शिक्षकों संग वक्त गुजारने से बच्चों की भाषा एवं व्यवहार में सुधार देखने को मिलता है। अधिक वक्त स्क्रिन को देने से वे एक्टिविटी में पीछे हो जाते हैं। प्री स्कूल में बच्चों के लिए कई एक्टिविटी डिजाइन की जाती है, जिसके अनुसार रोजाना बच्चों को गेम्स के माध्यम से सिखाने की कोशिश की जाती है।

शुरुआत में केवल वस्तुओं की पहचान

वीर क्षत्रपति शिवाजी स्कूल के डायरेक्टर मुकेश शाह ने बताया, नर्सरी के बच्चों के लिए कई सुविधा स्कूल में मौजूद है। शुरुआत के तीन माह बच्चों को केवल वस्तुओं की पहचान कराया जाता है। जब तक बच्चों को वस्तुओं की समझ नहीं होगी वह लिख नहीं पाएंगे। जिसके लिए प्रोजेक्टर, गेम्स, बॉल, सॉन्ग जैसे कई माध्यमों का प्रयोग किया जाता है।

रायपुर। दौरान माता-पिता कुछ घंटों के लिए बच्चों से दूर रहते है और उन्हें प्री-स्कूल में छोड़कर उनकी विभिन्न एक्टिविटी पर नजर रखते हैं। इसके अतिरिक्त ऐसे बच्चे जो नए शैक्षणिक सत्र से स्कूल जाएंगे, उन्हें भी यहां छोड़ा जा रहा है ताकि कुछ दिनों में वे पालक से दूर रहने के अभ्यस्त हो जाएं और उन्हें स्कूल के शुरुआती दिनों में अधिक दिक्कतें ना हो।

प्री स्कूल के संचालकों और शिक्षाविदों का कहना है, जीवन में स्कूल से पहले परिजन एवं आसपास के वातावरण को देखकर बच्चे सीखने का प्रयास करते हैं। व्यस्त जिंदगी में हर वक्त बच्चों के साथ रह पाना मुश्किल है, जब घर में प्रत्येक व्यक्ति कामकाजी हो तो इस दौरान परिजनों के लिए प्री-स्कूल एक विकल्प के तौर पर नजर आता है। जहां बच्चों को खेल-खेल में प्रशिक्षण दिया जाता है। वहीं इस तरह की अन्य सुविधा कुछ स्कूलों में देखने को मिलती है, जहां नर्सरी कक्षा के बच्चों को पढ़ाई से पहले विद्यालय के वातावरण के साथ घुलने-मिलने का मौका दिया जाता है।

नर्सरी में आकर्षण का केंद्र रंग-बिरंगे खिलौने

द गुड स्टार प्ले स्कूल की प्रचार्य डिंपल सोनी ने बताया, जब पहली बार बच्चे घर छोड़कर स्कूल पढ़ने आते हैं तो वह अपने अनुसार रहना पसंद करते हैं। जिसके लिए उन्हें शुरुआत के 15 दिन बिना रोक-टोक के रहने देते हैं। छोटे बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र विभिन्न रंग होते हैं। जिसके चलते स्कूल में कई रंग-बिरंगे बॉल मौजूद हैं, जिसके साथ बच्चे रोज खेलते हैं। इससे उन्हें रंगों की पहचान होती है, साथ ही वह अपने घर के माहौल को स्कूल में महसूस करते हैं। स्कूल के शुरुआत में परिजनों से 15 दिनों का वक्त मांगा जाता है। बच्चे अपने माता-पिता के बिना कुछ घंटे स्कूल में रहकर अन्य दोस्तों के साथ मिलकर रहते हैं। जिसके लिए स्कूल में क्ले जोन, प्ले जोन जैसे कई विकल्प बच्चों को दिए जाते हैं।

मनोवैज्ञानिक तरीके से प्रशिक्षण

प्ले स्कूल संचालकों ने बताया, छोटे बच्चों को लिखाने का प्रयास करना व्यर्थ है, इस मौके पर प्री राइटिंग स्क्रिप्ट किया जाता है। जिसमें बच्चों को रेतीली वस्तुएं दी जाती है, जिसमें वह अपने मनपसंद का कार्य कर सकें। प्री स्कूल के दौरान बच्चों को प्रत्यक्ष रुप से वस्तुओं को दिखाया जाता है, जिससे चलते उन्हें अंग्रेजी व हिंदी के शब्द सिखाए जाते हैं। इस मौके पर मुख्य उद्देश्य साइकोलॉजिस्ट रुप से बच्चे को समझना एवं प्रशिक्षण देना है।

बच्चों के स्क्रीन टाइम से परेशान बच्चे

मिनी मार्वल्स प्ले स्कूल की संचालिका अनुभूति श्रीवास्तव ने बताया, शहर में वर्किंग वीमन होने के कारण उन्हें मजबूरी में ही अपना बच्चा मेड को संभालने के लिए देना होता है। वर्तमान में स्क्रीन टाइमिंग की समस्या सबसे अधिक देखने को मिलती है, जिसमें बच्चे फोन या टीवी देखते नजर आते हैं। इनसे बच्चो को दूर रखने के लिए माता-पिता अपने बच्चे प्ले स्कूल में छोड़ते हैं। प्री स्कूल में डेढ़ साल की उम्र से ही बच्चों का एडमिशन शुरु हो जाता है।

एग्जाम अपडेट

बीएससी तृतीय वर्ष के परिणाम घोषित, 68% विद्यार्थी सफल

रायपुर। पं.रविशंकर शुक्ल विवि द्वारा बीएससी तृतीय वर्ष के परीक्षा परिणामों की घोषणा कर दी गई है। मंगलवार दोपहर रविवि ने ये परिणाम जारी किए। इस परीक्षा में 7 हजार 222 छात्र शामिल हुए। इनमें से 4 हजार 929 छात्र उत्तीर्ण हुए। 1309 छात्रों को अनुत्तीर्ण श्रेणी में रखा गया है। वहीं 921 छात्रों को पूरक की पात्रता मिली है, जबकि 63 के परिणाम रोके गए और 39 छात्र अनुपस्थित रहे। रविवि द्वारा परीक्षा परिणाम अपने वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। छात्र निर्धारित समयावधि में पुनर्मूल्यांकन और पुनर्गणना के लिए आवेदन कर सकते हैं।

सेट की तैयारियों के लिए रविवि में निशुल्क कोचिंग

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की कोचिंग योजना के अंतर्गत सेट परीक्षा में भाग लेने के लिए छात्र-छात्राओं को तैयार करने के उद्देश्य से पं रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में विषयवार द्वितीय पेपर की नि:शुल्क कोचिंग एक जून से सायं 4 बजे प्रारंभ की जा रही है। इच्छुक छात्र-छात्राएं यूजीसी कोचिंग सेंटर, कला भवन, रविवि से आवेदन-पत्र प्राप्त कर आवेदन कर सकते हैं। कोचिंग की व्यवस्था विशेषकर अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, गरीब छात्रों तथा समस्त छात्राओं के लिए है। प्रपत्र विश्वविद्यालय के. वेबसाइट **www.prsu.ac.in** में भी उपलब्ध है। गौरतलब है कि व्यापम द्वारा सेट के लिए आवेदन प्रारंभ कर दिए गए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 9 जून निर्धारित है।

बौद्धिक और वैचारिक मंच पर सावरकर ने किए कार्य

रायपुर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ एवं संत श्री गजानन महाराज संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में वीर सावरकर जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंगलवार को आयोजित उद्बोधन कार्यक्रम की शुरुआत शाम 6 बजे से हुई। इस दौरान मुख्य वक्ता के रुप में आशीष पंडित मौजूद रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा, सावरकर ने अंडमान के काला पानी की जेल से निकलने के पश्चात देश में वैचारिक और बौद्धिक मंच पर कार्य किया। तीन घंटे का उद्बोधन कार्यक्रम तात्यापारा स्थित संत श्री गजानन महाराज संस्थान सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वीर सावरकर के विचारों को लोगों के बीच पहुंचाना रहा। उद्बोधन का मुख्य विषय वीर सावरकर के विचारों की वर्तमान में प्रासंगिकता रही। एक दिवसीय कार्यक्रम की अध्यक्षता अविनाश बल्लाळ द्वारा किया गया। इस अवसर पर संघ संचालक संजय जोशी, कार्यक्रम संयोजक जयंत तापस,संजय जोशी और अंशुमन गनोदवाले मौजूद रहे।

कैंसर व हृदय रोग का खतरा घटाता है रक्तदान, तीन जीवन की रक्षा

रायपुर। इंस्टिट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के स्थापना दिवस के अवसर पर,आईसीएमएआई रायपुर चैप्टर लाइफ केयर ब्लड सेंटर के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। अवंती विहार स्थित कार्यालय में यह आयोजन हुआ, जिसमें सीएमए के विद्यार्थी, सीएमए क्वॉलिफेड प्रोफेशनल एवं अन्य समिति सदस्यों द्वारा रक्तदान कर अपना सहयोग दिया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रुप मे सीएमए अरिदम गोस्वामी रिजनल वाइस चेयरमैन उपस्थित रहे। समस्त रक्तदान दाताओं को धन्यवाद के साथ प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। चर्चा के दौरान रक्तदान के लाभ की भी जानकारी दी गई।

लौह भंडार में आती है कमी

विशेषज्ञों ने कहा, प्रत्येक दान अधिकतम तीन जीवन बचा सकता है। आपका दान सुनिश्चित करता है कि सर्जरी, आपात स्थिति और पुरानी बीमारियों वाले लोगों के लिए रक्त उपलब्ध हो। रक्तदान करने से दानकर्ता की भी हानिकारक लौह भंडार कम करता है। साथ ही कैंसर के खतरा को घटाता है और हृदय स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद मिल सकती है। प्रत्येक व्यक्ति जो 18-65 वर्ष की आयु का हो और वजन कम से कम 50 किलो हो रक्तदान कर सकता है। रायपुर चैप्टर के सेक्रेटरी सीएमए सौरभ दास ने कहा, संस्था द्वारा अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने की कोशिश की गई, ताकि जरूरतमंदों की सहायता हो सके।

प्रशिक्षण से व्यक्तित्व विकास नई चीजें सीखना आवश्यक

रायपुर। एनआईटी में स्टूडोमैटरिक्स द्वारा आयोजित व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम का मंगलवार को सफलतापूर्वक समापन हो गया। पांच दिनों तक चले इस कार्यक्रम में छात्रों ने विभिन्न महत्वपूर्ण कौशल सीखे और कई परिसर में प्रवास भी किया। प्रत्येक दिन का फोकस अलग-अलग विषयों पर था। प्रथम दिन सार्वजनिक वक्तव्य, शारीरिक भाषा एवं समय प्रबंधन पर वर्कशॉप हुई। इसी तरह आगे के दिनों में तनाव प्रबंधन और नेतृत्व कौशल, संघर्ष समाधान और टीम बिल्डिंग, नेटवर्किंग कौशल और व्यक्तिगत ब्रांडिंग पर सत्र हुए। अंतिम दिन आत्म-प्रेरणा और लक्ष्य निर्धारण पर ध्यान दिया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों ने जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों को उनके योगदान और सक्रिय सहभागिता के लिए धन्यवाद और प्रमाणपत्र दिया। संयोजक अन्वित दीक्षित ने कहा, ऐसे शिविर बच्चों के विकास के लिए आवश्यक है इससे विद्यार्थियो के मन मे बाहरी दुनिया को लेकर कई सवालों का जवाब मिला। इस सफल कार्यक्रम ने छात्रों को अपने व्यक्तित्व और कौशल को निखारने का अवसर प्रदान किया।

कार्नर न्यूज

नारियां सहन करती हैं सर्वाधिक दुख, उनमें परिवार के लिए पूर्ण समर्पण

आहार का त्याग करना ही उपवास नहीं, निंदा ना करना भी व्रत

रायपुर। आहार का त्याग कर उपवास करना ही उपवास नहीं कहलाता है, बल्कि निंदा करने से रोकना व निंदा ना सुनना भी उपवास है। अमीर और गरीब सबको रोते देखा, केवल महाकाल का भक्त हमेशा मस्त रहता है। शंकर के भरोसे रहने वाले को कष्ट कभी छू भी नहीं सकता। समर्पण उसे कहते हैं जो अपना सब कुछ भगवान शिव को समर्पण कर दें। जब तक भगवान शिव झोली न भर दें तब तक दरवाजा छोड़ना मत, भोले एक न एक दिन आपको जरुर देंगे। आधे से ज्यादा दुखों को स्त्रियां अपने ऊपर ले लेती हैं, क्योंकि वे अर्धनारीश्वर होती हैं। अमलेश्वर में चल रहे शिवमहापुराण कथा के दूसरे दिन अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने समर्पण विषय पर श्रद्धालुओं को ये बातें कही।

परिवार के लिए रखती हैं व्रत

उन्होंने आगे कहा, विषम परिस्थितियों में भगवान शिव पर बेलपत्र चढ़ाने के साथ ही समस्या अपने आप टल जाती है। घर में रहने वाली नारी सबसे अधिक दुख सहन करती है। 16 सोमवार का व्रत, तीज, चतुर्थ, पंचमी, सोमवार, मंगलवार का व्रत रखती हैं, इसलिए नहीं कि वह अपना दुख दूर कर सकें बल्कि इसलिए कि उसका परिवार हमेशा खुश रहे, पति की लंबी उम्र हो और परिवार में कभी संकट ना आए। यहां कथा सुनने आई हजारों महिलाएं अपने लिए नहीं, परिवार के उत्थान के लिए आई हैं। उन्होंने कहा कि समर्पण उसे कहते हैं जो अपना सब कुछ समर्पण कर दें और यहां कथा श्रवण करने आई महिलाएं पूरी समर्पण के साथ यहां आई हैं।

दिल से करें निवेदन

उन्होंने कहा कि निवेदन हमेशा दिल से करना चाहिए, अगर आपका हृदय और मन साफ है तो पशुपति नाथ का व्रत तुमने जो किया है उसका फल जरुर तुम्हें मिलेगा। शिवमहापुराण की कथा कहती है दिल में अगर पाप है, हृदय में निंदा भरी है तो उस व्यक्ति के मुख से कितना भी तुम प्रवचन व कीर्तन करा लो उस कथा का असर तुम पर होगा ही नहीं। कथा सुनने के लिए जाओ तो उस दौरान व्यासपीठ से कोई निंदा कर रहा हो तो उसे हाथ जोड़कर और खड़े होकर वहां से चले जाने के लिए कहो, क्योंकि हम कथा सुनने आए हैं आपकी निंदा नहीं। हम यहां भगवान की कथा सुनने आए हैं और अपने विश्वास को और मजबूत करने के लिए यहां आए हुए हैं। न हमें निंदा करनी है और न सुननी है।

बेलपत्र की आकृति में पंखे

46 डिग्री गर्मी भी भक्तों को नहीं रोक पर रही है। सुबह से ही भक्तों का आने का सिलसिला शुरु हो गया था और यहां आने वाले सभी भक्तों को आयोजन समिति की ओर से बेलपत्र के आकार में बने पंखे दिए गए, ताकि इस भीषण में उन्हें कुछ राहत मिल सके। इसके अलावा समिति की ओर से जगह-जगह पर जम्बो कूलर लगाया गया है।

कैंपस लाइव

शिक्षक जान रहे नई तकनीक ताकि सीखा सकें छात्रों को

रायपुर। समता स्थित महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज में पांच दिवसीय 'एफडीपी' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम महाविद्यालय के सदस्यों एवं प्रोफेसरों के लिए आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देस्य उनके शैक्षिक विकास को बढ़ावा देना है। इस दौरान उपस्थित सदस्यों की शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान और प्रशासनिक क्षमताओं में बढ़ावा देने विभिन्न वर्कशॉप हुए। कार्यक्रम में शिक्षकों को बेहतर शिक्षण प्रणाली से अवगत कराया जा रहा है, जिससे महाविद्यालय के छात्रों को भी लाभ मिल सके। कार्यक्रम के पहले दिन मुख्य वक्ता के रूप में केके मोदी यूनिवर्सिटी दुर्ग के वाइस चांसलर डॉ. मोनिक सेठी उपस्थित रही। जिनका मुख्य विषय एकेडमिक एडवाइजिंग मेनटोरिंग रहा। डॉ.सेठी ने एनईपी 2020 पॉलिसी में शिक्षा के आधार को परिचित करने की कोशिश की। साथ ही शिक्षकों को शैक्षणिक रूप से उपयोग में आने वाले विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी।

स्वयं को करें अपडेट

पांच दिवसीय कार्यक्रम में शिक्षक और छात्र के मध्य शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों से ज्ञान उपलब्ध कराने की कोशिश की जा रही है। दूसरे सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में सीएसवीटीयू भिलाई के एसोसिएट प्रोफेसर जेपी पात्रा मौजूद रहे। जिन्होंने शिक्षकों में होने वाले विभिन्न गुणों की जानाकरी दी। उन्होंने कहा, वर्तमान में आधुनिकता के साथ तकनीकी वस्तुओं का ज्ञान होना भी आवश्यक है। महाविद्यालय के छात्रों के साथ स्वयं को रोजाना अपडेट करते चलें। कॉलेज के चेयरमेन राजेश अग्रवाल, प्राचार्य डॉ.एमएस मिश्रा, एडमिस्ट्रेटर शिवांगी मिश्रा और कार्यक्रम संयोजक डॉ. ईला दीक्षित के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है।

समर कैंप

मधुबनी आर्ट और बॉटल आर्ट की बारीकियां समझ रहे बच्चे

रायपुर। श्याम महिला मंडल द्वारा सात दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। 27 मई से शुरु हुए कैंप का समापन 3 जून को होना है। नि:शुल्क समर कैंप का आयोजन समता कालॉनी स्थित भीमसेन भवन में किया जा रहा है, जहां मधुबनी आर्ट पेंटिंग, बॉटल आर्ट और रेजिन आर्ट का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सुबह से आयोजित समर कैंप में विभिन्न वर्ग के बच्चे शामिल हो रहे हैं। इस दौरान महिलाओं की भागिदारी भी नजर आ रही। मंडल की सचिव राजश्री अग्रवाल ने बताया, बीते कई सालों से नि:शुल्क रुप से समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जिसका मुख्य उद्देश्य आर्थिक रुप से कमजोर बच्चों के लिए प्रशिक्षण स्वरुप मंच प्रदान करना है।

30 मई को जीवन विद्या प्रशिक्षण शिविर

बुधवार को मंत्र उच्चारण और स्टोरी टेलिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिसका मुख्य उद्देश्य स्कूली शिक्षा के साथ ही बच्चों को धार्मिक शिक्षा से अवगत कराना है। इस दौरान विभिन्न मंत्रों का ज्ञान और उनके अर्थ बच्चों को बताए जाएंगे। सात दिवसीय समर कैंप के दौरान 30 मई को जीवन विद्या प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। जहां बच्चों को सही जीवन शैली की जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर सुबह से रात तक के प्रत्येक दिनचर्या को क्रमबद्ध रुप से बताया जाएगा। साथ ही जीवन शैली में विभिन्न बदलाव पर भी जोर दिया जाएगा। कैंप के दौरान मंडल की अध्यक्ष संगिता सरावगी, आशा अग्रवाल, सरिता, स्वाती सरावगी उपस्थित रही।

सिटी इवेंट

वैचारिक मतभेद पर लिखा निबंध भारत में रायपुर की स्वाति प्रथम

रायपुर। मध्य प्रदेश मराठी अकादमी और महाराष्ट्र साहित्य सभा की मराठी निबंध स्पर्धा के तृतीय वर्ग में टाटीबंध निवासी स्वाति मोडक को विजेता घोषित किया गया। इसी तरह आयु वर्ग-एक में प्रथम तीन स्थान छत्तीसगढ़ की प्रतिभाओं को मिले हैं। महाराष्ट्र मंडल साहित्य समिति की प्रभारी कुमुद लाड ने बताया कि छत्तीसगढ़ के अलावा मध्यप्रदेश, गुजरात, आंध्र प्रदेश सहित अनेक राज्यों की प्रतिभागियों ने मराठी निबंध और पत्र लेखन स्पर्धा में भाग लिया। निबंध स्पर्धा के परिणाम घोषित किए गए हैं। जिसमें वर्ग-एक के अंतर्गत पांच से 18 वर्ष आयु वर्ग में दुर्ग की सानवी अवधूत प्रथम, दुर्ग की ही ऋतुजा सगदेव द्वितीय और कोरबा की अरुंधति गडांगुले तीसरे स्थान रहीं। इस वर्ग में निबंध लेखन का विषय माझे आवडते व्यक्तीमत्त्व (मेरा पसंदीदा व्यक्तित्व) था।

नीलिमा भी बनी विजेता

कुमुद के मुताबिक 31 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के तीसरे वर्ग में स्वाति मोडक के अलावा दुर्ग की नीलिमा सगदेव तीसरे स्थान पर रहीं। इस वर्ग में निबंध का विषय वडील आणि मुलांमध्ये वाढ़ते वैचारिक अंतर (पिता और बच्चों में बढ़ते वैचारिक मतभेद) था। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र साहित्य सभा के अध्यक्ष अश्विन खरे और मध्य प्रदेश मराठी अकादमी के अध्यक्ष अरविंद जावलेकर ने महाराष्ट्र मंडल से आग्रह किया है कि वे भी रायपुर में मराठी साहित्य अकादमी की स्थापना कर इस तरह के साहित्यिक आयोजन करें। महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष अजय काले और सचिव चेतन दंडवते ने दोनों ही प्रतिष्ठित समितियों के सुझाव का स्वागत किया है और कार्यकारिणी की बैठक में इस पर निर्णय लेने का आश्वासन दिया है।

● शहर के अंतरराष्ट्रीय स्विमिंग पूल में दिनभर में 11 बैच, गर्मी के साथ बढ़ रहा रजिस्ट्रेशन

हीट स्ट्रोक से बचने तैराकी का सहारा, दोगुनी हुई संख्या, अब रात 10 बजे तक खोले जा रहे पुल

" तेज गर्मी में शरीर को ठंडा रखने और हीट स्ट्रोक से खुद को बचाए रखने बड़ी संख्या में लोग अब स्विमिंग पूल की ओर रुख करने लगे हैं। इस वजह से अंतरराष्ट्रीय व प्राइवेट स्विमिंग पूल में भीड़ इतनी अधिक बढ़ गई है कि अब संचालकों को स्विमिंग का बैच बढ़ाना पड़ रहा है।

रायपुर। जीई रोड स्थित इंटरनेशनल स्विमिंग पूल में अब 10 बजे तक स्विमिंग का आंनद ले सकते हैं। यहां पहले 8 बजे तक अंतिम बैच होती थी, जिसे अब बढ़ा दिया है। संचालक पुष्पकांत चंद्राकर ने बताया, मई माह से अब 800 से अधिक लोग दिनभर में नहाने पहुंच रहे हैं। रविवार छुट्टी के दिन यह संख्या हजार तक पहुंच जाती है। नौकरी पेशा व्यक्ति लगातार नए बैच की मांग कर रहे हैं। समय बढ़ाने से शाम के समय अब भीड़ थोड़ी कम हुई है। गर्मी के बढ़ने से रजिस्ट्रेशन कराने वालों की संख्या बढ़ी है। यूनियन क्लब के स्विमिंग में भी सुबह से लेकर देर शाम तक भीड़ देखने को मिल रही है। बच्चे से लेकर युवा और उम्रदराज सभी तैराकी सीखने और गर्मी से राहत पाने के लिए स्विमिंग पूल में डुबकी लगाते नजर आ रहे हैं।

गर्मियों में व्यायाम का बेहतर विकल्प

बढ़ती गर्मी व स्वीमिंग पूल को लेकर नैतिक छाबड़ा का कहना है कि दो महीने से पूल आ रहा हूं। स्विमिंग से शारीरिक व्यायाम भी हो जाता है और हीट स्ट्रोक का खतरा भी टल जाता है। रोजाना दोस्तों के साथ खूब मस्ती करते हैं। डंगनिया से डॉ. मोनिका शर्मा ने बताया कि ठंड की तुलना में गर्मी स्विमिंग करना काफी फायदेमंद होता है। तेज गर्मी के बाद शाम व रात में एक घंटे पानी में समय बीतने से शरीर को ठंडक और मन को शांति मिल जाती है।

बच्चों का बढ़ रहा उत्साह

गर्मी बढ़ने के साथ ही बच्चों में भी स्विमिंग करने को लेकर उत्साह भी बढ़ने लगा है। प्राइवेट पूल में भी मंगलवार को स्विमिंग शूट में बच्चे अपने दोस्तों के साथ ठंडे पानी में मस्ती करते दिखे। हाथ और पैर से पानी में डुबकी तो कभी एक-दूसरे के ऊपर पानी छिड़कते नजर आए। अपने आप को बेहतर तैराक साबित करने मासूम बच्चों का समूह पानी में रेस भी लगा रहा था। हर कोई अपने ही धुन में ठंडे पानी का आनंद लेता रहा। पूल में जो तैरना सीख रहे हैं या जिनको तैरना नहीं आता उनके लिए सुरक्षा का अधिक ध्यान रखा गया है। स्विमिंग पूल के चारों तरफ लोहे की रेलिंग लगाई है ताकि जिनको तैरना नहीं आता वे रेलिंग के सहारे तैरना सीख सकें।

बॉडी टेम्परेचर कम करने मददगार

तेज गर्मी में हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। स्वीमिंग के कई युवा बॉडी टेम्परेचर सामान्य रखने के लिए घंटों पूल में समय बीता रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्विमिंग पूल में सुबह 6 बजे से 10 बजे तक गर्मी में ठंडक लेने के साथ ही शारीरिक व्यायाम व दोस्तों के साथ मनोरंजन के लिए पूल पहुंच रहे हैं। रात में स्विमिंग शुरू होने से नौकरी पेशा से जुड़े व्यक्तियों को बड़ी राहत मिल रही है। प्रतिदिन सुबह 6 से 11 बजे और शाम को 4 से रात 10 बजे के बीच 11 बैच स्विमिंग सीखने के लिए आते हैं। स्विमिंग के लिए हर बैच को एक घंटे का समय दिया जा रहा है। नेशनल और स्टेट लेवल के खिलाड़ियों के लिए समय का कोई प्रतिबंध नहीं है। वर्तमान में अभी 5 साल से लेकर 60 साल तक के लोग आ रहे हैं।

महिलाओं व बच्चों की हेल्पलाइन का इंटीग्रेशन, जल्द मिलेगा हल

रायपुर। बच्चों एवं महिलाओं को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 24 घंटे आपातकालीन सेवा के रूप में बच्चों के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 एवं महिलाओं के लिए महिला हेल्पलाइन नंबर 181 संचालित है। उक्त हेल्पलाइन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए पुलिस विभाग द्वारा संचालित 112 के साथ इंटीग्रेशन किया जा रहा है। हेल्पलाइन को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आज मंत्रालय महानदी भवन में महिला एवं बाल विकास सचिव शम्मी आबिदी ने सी-डैक तिरूअनंतपुरम, पुलिस विभाग की 112 की टीम, बीएसएनएल, रेलवे एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को हेल्पलाइन को बच्चों एवं महिलाओं की त्वरित मदद के लिए प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

रेलवे स्टेशन में भी हेल्पलाइन

बैठक में बताया गया कि वर्तमान में सभी 33 जिलों में चाइल्ड हेल्पलाइन संचालन के लिए हार्डवेयर लगाया जा चुका है। 32 जिलों में चाइल्ड हेल्पलाइन का डब्ल्यूसीडी कंट्रोल रूम से इंटीग्रेशन कर संचालन प्रारंभ हो चुका है। इंटीग्रेशन की कार्यवाही पूर्ण करने के लिए सी-डैक एवं बीएसएनएल के अधिकारियों को निर्देश दिए गए है। राज्य के 27 जिलों के वन स्टॉप सेंटर (सखी सेंटर) में महिला हेल्पलाइन यूनिट की स्थापना एवं इंटीग्रेशन कर संचालन किया जा रहा है। रेलवे रायपुर एवं बिलासपुर से आए अधिकारियों तथा विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि बच्चों के सर्वोत्तम हित में रायपुर एवं बिलासपुर रेलवे स्टेशन के उपयुक्त स्थान पर चाइल्ड हेल्पलाइन का संचालन किया जाए। चाइल्ड हेल्पलाइन में प्राप्त प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा भी की गई।

विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारना शिक्षकों का दायित्व, यह एक कला

रायपुर। री इंडिया संस्थान द्वारा 'कौशल भारत-कुशल भारत' पर विगत कई वर्षों से कार्य किए जा रहे हैं। संस्था छात्रों के लिए बहुमुखी कौशल विकास योजनाओं पर पिछले कई वर्षों से कार्य कर रही है। इसके अंतर्गत शासकीय विद्यालय में छात्र और छात्राओं के लिए वोकेशनल ट्रेनिंग टीचर्स नियुक्त किए जा रहे हैं। इनके माध्यम से स्किल डेवलपमेंट पर निरंतर कार्य किया जा रहा है। इन शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। री इंडिया संस्थान के डायरेक्टर राजू राय ने शिक्षकों को ट्रेनिंग के दौरान बच्चों के प्रतिभा को किस तरह से निखारना है तथा अध्ययन की कला को किस तरह से प्रस्तुत करना है, इसे समझाया।

आर्ट और क्राफ्ट संग जुंबा ट्रेनिंग

वर्कशाप के माध्यम से कई तरह की जानकारी वोकेशनल कोर्स के शिक्षकों को दी गई। वीटीटी प्रबंधक श्वेता भदोरिया ने कहा, आने वाली पीढ़ी इस भारत देश के भविष्य निर्माता है। कौशल विकास योजना के साथ-साथ शिक्षा जगत में भी अपना स्थान बनाना आवश्यक है। नि:शुल्क रुप से सभी शासकीय विद्यालय में जाकर बच्चों के प्रतिभा को निखारने और उनके हुनर को पहचानने का कार्य संस्थान के वोकेशनल ट्रेनिंग टीचर्स करते हैं। री इंडिया संस्थान द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश में एक मई से समर कैंप भी सभी शासकीय विद्यालय में संचालित किया जा रहा है, जिसमें छात्रों को योगा, खेलकूद, आर्ट और क्राफ्ट, जुंबा की ट्रेनिंग भी दी जा रही है। वर्कशॉप में जागृति पटेल, अल्फिशा फातिमा, रूबी साहू, रमा साहू, नीलम राय, चमन साहू, डीके शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

ज्येष्ठ माह में मनाई जाएगी महेश नवमी, गंगा दशहरा, महाराणा प्रताप जयंती

पर्वों का महीना 'ज्येष्ठ' शुरू, वट सावित्री पूजन में इस बार रोहिणी नक्षत्र व धृति का विशेष योग

कार्नर न्यूज

ज्येष्ठ की शुरुआत हो गई है। पुरोहितों के अनुसार आराधना के लिए यह माह भी विशेष फलदायी माना गया है। ज्येष्ठ का महीना 24 मई से शुरू हो चुका है। यह माह भगवान सूर्य, शनि देव, जल के देवता वरुण देव व पवनपुत्र को समर्पित है। ज्येष्ठ महीना 23 जून तक रहेगा। इस माह में महापुरुषों की जयंती, पर्व रहेंगे।

वट सावित्री पूजन का शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, वट सावित्री व्रत के लिए आवश्यक ज्येष्ठ अमावस्या तिथि इस साल 5 जून को शाम 7 बजकर 54 मिनट से शुरू होगी और यह तिथि 6 जून को शाम 6 बजकर 7 मिनट पर खत्म होगी। ऐसे में व्रत के लिए उदयातिथि की मान्यता है, इस आधार पर वट सावित्री व्रत 6 जून दिन गुरुवार को रखा जाएगा। अभिजीत मुहूर्त सुबह 11:21 बजे से दोपहर 12:16 बजे तक रहेगा। चर-लाभ-अमृत मुहूर्त सुबह 10:06 बजे से दोपहर 3:13 बजे तक रहेगा।

रायपुर। अखंड सौभाग्य की कामना को लेकर सुहागिन महिलाएं 6 जून गुरुवार को ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या से युक्त रोहिणी नक्षत्र व धृति योग में वट सावित्री का व्रत करेंगी। इस दिन बरगद के वृक्ष की पूजा कर महिलाएं देवी सावित्री के त्यागपति प्रेम एवं पतिव्रत धर्म का स्मरण करती हैं। यह व्रत स्त्रियों के लिए सौभाग्यवर्धक, दुख प्राणनाशक और धन-धान्य प्रदान करने वाला होता है। ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या को वट सावित्री का व्रत पुण्यफल देने वाला संयोग बना है। इस दिन सूर्यपुत्र शनि की जयंती, रोहिणी नक्षत्र एवं धृति योग भी विद्यमान रहेगा। इस बार वट सावित्री व्रत पर ग्रहों की स्थिति भी शुभकारी है। व्रत के दिन बरगद व पीपल की पूजा करने से शनि, मंगल और राहु के अशुभ प्रभाव से छुटकारा मिलता है। इस दिन शनि ग्रह की शांति के लिए इसका बड़ा महात्म्य है। जिन मंदिरों में वट वृक्ष हैं, वहां इस दिन विशेष रौनक देखने को मिलेगी। पूजन सहित अन्य व्यवस्थाएं इन मंदिरों में की जाएंगी।

118 दिन का रहेगा चातुर्मास

17 जुलाई को देवशयनी एकादशी से चातुर्मास शुरू हो रहा है। इसका समापन 11 नवंबर को देवउठनी एकादशी पर होगा। इस साल चातुर्मास केवल 118 दिन यानी चार माह का रहेगा। पिछले साल अधिक मास होने के कारण दो श्रावण मास थे। इस कारण चातुर्मास 140 दिन का था। इस साल 30 दिन कम यानी चार माह का चातुर्मास रहने के कारण सभी बड़े त्योहार पहले आ रहे हैं। 2 जून को अपरा एकादशी, 4 जून को प्रदोष व्रत, 6 जून को वट सावित्री व्रत, शनि जयंती, 10 जून को चतुर्थी व्रत, 15 जून को महेश नवमी, 16 जून को गंगा दशहरा, 17 जून को निर्जला एकादशी, 22 जून को स्नान पूर्णिमा है।

सिटी स्पोर्ट्स

राष्ट्रीय म्यू थाई चैंपियनशिप रायपुर के घृतेश ने स्वर्ण व मंजू और मानसी ने जीते कांस्य पदक

रायपुर। असम के तेपेसिया में आयोजित राष्ट्रीय म्यू थाई चैंपियनशिप व प्रो नाइट फाइट में छत्तीसगढ़ ने शानदार प्रदर्शन कर अब तक तीन पदक जीत किए हैं। रायपुर के घृतेश साहू ने स्वर्ण पदक जीत कर छ ग के पदकों का खाता खोला। वहीं, रायपुर की ही मंजू और मानसी ने भी कांस्य पदक हासिल किया। पदक जीतने वाले तीनों खिलाड़ी श्री गुजराती स्कूल के हैं। छ ग के शेष खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। इस प्रतियोगिता में 29 राज्यों के लगभग 850 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। जिसमें छग का 36 सदस्यीय दल (30 खिलाड़ी, 6 अधिकारी) भी शामिल है। पेरिस ओलंपिक में म्यू थाई प्रदर्शन खेल के रूप में शामिल करने की घोषणा से म्यू थाई खिलाड़ियों में अतिरिक्त उत्साह का माहौल है। यूनाइटेड म्यू थाई एसोसिएशन इंडिया के तत्वावधान में आल असम एमेच्योर म्यू थाई एसोसिएशन के द्वारा राष्ट्रीय म्यू थाई चैंपियनशिप एवं प्रो नाइट फाइट का आयोजन 25 से 30 मई तक लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन के स्टेडियम तेपेसिया (सोनापुर, गुवाहाटी) में किया जा रहा है। प्रतियागिता के प्रथम दिन 25 मई को आगंतुकों का पंजीयन, खिलाड़ियों का मेडिकल हुआ। द्वितीय दिन 26 मई को खिलाड़ियों का वजन, टाई शीट बनाने के अलावा शाम के उदघाटन समारोह हुआ, जिसके मुख्य अतिथि सीमा सुरक्षा बल कमाण्डेन्ट जय प्रकाश रंजन थे। उद्घघाटन समारोह में छ ग म्यू थाई संघ के महासचिव अनीस मेमन का सम्मान किया गया। तत्पश्चात फेडरेशन की सामान्य सभा की बैठक हुई, जिसमें छ ग से अनीस मेमन एवँ अमन यादव ने राज्य का प्रतिनिधित्व किया। सामान्य सभा में जानकारी दी गई कि म्यू थाई की अंतरराष्ट्रीय संस्था आईएफएमए को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) से म्यू थाई खेल को पेरिस ओलंपिक 2024 में प्रदर्शन खेल के रूप में शामिल किए जाने की सूचना दी गई हैं। जिससे पूरे विश्व के म्यू थाई खेल प्रेमियों में उत्साह की लहर हैं। 27 मई से प्री क्वालीफाइंग राउंड के मुकाबले प्रारम्भ हुए। साइक्लोन और रूमेला तूफान की वजह से तेज हवा बारिश और विधुत अवरोध के कारण फाइट मुकाबलों में व्यवधान होता रहा।28 मई को सब जूनियर वर्ग के मुकाबले प्रारम्भ हुए। जिसमे श्री गुजराती स्कूल रायपुर के घृतेश साहू ने फाइनल में असम के खिलाड़ी को परास्त कर स्वर्ण जीत कर छ ग के पदकों का खाता खोला। वहीं, श्री गुजराती स्कूल रायपुर की दोनों बालिका खिलाड़ी क्रमशः मंजू साहू ने सेमीफाइनल में राजस्थान की खिलाड़ी और मानसी तांडी मणिपुर की खिलाड़ी से परास्त होने के पश्चात कांस्य पदक जीता और छ ग के पदकों की संख्या 3 तक पहुंचाई।

कुछ दिन भी खा लिए ये सब्जी तो थायराइड, डायबिटीज की छुट्टी!

सीवीड समंदर या नदियों के किनारे उगने वाली एक प्रकार का घास है। मूल रूप से यह जलीय शैवाल है, लेकिन इसे सब्जी के रूप में खाया जाता है। बेशक, यह आपको घास फूस लगे लेकिन इसमें पोषक तत्वों का खजाना छिपा हुआ है। इतना ही नहीं, यह कई क्रोनिक बीमारियों को भी ठीक करने की क्षमता रखती है। इसे आप सलाद या सब्जी के रूप में बना सकते हैं। सीवीड आयरन, जिंक, मैग्नीशियम, राइबोफ्लोविन, थियामिन, विटामिन ए, बी, सी और के का पावर पैक है। इसमें कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो थायराइड, डायबिटीज जैसी बीमारियों के लिए भी काल बन जाता है। आइए इसके फायदों के बारे में जानते हैं।

सीवीड के फायदे : थायराइड के लिए काल : एक रिपोर्ट में न्यूट्रिशनिस्ट कैरी टॉरेन बताती है कि थायराइड शरीर के विकास, एनर्जी प्रोडक्शन, प्रजनन और कोशिकाओं की मरम्मत के लिए जिम्मेदार है। थायराइड हार्मोन बनाने के लिए आयोडिन, एमिनो एसिड और टायरोसिन की जरूरत पड़ती है। सीवीड में ये तीनों चीज मौजूद हैं। यानी सीवीड का सेवन थायराइड की समस्या में रामबाण साबित हो सकता है।

पाचन तंत्र के लिए वरदान : सीवीड में डायट्री फाइबर पोलिसैकराइड्स रूप में होता है। यानी यह पेट में जाकर गुड बैक्टीरिया को खरबों में बना सकता है। क्योंकि, सीवीड पेट के बैक्टीरिया के लिए बहुत स्वादिष्ट होता है। खरबों बैक्टीरिया का बनना पाचन तंत्र के लिए वरदान से कम नहीं है। इससे पेट संबंधी सभी समस्याओं का अंत हो सकता है।

इम्यूनिटी मजबूत : सीवीड के सेवन से आप अपनी इम्यूनिटी को बूस्ट कर सकते हैं। सीवीड में कई तरह के फायटोकेमिकल, विटामिन सी, विटामिन के होता है जो इम्यूनिटी को बूस्ट करने के लिए बहुत मददगार है। इम्यूनिटी बूस्ट का मतलब है कि आपके शरीर में इंफेक्शन वाली बीमारियों का खतरा बहुत कम हो जाएगा।

लू से बचाव के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय ने जरूरी सुरक्षा उपाय अपनाने की दी सलाह

लू से बचाव ही नहीं वेट लॉस में भी फायदेमंद है लस्सी, रोजाना सेवन से मिलते हैं ये फायदे

बढ़ते तापमान ने लोगों की मुश्किलें काफी ज्यादा बढ़ा दी हैं। लोगों का घरों से निकलना तक मुश्किल हो गया है। अनुमान जताया जा रहा है कि देश के कई राज्यों में पारा 50 डिग्री तक भी जा सकता है। ऐसे में भयंकर गर्मी और लू से बचाव के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय ने लोगों को कई जरूरी सुरक्षा उपाय अपनाने की सलाह दी है। जिसमें बॉडी को हाइड्रेटेड रखना भी शामिल है। आमतौर पर लोग गर्मियों में अपनी प्यास बुझाने के लिए कार्बोनेटेड ड्रिंक्स, कोल्ड ड्रिंक्स, शुगरी सोडा जैसी चीजों का सेवन करते हैं। लेकिन ये सभी चीजें पेट दर्द, डिमेंशिया, बेली फैट, लिवर में फैट, मेटाबॉलिक सिंड्रोम जैसी समस्याओं का कारण बन सकती है।

एसिडिटी में राहत

गर्मियों में अकसर तला-भुना या मसालेदार भोजन करने की वजह से लोगों को एसिडिटी की समस्या होने लगती है। एसिडिटी की समस्या होने पर लस्सी पीने से बहुत फायदा होता है। लस्सी की तासीर ठंडी होती है। जिसकी वजह से अपच की समस्या में भी राहत मिलती है।

लू से बचाव

गर्मियों में लस्सी पीने से लू से बचाव होता है। ऐसे में गर्मियों में घर से बाहर निकलने से पहले लस्सी पीने से लू नहीं लगती और शरीर भी स्वस्थ बना रहता है। इतना ही नहीं लस्सी पीने से लू से होने वाला सिरदर्द भी आसानी से दूर होता है।

ब्लड प्रेशर रखें कंट्रोल

लस्सी पीने से ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल रहता है। कई शोध में यह बात सामने आई है। लस्सी में मौजूद पोटैशियम और रिबोफ्लेविन जैसे तत्व ब्ल्ड प्रेशर को नेचुरल तरीके से कंट्रोल रखने में मदद करते हैं।

वेट लॉस

लस्सी में प्रोबायोटिक्स और दूध दोनों मौजूद होते हैं, जो बाउल मूवमेंट्स में सुधार करके डाइजेशन को दुरूस्त रखने में मदद करते हैं। लस्सी में हेल्दी बैक्टीरिया और प्रोबायोटिक्स मौजूद होने के कारण यह पेट फूलने और इंफ्लेमेशन की समस्या से बचाव करता है। ये दोनों ही चीजें वेट लॉस में बेहद फायदेमंद मानी जाती है।

बेहतर पाचन

लस्सी में पाए जाने वाले प्रोबायोटिक्स पाचन को सुधारने में मदद कर सकते हैं। इससे आपकी पाचन शक्ति बढ़ती है और पेट से जुड़ी समस्याएं भी कम हो जाती हैं।

कमर दर्द की समस्या से बहुत जल्द आराम दिलाता है चतुरंग दंडासन

रोजाना के रूटीन में योगासन को शामिल करना जरूरी है। ये शरीर को फ्लैक्सिबल बनाते हैं और कई समस्याओं से निपटने में मदद करते हैं।

चतुरंग दंडासन सूर्य नमस्कार के दौरान किए जाने वाले आसनों में से एक है। इसे करने पर आप कई समस्याओं से निपट सकते हैं। जानिए इस आसने के कुछ फायदे और इसे करने का तरीका।

ऐसे करे चतुरंग दंडासन

चतुरंग दंडासन करने के लिए अपने दोनों पैरों को पीछे की ओर और हाथों को आगे की ओर रखते हुए बैठें। फिर समान रूप से सांस लेते रहें और अपनी दोनों एड़ियों को फैलाएं ताकि आप अपनी जांघों पर दबाव महसूस करें। अब अपने हाथों को आगे की ओर रखते हुए फर्श पर रखें और अपने सिर को फैलाकर रखें। अपने कंधों को नीचे और कानों से दूर रखें।

ये हैं इस आसन को करने के फायदे

(1) चतुरंग दंडासन रीढ़ की हड्डी की सहनशक्ति और स्थिरता में सुधार करने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा, यह कोर मांसपेशियों की ताकत को बढ़ाते हैं और पीठ दर्द के खतरे को कम कर सकते हैं। चतुरंग दंडासन पीठ दर्द के दर्द को कम कर सकता है।

(2) रिपोर्ट्स की मानें तो ये आसन तनाव के स्तर को कम करके दिल पर तनाव को कम करने में मदद कर सकता है। ये आसन दिल की सेफ्टी करने में मदद कर सकता है।

(3) चतुरंग दंडासन पेट की मांसपेशियों और पीठ की कठोर और सीधी मुद्रा को बनाए रखने में मदद कर सकता है। यह स्थिरता में सुधार कर सकता है और रीढ़, पीठ, पैर, कंधे, गर्दन, कलाई और बाहों की मांसपेशियों को टोन कर सकता है।

(4) ये ब्लड फ्लो में सुधार करने में मदद कर सकता है। इससे खोपड़ी के ब्लड फ्लो में सुधार कर सकता है और बालों के झड़ने को कम करने में मदद कर सकता है। ये आसन स्किन में ब्लड फलो को बढ़ाने में मदद कर सकता है जिससे स्किन यंग रहती है।

समोसा, पूड़ी, पकौड़े, नहीं छोड़ सकते तो जानें कैसे टल सकता है कैंसर का खतरा

तेल, रिफाइंड ऑयल या डालडा सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं, यह बात हम सब जानते हैं। हालांकि कम लोगों को पता है कि यह दिक्कत कितनी सीरियस हो सकती है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की लेटेस्ट गाइडलाइन्स आने के बाद कई खाने के शौकीन डरे हैं। इसके मुताबिक, अगर आप एक ही तेल को बार-बार इस्तेमाल करते रहते हैं तो दिल की बीमारी के साथ कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है। अगर आप उनमें से एक हैं तो जान सकते हैं कि स्वाद के साथ सेहत का ध्यान कैसे रख सकते हैं।

कैसे इस्तेमाल करें ये तेल : आईसीएमआर की सलाह है कि अगर आपने तेल को एक बार इस्तेमाल कर लिया है तो इसे छानकर किसी और चीज में 1 या दो दिन के अंदर सब्जी वगैरह के लिए इस्तेमाल कर लें। इसको दोबारा डीप फ्राई के लिए यूज न करें। ये इस्तेमाल किया हुआ तेल एक या दो दिन के अंदर यूज कर लेना चाहिए। लंबे समय तक रखे रहने पर ये तेल और खराब हो सकते हैं।

क्या करें : बाजार में आप तेलों के रीहीट होने को नहीं रोक सकते। कॉमर्शियल लेवल पर बनने वाले पकवान बार-बार उसी तेल में तले जाते हैं जो सबसे ज्यादा खतरनाक होता है। ऐसे में अगर आप किसी बड़ी बीमारी से बचना चाहते हैं तो आपको बाजार के तले-भुने सामान खाने बंद कर देने चाहिए। इन्हें घर पर सावधानी से बनवाएं।

ये बचत पड़ सकती है भारी

बाजार का समोसा, भटूरा और ब्रेड पकौड़ा पसंद है तो सतर्क हो जाएं। आपके चटोरेपन की ये आदत जान का खतरा बढ़ा सकती है। घरों पर भी तेल को एक बार डीप फ्राइंग के लिए इस्तेमाल करने के बाद इसे डिब्बे में स्टोर करके बार-बार इस्तेमाल किया जाता है। बगैर यह जाने कि आपकी बचत की आदत आगे चलकर पूरे परिवार पर भारी पड़ सकती है।

बार-बार गरम करने से बनते हैं खतरनाक कंपाउंड्स

आईसीएमआर की रिपोर्ट के मुताबिक, किसी भी तेल, घी या फैट को बार-बार गर्म करने से पीयूएफए का ऑक्सीडेशन होता है। इससे ऐसे खतरनाक कंपाउंड्स बनते हैं तो दिल की बीमारी के साथ कैंसर भी पैदा करते हैं।

मैरिड लाइफ को बेहतर बना सकते हैं ये 2 योगासन

शादी के कुछ सालों बाद ही कपल अपने शादीशुदा रिश्ते में बोरियत महसूस करने लगते हैं। अगर आप ऐसा ही कुछ महसूस करते हैं और लाइफ में वापस रोमांस और खुशहाली लाना चाहते हैं तो ये 2 योगासन आपकी मदद कर सकते हैं। शादीशुदा जीवन की डोर को मजबूत बनाए रखने के लिए आपसी समझ और विश्वास ही काफी नहीं होता है। एक अच्छी मैरिड लाइफ के लिए व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक रूप से भी स्वस्थ रहना बेहद जरूरी होता है। लेकिन आजकल की भागती-दौड़ती जिदंगी में ना सिर्फ लोगों के खानपान की आदतों में बदलाव आया है, बल्कि सुस्त लाइफस्टाइल की वजह से भी उनके जीवन में निरसता आने लगी है। यही वजह है कि शादी के कुछ सालों बाद ही कपल अपने शादीशुदा रिश्ते में बोरियत महसूस करने लगते हैं। अगर आप ऐसा ही कुछ महसूस करते हैं और लाइफ में वापस रोमांस और खुशहाली लाना चाहते हैं तो ये 2 योगासन आपकी मदद कर सकते हैं।

बद्ध कोणासन : तितली आसन को बद्ध कोणासन या तितली आसन के नाम से भी जाना जाता है। यह आसन पीठ के तनाव को कम करने के साथ-साथ शरीर और दिमाग को भी आराम देता है। तितली आसन करने से पेल्विस एरिया में खिंचाव पैदा होता है, जो महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद होता है। इतना ही नहीं ये आसन हिप्स, थाई के अंदरूनी हिस्सा, पीठ और पैर के मसल्स में खिंचाव पैदा करके स्ट्रेस को दूर करने का भी काम करता है। इस आसन के नियमित अभ्यास से पाचन और पेट संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद मिलती है।

बद्ध कोणासन करने के लिए सबसे पहले सीधे बैठकर अपनी टांगों को सीधा फैला लें। अब अपनी टांगों को अंदर की तरफ इस तरह से मोड़ें कि दोनों पैर एक-दूसरे को टच करें। इस अवस्था में अपने घुटनों को साइड की दिशा में एकदम सीधा रखें और ऐसे हिलाते रहें कि लगे जैसे तितली उड़ रही हो। अब अपनी एड़ियों को पेल्विस के पास लाने की कोशिश करें। पेल्विस के जितने पास एड़ियों को लाने की कोशिश करेंगे उतना अच्छा रहेगा। अब अपनी जांघों को जमीन से टच कराने की कोशिश करें। इस आसन के दौरान धीरे-धीरे सांस को अंदर लेते और छोड़ते रहें।

भ्रामरी प्राणायाम

डॉक्टरों का भी मानना है कि जो महिलाएं प्रेग्नेंसी की प्लानिंग कर रही हैं, उन्हें एकदम खुश और रिलैक्स मूड में रहना चाहिए। इससे फर्टिलिटी हॉर्मोन्स बूस्ट होते हैं। बता दें, इन्फर्टिलिटी का एक कारण स्ट्रेस और टेंशन भी होता है। जिसे दूर करने में भ्रामरी प्राणायाम मददगार हो सकता है। भ्रामरी प्राणायाम करने के लिए सबसे पहले जमीन पर सीधे बैठकर आंखों को बंद करके हाथों के अंगूठों से दोनों कानों को बंद करें। दोनों हाथों की पहली उंगली को भौंहों के ऊपर रखें और बाकी तीन उंगलियों को आंखों पर रखें। इस आसन के दौरान मुंह एकदम बंद रखें और नाक से सामान्य गति से सांस लेते हुए मधुमक्खी की तरह मुंह बंद करके गुंजन करें।

कार्नर न्यूज

बिस्तर पर रखी तकिया की भी होती है एक्सपायरी डेट

पहचानें तकिया बदलने का समय, नहीं तो सेहत के लिए है नुकसानदेह

तकिया का इस्तेमाल लोग गर्दन को सपोर्ट देने या सोते समय पोश्चर को सही रखने के लिए करते हैं। लेकिन बिस्तर पर रखी तकिया की भी एक्सपायरी डेट होती है। भले ही आप पिलो कवर को हर हफ्ते या दूसरे दिन धोते हों लेकिन सेहत का ख्याल रखना चाहते हैं तो तकिया को समय पर बदल दें। हर तकिया की एक्सपायरी डेट होती है। इसे पहचाने के लिए बस इन छोटी चीजों पर ध्यान दें।

कब बदलना चाहिए तकिया

तकिया की भी एक्सपायरी डेट होती है। किसी भी तकिए को जो आप रोजाना इस्तेमाल करते हैं। उसे एक से दो साल के बीच में बदल देना चाहिए। साथ ही इन तरीकों से पता लगा सकते हैं कि आपका तकिया अब बदलने लायक हो गया है।

तकिया में गांठ

अक्सर रूई की ट्रेडिशनल तकिया में पुराने होने के साथ गांठ पड़ने लगती है। अगर तकिया में रूई की गांठ बन गई है तो इसे बदल दें।

तकिया फोल्ड कर पता करें

तकिया गर्दन के नीचे लगाने लायक है कि नहीं ये एक छोटे से टेस्ट से पता किया जा सकता है। बस तकिया को एक तरफ से फोल्ड कर आधा मिनट के लिए रुकें। तकिया से हाथ हटाते ही अगर तकिया सीधा हो जाए तो इसका मतलब कि सही है। लेकिन तकिया अगर फोल्ड पोजीशन में ही रह जाए तो इसका मतलब है कि तकिया बदलने का समय आ गया है।

पुराने तकिया से हो सकती हैं ये समस्याएं

तकिये पर सिर रखकर सोने से सिर में मौजूद ऑयल पिलो कवर के साथ ही तकिया अब्जॉर्ब कर लेता है और फिर यहीं ऑयल लगातार सोखने की वजह से माइक्रोबियम पनपने लगते हैं। जो सेहत के लिए नुकसानदेह बन जाते हैं।

- इम्यूनिटी वीक कर देते हैं।
- बार-बार कफ, कोल्ड हो जाता है तो एक बार तकिया जरूर बदल दें।
- चेहरे पर पिंपल, एक्ने बार-बार होना भी गंदे तकिये की निशानी हो सकती है।
- सोकर उठने पर गर्दन और कंधे में दर्द हो तो समझ जाएं कि तकिया आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा रहा है

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

रिहर्सल के दौरान गोली चलने से मौत मामले में एलेक बाल्डविन पर चलेगा मुकदमा

लॉस एंजिलिस। हॉलीवुड अभिनेता एलेक बाल्डविन ने 2021 में 'रस्ट' के सेट पर शूटिंग के दौरान गोलीबारी में हुई सिनेमैटोग्राफर हेलिना हचिन्स की मौत के मामले को खारिज करने का प्रस्ताव दिया था, जिसे कोर्ट ने अस्वीकार कर दिया। हॉलीवुड अभिनेता एलेक बाल्डविन पर सिनेमैटोग्राफर हलिना हचिन्स की हत्या करने का आरोप लगा है। दरअसल, अक्तूबर 2021 में 'रस्ट' के सेट पर शूटिंग के दौरान गोली चलने से सिनेमैटोग्राफर हलिना हचिन्स की मौत हो गई थी। इसी को लेकर अभिनेता पर घातक शूटिंग के लिए हत्या का आरोप लगाया गया था। वहीं, अब इस अभिनेता की ओर से कोर्ट में इस मामले को खारिज करने की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने उस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। वहीं, न्यू मैक्सिको के एक न्यायाधीश ने फैसला किया है एलेक बाल्डविन पर 'रस्ट' सिनेमैटोग्राफर हैलिना हचिन्स की घातक गोलीबारी के लिए इस गर्मी में भी मुकदमा चलेगा। एलेक बाल्डविन फिल्म के निर्माता भी थे, जिन्होंने न्यू मैक्सिको में कम बजट वाले वेस्टर्न के लिए रिहर्सल के दौरान कोल्ट .45 पकड़ा हुआ था। आरोप के अनुसार, बाल्डविन ने शूट शुरू होने पर लाइव राउंड जारी किया, जिसमें सिनेमैटोग्राफर हेलिना हचिन्स की मौत हो गई और निर्देशक जोएल सूजा घायल हो गए।

टॉलीवुड

राम चरण की पत्नी उपासना को विरासत में मिला है 77,000 करोड़ का कारोबार

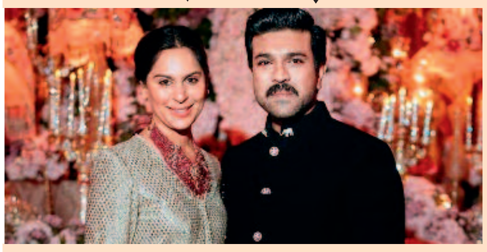

मुंबई। बॉलीवुड से लेकर साउथ सिनेमा तक के कई सितारों की वाइफ अपने पसंदीदा बिजनेस का काम संभाल रही हैं। कोई इंटीरियर डिजाइनर हैं तो कोई फैशन इंडस्ट्री में धमाल मचा रही है। इनमें से एक हैं साउथ के सुपरस्टार राम चरण की पत्नी उपासना कामिनेनी और ये शायद कम ही लोगों को पता हो कि वह कितना बड़ा बिजनेस एम्पायर चला रही हैं। उपासना जिस एम्पायर की मालकिन हैं, फिल्मों के कई टॉप सितारों का नेट वर्थ उनके आसपास भी नहीं ठहरता। बता दें कि भारत के सबसे बड़े कॉरपोरेट फैमिली में से एक की उत्तराधिकारी हैं उपासना जिन्हें विरासत में हजारों करोड़ का कारोबार मिला है। उपासना करीब 77,000 करोड़ रुपए का विशाल बिजनेस एम्पायर संभाल रही हैं। दरअसल उपासना अपोलो हॉस्पिटल्स चेयरमैन डॉ. प्रताप सी. रेड्डी की नातिन हैं। उपासना चेन्नई बेस्ड विशाल हेल्थकेयर फेसिलिटी का पूरा कारोबार संभाल रही हैं। हालांकि, उनकी मां शोभना भी इस कंपनी का कारोबार देख रही हैं। उपासना जहां अपोलो हॉस्पिटल्स की सीएसआर विंग की वाइस चेयरमैन हैं, वहीं वह एफएचपीएल की मैनेजिंग डायरेक्टर का काम भी संभाल रही हैं। हालांकि, उपासना और राम चरण की कुल नेट वर्थ की बात करें तो ये 2500 करोड़ के आसपास बताया जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, राम चरण जहां 1370 करोड़ रुपये के मालिक हैं वहीं उपासना की कुल सम्पत्ति 1130 करोड़ के आसपास बताई जाती है।

भोजपुरी

खेसारी से लेकर पवन सिंह तक, जानें कितने पढ़े लिखे हैं ये मशहूर भोजपुरी सितारे

मुंबई। हिंदी और साउथ फिल्मों के अलावा भारत में भोजपुरी इंडस्ट्री का भी बोलबाला है। लोकप्रियता के मामले में इन इंडस्ट्री के सितारे बॉलीवुड के बड़े अभिनेताओं को टक्कर देते हैं। खेसारी लाल यादव से लेकर पवन सिंह तक, इन सभी सितारों को बड़ी संख्या लोग फॉलो करते हैं। भोजपुरी कलाकारों के अभिनय से तो ज्यादातर लोग वाकिफ हैं, लेकिन उनकी पढ़ाई के बारे में कम ही लोगों को ही जानकारी है। आज हम आपको भोजीवुड के कई लोकप्रियता सितारों की शैक्षिक योग्यता के बारे में आपको बताने जा रहे हैं।

पवन सिंह : भोजपुरी सिनेमा के बड़े सितारों में पवन सिंह का नाम भी जरूर शामिल किया जाता है। उन्हें प्यार से पावर स्टार के नाम से भी जाना जाता है। पवन सिंह को अभिनय के अलावा उनके गायन के लिए भी काफी पसंद किया जाता है। अक्सर उनके गाने इंटरनेट पर छाए रहते हैं। अपनी कला से लोगों का मनोरंजन करने वाले पवन सिंह सिर्फ 10वीं कक्षा तक की पढ़े हैं।

अक्षरा सिंह : अक्षरा सिंह भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री हैं। अपनी खूबसूरती और अभिनय से वे लाखों दिलों पर राज करती हैं। वे सोशल मीडिया पर भी काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं। अब तक वे कई सुपरहिट फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं। एक्टिंग में करियर बनाने के लिए अक्षरा ने ग्रेजुएशन की पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी थी।

रवि किशन : रवि किशन भोजपुरी सिनेमा के सबसे बड़े सितारे हैं। वे हिंदी फिल्मों में भी अपनी अदाकारी का जलवा दिखा चुके हैं। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म लापता लेडीज को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। रवि की शैक्षिक योग्यता की बात करें तो उन्होंने 12वीं तक ही पढ़ाई की है।

हर लुक में स्टाइलिश लगती हैं सुहाना

मुंबई। फिल्म 'द आर्चीज़' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान की लाडली बेटी सुहाना खान 24 साल की हो गई हैं। शनाया कपूर, अनन्या पांडे और नव्या नवेली नंदा ने उन्हें खास अंदाज में बर्थडे विश भी किया। ब्लू साड़ी में सुहाना खान की तस्वीर इंटरनेट पर काफी वायरल हुई थी। कैजुअल लुक में भी सुहाना खान बेहद स्टाइलिश और गॉर्जियस लगती हैं। उस पर ट्रेडिशनल लुक काफी फबता है और वो साड़ी में बेहद प्रिटी लगती हैं। सुहाना का रेड हॉट लुक भी काफी स्टनिंग है।

स्किन को चमकाने के लिए सबसे ज्यादा पॉपुलर हैं ये डीआईवाई फेस मास्क

स्किन पर ग्लो लाने और खूबसूरती बढ़ाने के लिए सबसे ज्यादा लड़कियां इन डाई फेस मास्क पर भरोसा करती हैं। जिससे स्किन आसानी से ग्लो करने लगती है। स्किन पर ग्लो लाने के लिए मार्केट में कई सारे प्रोडक्ट मिल जाते हैं। लेकिन अभी भी बहुत सारी लड़कियां घरेलू नुस्खों की मदद से स्किन पर ग्लो लाती हैं। ये नुस्खे होते भी बड़े काम के हैं। आमतौर पर इन पॉपुलर फेस मास्क को ज्यादातर लोग स्किन पर अप्लाई करना अच्छा समझते हैं। साथ ही ये स्किन को ग्लोइंग बनाने और डेड स्किन हटाने में मदद भी करते हैं। तो चलिए जानें वो कौन से फेस मास्क हैं जो सबसे ज्यादा स्किन पर इस्तेमाल किए जाते हैं और जिनके रिजल्ट भी बेहतर होते हैं।

ओट्स फेस पैक

ओट्स का इस्तेमाल स्क्रब के तौर पर करना अच्छा होता है। ये स्किन को एक्सफोलिएट करके डेड स्किन को साफ करता है। सेंसेटिव और ड्राई स्किन के लिए ओट्स फेस पैक बढ़िया ऑप्शन है।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल स्किन के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद है। खासतौर पर गर्मियों में स्किन पर हो रही इरिटेशन, जलन को दूर कर हाइड्रेट करने और एक्स्ट्रा ऑयल को कम करे में मदद करता है। एलोवेरा जेल को डायरेक्ट स्किन पर लगाकर या फिर फेस पैक पर मिलाकर लगाया जा सकता है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी से बना फेस मिस्ट और टोनर गर्मियों में स्किन को फ्रेशनेस देने में मदद करता है। ये स्किन में हो रही सूजन को खत्म करता है और स्किन को सॉफ्ट, स्मूद बनाता है।

दही

दही किसी भी फेस मास्क का बेस्ट इंग्रीडिएंट्स है। इससे ना केवल स्किन सॉफ्ट और हाइड्रेट होती है। साथ ही ड्राईनेस दूर होने में मदद मिलती है।

छोटी आंखों को बड़ा दिखाना है तो मेकअप के इन स्टेप्स को करें फॉलो

चेहरे पर अगर सबसे पहले किसी चीज पर नजर जाती है तो वो हैं आंखें। यही वजह है कि लोग मेकअप करते वक्त आंखों को स्पेशल अटेंशन देते हैं और मेकअप के लिए एक्सपर्ट की मदद लेते हैं। अगर आप मेकअप के कुछ बेसिक ट्रिक्स को सीख लें तो इसकी मदद से आप अपनी आंखों को बड़ा दिखा सकती है। इसके लिए आप कुछ सिंपल बातों को धयान में रखें और कुछ स्पेशल प्रोडक्ट हमेशा अपने साथ रखें। दरअसल, कुछ लोगों की आंखें नेचुरली बड़ी होती है, जबकि कई लोग आंखों को बड़ा दिखाने के लिए मेकअप की मदद देते हैं। ऐसे में अगर आप भी आई मेकअप का ये ट्रिक जान लें तो हर बार बड़ी आसानी से मेकअप की मदद से अपनी आंखों को आकर्षक बना सकती हैं।

आइब्रो पर दें ध्यान : अगर आपको अपनी आंखों को बड़ा दिखाना है तो सबसे पहले इस बात का ध्यान रखें कि आपके आइब्रो का आर्क सही है या नहीं। अगर आईब्रो में कुछ गैप है तो उन्हें अच्छी तरह से लाइट ब्राउन मेकअप से फिल कर लें।

अंडर आई करें कंसील : अगर आपके आंखों के नीचे डार्क सर्कल है तो इसकी वजह से भी आंखें थकी हुई दिखती हैं। इसलिए सबसे पहले अपनी आंखों के नीचे की स्किन को कंसीलर से कंसील करें और तब फाउंडेशन का इस्तेमाल करें। इसके बाद ही आई मेकअप करें।

आईलैश को दें वॉल्यूम : लंबे और घने आई लैश आंखों को नेचुरली बड़ा इल्यूजन देते हैं। इसलिए आप अपने दोनों आईलैश पर मस्कारा जरूर अप्लाई करें। ये आंखों को बड़ा दिखाने में मदद करते हैं।

काजल ऐसे लगाएं : जब भी आप काजल अप्लाई करें तो ध्यान रहे कि ये आंखों के आउटर साइड पर ही लगा हो। ऐसा करने से आंखें बड़ी दिखती हैं। आप ब्रश की मदद से इन्हें सॉफ्ट लुक दे सकते हैं।

आईलाइनर का ऐसे करें प्रयोग : कुछ लोग समझते हैं कि मोटा आईलाइनर आंखों को बड़ा दिखाता है, जबकि अगर आप पतला स्ट्रोक देंगे तो आंखें अधिक डिफाइन दिखेंगी। आप कैटआई शेप में आंखों पर इसे अप्लाई करें।

गर्मी में फ्लॉलेस मेकअप का ये हैं सही तरीका पार्टी में जाने से पहले जरूर जान लें

मेघना रोज सुबह जल्दी-जल्दी ऑफिस के लिए तैयार होती है, लेकिन दफ्तर पहुंचते-पहुंचते उसका आधा मेकअप जैसे धुल सा जाता है। ऐसी परेशानी इन दिनों अधिकतर लड़कियां महसूस कर रही हैं। गर्मी और उमस बढ़ने के साथ ही मेकअप करना भी चैलेंजिंग होता जा रहा है। हालांकि, इन दिनों शॉप में समर कलेक्शन प्रोडक्ट काफी बिक रहे हैं, लेकिन इनका इस्तेमाल करने पर भी मेकअप पूरी तरह फ्लोलेस नहीं रह पाता। ऐसे में अगर आप समर में कॉन्फिडेंस के साथ अपने मेकअप को कैरी करना चाहती हैं तो कुछ बातों को ध्यान में रखना जरूरी होता है।

स्किन को करें तैयार : मेकअप लंबे समय तक टिका रहे, इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी त्वचा पर एक अच्छा बेस तैयार कर लें। इसके लिए सबसे पहले किसी माइल्ड क्लींजर से स्किन को साफ करें और कोई एसपीएफ युक्त लाइट मॉइस्चराइजर लगाएं। अगर ह्यूमिड अधिक है तो आप प्राइमर का इस्तेमाल भी करें। इस तरह मेकअप एक जगह पर टिका रहेगा।

बनाएं बेस मेकअप

गर्मी में हेवी फाउंडेशन से बचें। बेहतर होगा कि आप टिंटेड मॉइस्चराइजर, बीबी क्रीम, या वाटर बेस्ड फाउंडेशन से स्किन पर कवरेज दें। इसके लिए आप स्वेट और वाटर प्रूफ प्रोडक्ट का इस्तेमाल करें।

पाउडर के करें सेट

मेकअप करने के दौरान सेटिंग पाउडर का इस्तेमाल करें और अपने टी-जोन और पसीने वाली जगह पर अप्लाई करें। इस तरह चेहरे पर एक्स्ट्रा शाइन हटेगा और चेहरा ऑयली नहीं लगेगा। इस तरह मेकअप पूरे दिन सेट रहेगा।

चेहरे पर रेगुलर घी लगाने से स्किन पर नहीं दिखता बढ़ती उम्र का असर

घी का इस्तेमाल ढेरों व्यंजन बनाने के लिए आप सभी करते होंगे। हालांकि, कुछ लोगों को लगता है कि घी के सेवन से वजन बढ़ता है। ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। घी सेहत के लिए काफी हेल्दी होता है। इसे सीमित मात्रा में खाएं तो आपका वजन नहीं बढ़ेगा, क्योंकि इसमें हेल्दी फैट होता है। क्या आप जानते हैं कि घी त्वचा को भी कई तरह से फायदा पहुंचा सकता है? नहीं जानते हैं तो यहां डालिए स्किन के लिए घी के फायदों पर एक नजर।

त्वचा पर घी लगाने के फायदे

1. त्वचा यदि रूखी, बेजान हो गई है तो आप घी लगा सकते हैं। इससे स्किन पर नेचुरली ग्लो आएगा. घी में कई पोषक तत्व होते हैं जैसे विटामिन ई, ए, के जो त्वचा

को हेल्दी रखते हैं।आप इसे भोजन में शामिल करके भी स्किन की चमक बरकरार रख सकते हैं।

2. थोड़े से घी से चेहरे, गर्दन के हिस्सों में मालिश करने से स्किन सॉफ्ट बनती है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट स्किन को फ्री रैडिकल्स से होने वाले नुकसानों से बचाए रखते हैं।साथ ही कम उम्र में बढ़ती उम्र के लक्षणों को भी रोकता है।

3. वैसे आपको स्किन संबंधित कोई समस्या है तो घी या किसी भी अन्य घरेलू उपचार को आजमाने से पहले एक्सपर्ट की राय जरूर ले लें।

स्किन पर घी लगाने का तरीका

आप घी को त्वचा पर इस्तेमाल किए जाने वाले कुछ घरेलू नुस्खों में एड करके अप्लाई कर सकते हैं। आधा चम्मच घी में एक चुटकी हल्दी मिक्स करके चेहर पर अच्छी तरह से लगा लें। इसे 15 मिनट छोड़ने के बाद चेहरा पानी से साफ कर लें। इससे स्किन भी साफ होगी और नेचुरल निखार आ सकता है। बेसन का फेस पैक बहुत लोग इस्तेमाल करते हैं। आप बेसन में भी घी थोड़ा सा डालकर चेहरे पर अप्लाई कर सकते हैं। इसके अलावा घी में शहद मिलाकर भी चेहरे पर लगाने से स्किन स्मूद होती है और नमी बरकरार रहती है।

कार्नर न्यूज

भारतीय ब्राइड्स को पसंद आ रहे हैं पाकिस्तानी दुल्हनों के ये गहनें

मार्केट में काफी पॉपुलर हो रही हैं इस तरह की पाकिस्तानी ब्राइडल ज्वैलरीज

पाकिस्तानी दुल्हनों में कुछ तो ऐसा होता है, जो लोगों को उनके ब्राइडल लुक की ओर आकर्षित करता है। शायद यह उनका गहना है, जिसे वे अपनी शादी के दिन पहनती हैं और काफी आकर्षक और चमकदार दिखती हैं। भारतीय ब्राइड्स को भी खूब पसंद आ रहे हैं पाकिस्तानी दुल्हनों के ये गहनें।

नथ- पाकिस्तानी दुल्हनें अपनी शादी के लिए नथ चुनते समय पूरी ताकत लगा देती हैं और उन्हें अक्सर भारी गोलाकार नथ में देखा जाता है, जिसमें कान के पीछे एक लंबी चेन लगी होती है और एक बीडिंग या एक सुंदर छोटे डैंगलर के साथ देखा जाता है, जो उनके चेहरे और मेकअप को पूरा करता है एक शाही दुल्हन का लुक देता है।

चांदबाली पासा- चांदबाली पासा बहुत लोकप्रिय हैं. कुछ पन्ना या हीरे के साथ डिजाइन किए जाते हैं, जबकि कुछ थोड़े कम कीमती मोती में देखे जाते हैं। यह पासा रॉयल्टी को दर्शाते हैं. पाकिस्तानी ब्राइड के लुक में पासा सबसे जरूरी हैं। माना जाता है कि यह दुल्हन के लिए सौभाग्य लाते हैं। यह खूबसूरत एक्सेसरी अब भारतीय बाजार में भर गई है और दुल्हनें इस ब्राइडल डिटेल को पसंद कर रही हैं।

जड़ाऊ माथा पट्टी- जड़ाऊ माथा पट्टी को पन्ना या मोती के सुंदर सेट के साथ बनाया जाता है, जो काफी आश्चर्यजनक लगता है। हालांकि, अधिकांश दुल्हनें बीच में एक सुंदर स्टोन के साथ कुंदन सेट चुनती हैं, जो मांग टीका का लुक भी देता है। माथा पट्टी भारतीय दुल्हनों के बीच भी काफी आम गहना है, लेकिन बहुत सी महिलाएं अपने वेडिंग डे पर शानदार लहंगे के साथ मांग टीका पहनती हैं।

ग्लैमरस चोकर्स- जो दुल्हनें लेयर्ड नेकलेस नहीं चुनतीं, वे शानदार चोकर्स चुन सकती हैं, जो एक ही समय में राजसी और फैशनेबल दोनों दिखते हैं। पन्ना, सोना और हीरे के चोकर हर पाकिस्तानी दुल्हन के पसंदीदा गहनों में से एक हैं और इस कम्पलीट ब्राइडल लुक के साथ सुंदर लगते हैं।

शाही लेयर्ड हार

पन्ना, मोतियों, कुंदन और अन्य कीमती पत्थरों से जड़ा एक लेयर्ड नेकलेस काफी सुंदर और रॉयल दिखता है, जो दुल्हन की पूरी नेकलाइन को घेर लेता है। एक भारी और ग्लैमरस दुल्हन लुक पाने के लिए इसे पहनें. इन लेयर्ड नेकलेस में एक कीमती सेंटर स्टोन भी है, जो पाकिस्तानी दुल्हनों के गहनों में एक और आम चीज है।

साइड-लुक झूमर

झूमर देखने में पासा की तरह ही होते हैं, लेकिन साइज में उनसे बड़े होते हैं और इनमें डीटेल्ड और बड़ा कवरेज होता है जो ज्यादातर समय पूरे सिर को ढके रखता है। यह एक तरह का एक साइड झुका हुआ लुक वाला हेडगियर होता है। यह माथे पर पीछे के घूंघट के साथ आश्चर्यजनक लग रहा है, जो दुल्हन के पूरे लुक से मेल खाता है।